@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शनिवार 17 जनवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 422 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नागपुर नगर निगम चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत

गडकरी-फडणवीस की जोड़ी का चला जादू

एजेंसी

नागपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नागपुर नगर निगम (एनएमसी) चुनाव में विपक्ष को धूल चटा दी है। शुक्रवार को मतगणना के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ भाजपा ने 151 सदस्यीय एनएमसी में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। शाम 5:30 बजे तक के मौजूदा रुझान और घोषित परिणाम महायुति गठबंधन के लगभग पूर्ण वर्चस्व का संकेत दे रहे हैं। भाजपा, जिसने 2017 के चुनाव में 108 सीटें जीती थीं, इस बार अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 115 सीटों का आंकड़ा पार करती नजर आ रही है।

राजनीतिक विश्लेषक इस जीत का श्रेय स्थानीय नेताओं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जोरदार चुनाव प्रचार को दे रहे हैं। कांग्रेस विधायक विकास ठाकरे के नेतृत्व में आक्रामक प्रचार अभियान के बावजूद पार्टी भाजपा के जमीनी नेटवर्क को तोड़ने में विफल रही। आंतरिक मतभेद और एमवीए के घटक दलों (एनसीपी-एसपी और कांग्रेस) द्वारा अलग-अलग चुनाव लड़ने के फैसले को विपक्षी दलों के बिखरे हुए वोटों का मुख्य कारण माना जा रहा है। कुछ प्रभागों में ईवीएम में मामूली खराबी और मतदाता सूचियों में विसंगतियों की खबरों के बीच, शहर में मतदान के दिन लगभग 51-52 प्रतिशत का मध्यम मतदान दर्ज किया गया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह विभाजनकारी राजनीति पर विकास की जीत है। नागपुर ने एक बार फिर दिखाया है कि उसे प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण और महाराष्ट्र के नेतृत्व पर भरोसा है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने परिणामों पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें स्थिरता, प्रगति और कुशल प्रशासन के लिए स्पष्ट जनादेश बताया। गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व को बधाई देते हुए, गडकरी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महायुति के पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों की भी सराहना की, जिनके अथक प्रचार अभियान ने इस सफलता को संभव बनाया।

-यह आंकड़े खबर लिखे जाने तक के हैं।

महाराष्ट्र में एनडीए के जनहित के एजेंडे को जनता का समर्थन : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में 'मिनी विधानसभा' माने जा रहे नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले 'महायुति गठबंधन' ने शानदार प्रदर्शन किया है। राज्य के 29 में से अधिकांश नगर निगमों में गठबंधन ने बढ़त हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निकाय चुनाव में जीत पर खुशी जाहिर की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'धन्यवाद महाराष्ट्र! राज्य की ऊर्जावान जनता ने एनडीए के जनहितैषी सुशासन के एजेंडे को आशीर्वाद दिया है!' उन्होंने कहा कि विभिन्न नगर निगम चुनावों के परिणाम दर्शाते हैं कि महाराष्ट्र की जनता के साथ एनडीए का संबंध और भी गहरा हुआ है। विकास के लिए हमारी कार्य-प्रणाली और दृष्टिकोण जनता को पसंद आया है। महाराष्ट्र भर की जनता के प्रति मेरी कृतज्ञता। यह वोट प्रगति को गति देने और राज्य की गौरवशाली संस्कृति का जश्न मनाने का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे उन सभी एनडीए कार्यकर्ताओं पर गर्व है जिन्होंने महाराष्ट्र भर में जनता के बीच अथक परिश्रम किया। उन्होंने हमारे गठबंधन के उत्कृष्ट कार्यों के बारे में बताया, आने वाले समय के लिए हमारी योजनाओं को उजागर किया और विपक्ष के झूठ का प्रभावी ढंग से खंडन किया। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं।वहीं, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव में 'महायुति गठबंधन' को मिली प्रचंड जीत पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एवं शिवसेना की प्रचण्ड विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनता की मुहर है।

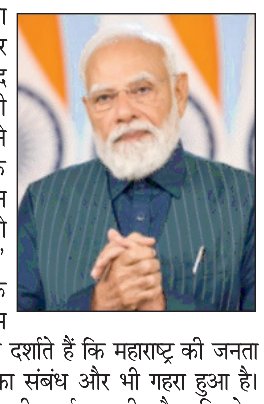

सीएम फडणवीस से मिले रामदास आठवले, बीएमसी चुनाव रिजल्ट आने से पहले दी बधाई

एजेंसी

मुंबई । केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके सरकारी आवास 'वर्षा बंगला' पर मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। आठवले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके घर पर मिलकर उन्हें नगर निगम चुनावों में महायुति की शानदार जीत पर बधाई दी। सत्ता उन्हीं की होती है जिनके साथ हम होते हैं।' उन्होंने पोस्ट किया, 'आज एक बार फिर मुंबईकरों ने तानाशाही को पूरी तरह से नकार दिया है। यह जीत सिर्फ महायुति की नहीं, बल्कि आम लोगों के भरोसे की भी है। यह कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत, लीडरशिप पर जनता के भरोसे और विकास की पॉजिटिव दिशा का सफल फल है। '

काउंटिंग के दौरान आईएएनएस से बातचीत करते हुए रामदास आठवले ने दावा किया कि मुंबई में महायुति की जीत पहले से ही तय थी। उन्होंने कहा, 'मुंबई महायुति के हाथ में आने वाली थी, जिसके लिए हमने प्रयास किया था। उसी तरह के रुझान भी सामने आ रहे हैं। आखिर तक हमें पूर्ण बहुमत भी मिलेगा। बाकी जगहों पर भी भाजपा और शिवसेना सत्ता में आ रही है। ' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुंबई और महाराष्ट्र में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। आठवले ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में मुंबई और पूरे महाराष्ट्र का विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार भी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। लोगों ने विकास को प्राथमिकता में रखकर मतदान किया है। ' राजनीतिक समीकरणों पर बात करते हुए रामदास आठवले ने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक साथ आने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'हर किसी को सत्ता में आने के लिए अपने-अपने इंतजाम करने का अधिकार है।

कर्नाटक का सीएम पद पार्टी हाईकमान और हमारे बीच का मामला

● सार्वजनिक चर्चा न होः डीके शिवकुमार

एजेंसी

नई दिल्ली । कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को साफ किया कि मुख्यमंत्री पद का मुद्दा उनके, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और पार्टी हाईकमान के बीच का मामला है, इस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं की जानी चाहिए। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि लोगों को इस मामले पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। यह मामला पार्टी के हाईकमान का है। है।जो फैसला वहां से आएगा, वह हमको मंजूर होगा। इस दौरे के दौरान हाईकमान नेताओं से मिलेंगे। मैं पार्टी नेताओं से मिलने के इरादे से दिल्ली आया हूं। असम चुनावों के सिलसिले में हाई कमान नेताओं के साथ बैठक के एजेंडे के बारे में पूछे जाने पर डीके शिवकुमार ने कहा, 'हमारी पार्टी के प्लान बताना कैसे मुमकिन है? इन मामलों पर सिर्फ पार्टी लेवल पर बात होगी, पब्लिक में नहीं। अगर कोई जानकारी शेयर करनी होगी तो हमारे पार्टी के महासचिव करेंगे। '

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह केंद्रीय मंत्रियों से मिलेंगे, तो उन्होंने कहा, 'सिंचाई

परियोजनाओं से जुड़े कुछ जरूरी कानूनी मुद्दे हैं जिन पर चर्चा करने की जरूरत है। इसलिए मैं कानूनी विशेषज्ञों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलूंगा। ' शिवकुमार दिल्ली में रुकेंगे और शनिवार को बेंगलुरु लौटेंगे। राज्य में नेतृत्व की खींचतान के बीच उनके इस दौरे से अटकलें लगाई जा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस मामले पर राहुल गांधी के साथ उनकी निजी मुलाकात होगी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राहुल गांधी से मिलना उनके लिए कोई नई बात नहीं है और यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। राहुल गांधी के साथ एक मीटिंग और प्राइवेट बातचीत के बाद आए इस पोस्ट से कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या मैसूर एयरपोर्ट पर राहुल गांधी से मिलने के बाद उनके समर्थक और उनके खेमे के विधायक खुश हैं तो शिवकुमार ने कहा, 'राहुल गांधी हमारे पार्टी नेता हैं। हमारे पार्टी नेताओं और अध्यक्ष से मिलना और फोन पर बातचीत करना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। हम ऐसे मामलों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं करते हैं। '

नगर निगम चुनावः कांग्रेस का आरोप- महायुति की जीत फर्जी मतदान के कारण हुई

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति की नगर निगम चुनाव में जीत फर्जी मतदान, धन वितरण और चुनाव आयोग की मदद के कारण हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुंबई में भाजपा की जीत धांधली का नतीजा है। वार्ड गठन से लेकर 'पीएडीयू' मशीन और स्याही कांड तक, यह सब धांधली का खेल था। चुनाव आयोग को लीपापोती बंद करनी चाहिए और भाजपा के इशारे पर काम करना बंद करना चाहिए। भाजपा में अब नैतिकता या शर्म नाम की कोई चीज नहीं बची है। लोकतंत्र सचमुच संकट में है, यह स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि धन वितरण, फर्जी मतदाता, उम्मीदवारों के खिलाफ साजिश और चुनाव आयोग का कुप्रबंधन, यह सब स्पष्ट करता है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हो रहे हैं।

राज्य में औद्योगिक विकास के दो वर्ष के आंकड़े उत्साहजनक, नए साल में और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प : राज्यवर्द्धन राठौड़

जयपुर। राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल के प्रथम वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट के माध्यम से प्रदेश में औद्योगिक निवेश को लेकर अपनी दूरगामी सोच को जनता के समक्ष स्पष्ट किया। निवेशकों ने भी राज्य सरकार पर भरोसा जताते हुए लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए जिनमें से अब तक 8 लाख करोड़ रूपये से अधिक के एमओयू धरातल पर उतरने में सफल रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार की दूरदर्शी एवं विकासोन्मुख सोच का ही परिणाम है कि गत दो वर्षों में राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इन निर्णयों के क्रियान्वयन में रीको ने भी अपनी प्रभावी भूमिका निभाई है। राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा निवेष होए लोगों को रोजगार मिले एवं उद्यमियों को अपना उद्योग लगाने एवं संचालन में आसानी हों।

चाबहार पर भारत ने कहा- रास्ता निकालने के लिए अमेरिका से बातचीत जारी

● 'वर्तमान में लगभग 9 हजार भारतीय नागरिक अभी ईरान में हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान में रणनीतिक निवेश बंदरगाह चाबहार से अलग होने की खबरों के बीच भारत ने कहा है कि हम इस संबंध में अमेरिका के साथ संपर्क में हैं और मार्ग तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि पिछले साल 28 अक्टूबर को अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने सशर्त प्रतिबंध स्थगित करने पर गाइडेंस देते हुए एक लेटर जारी किया था। यह 26 अप्रैल 2026 तक वैध है। हम इस व्यवस्था पर काम करने के लिए अमेरिकी पक्ष के साथ बातचीत कर रहे हैं। पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता से ईरान से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे थे। वर्तमान में ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों को सामना कर रहा है। इन प्रतिबंधों के चलते ईरान में महंगाई बढ़ गई है। इन प्रतिबंधों का प्रभाव भारत पर भी पड़ा है जिसने अफगानिस्तान और मध्यपूर्व तक संपर्क बनाने के लिए ईरानी बंदरगाह चाबहार में बड़ा निवेश किया है। वर्तमान में ईरान पर अमेरिकी कार्रवाई

की भी आशंका बनी हुई। प्रवक्ता ने बताया कि वर्तमान में लगभग 9 हजार भारतीय नागरिक अभी ईरान में हैं। इनमें से ज़्यादातर छात्र हैं, इसके अलावा, नाविक, तीर्थयात्री और कुछ बिज़नेस से जुड़े लोग भी वहाँ रह रहे हैं। हाल के दिनों में वहां बन रहे हालात को देखते हुए हमने दो-तीन परामर्श जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि इन परामर्श में साफ़ तौर पर कहा गया है कि भारतीय नागरिकों को अभी ईरान की यात्रा नहीं करनी चाहिए। पहले से ही वहां रह रहे भारतीयों को जल्द से जल्द देश छोड़ना चाहिए। विदेश मंत्रालय वहां के हालात पर करीब से नज़र रख रहा है और जहां तक लोगों की सुरक्षा और हितों की बात है ज़रूरत पड़ने पर कोई भी कदम उठाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसी बीच भारत का ईरान से आयात काफी घट गया है। प्रवक्ता ने आज कहा कि पिछले वित्त वर्ष में हमारा कुल व्यापार 1.6 अरब डॉलर था। इसमें निर्यात 1.2 अरब डॉलर और आयात 0.4 अरब डॉलर था। कुल मिलाकर भारत के कुल वैश्विक व्यापार में ईरान का हिस्सा लगभग 0.15 प्रतिशत है।

घटिया बीज बेचने पर 30 लाख रुपए तक जुर्माना और कड़ी सजा का प्रावधान प्रस्तावित : शिवराज सिंह

● 'बीजों की गुणवत्ता पर अब किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए नए सीड एक्ट (सीड एक्ट 2026) की विशेषताओं और उसके किसानों पर होने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक किसानों की सुरक्षा, बीज की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला ऐतिहासिक कदम है। शिवराज सिंह ने कहा कि बीजों की गुणवत्ता पर अब किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभी तक 500 रुपए तक का जुर्माना था, लेकिन अब प्रस्ताव है कि 30 लाख रुपए तक जुर्माना हो और अगर कोई जानबूझकर अपराध करता है तो सजा का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा कि सब कंपनियां खराब नहीं हैं, लेकिन जो किसान को धोखा देंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मीडिया के सवालों के जवाब

में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब देश में बीज की ट्रेसिबिलिटी की व्यवस्था स्थापित की जाएगी। हमने कोशिश की है कि ऐसा सिस्टम बने जिसमें यह पूरा पता चल सके कि बीज कहां उत्पादित हुआ, किस डीलर ने दिया और किसने बेचा। हर बीज पर क्यूआर कोड होगा, जिसे स्कैन करते ही किसान यह जान सकेगा कि वह बीज कहां से आया है। इससे घटिया या नकली बीज न केवल रोके जा सकेंगे बल्कि यदि वे बाजार में आएंगे भी तो जिम्मेदार व्यक्ति पर शीघ्र कार्रवाई संभव होगी।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि जैसे ही ट्रेसिबिलिटी लागू होगी, नकली या खराब बीज की पहचान तुरंत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि खराब बीज आएंगे ही नहीं, और अगर आएंगे तो पकड़े जाएंगे। जिसने खराब बीज दिया, उसे दंड दिया जाएगा। इससे किसानों को भ्रमित करने वाली कंपनियों और डीलरों की मनमानी पर लगाम लगेगी। उन्होंने कहा कि अब हर सीड कंपनी का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा, जिससे यह साफ रहेगा कि कौन सी कंपनी अधिकृत है। पंजीकृत कंपनियों की जानकारी उपलब्ध रहेगी और कोई भी अनधिकृत विक्रेता बीज नहीं बेच पाएगा। इससे बाजार में फर्जी कंपनियां खत्म होंगी और किसानों को सही स्रोत का बीज मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस भ्रम को दूर किया कि नया कानून किसानों के परंपरागत बीजों पर रोक लगाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा, ''किसान अपने बीज बो सकते हैं, दूसरे किसान को बीज दे सकते हैं। स्थानीय स्तर पर जो परंपरागत बीज विनिमय की परंपरा है, वो जारी रहेगी। इसमें कोई दिक्कत नहीं है।'' उन्होंने उदाहरण दिया कि ग्रामीण इलाकों में बोनी के समय किसान आपस में बीज लेते-देते हैं और बाद में उसे सवा गुना वापिस कर देते हैं, यह पारंपरिक प्रणाली आगे भी जारी रहेगी।

सत्ता में हिस्सेदारी मांगना गलत नहीं : सचिन पायलट

● तमिलनाडु में आगामी अप्रैल माह में संभावित विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में आगामी अप्रैल माह में संभावित विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। राज्य की सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियां चुनावी तैयारियों में जुटी हुई हैं। विशेष रूप से गठबंधन और सीटों के बंटवारे को लेकर विभिन्न दलों के बीच लगातार बातचीत चल रही है। इसी कड़ी में लंबे समय से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के साथ गठबंधन में रही कांग्रेस पार्टी इस बार सरकार गठन की स्थिति में सत्ता में हिस्सेदारी की मांग कर रही है, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सत्ता में हिस्सेदारी की मांग पूरी तरह जायज है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सेल्वापेरुंदगई पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि इस विषय में अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व लेगा। वहीं, यह भी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस इस बार पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रही तमिलगा वेट्री कज़गम (तवेक) के साथ संभावित गठबंधन पर भी विचार कर सकती है। हालांकि, पार्टी नेतृत्व का कहना है कि द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन मजबूत है और आगे भी बना रहेगा। इसी संदर्भ में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सत्ता में हिस्सेदारी की मांग को उचित ठहराया है। चेन्नई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी की स्थिति मजबूत है और वर्षों से पार्टी का एक स्थायी और भरोसेमंद वोट प्रतिशत रहा है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने की यूके हाउस ऑफ लॉर्ड्स के लॉर्ड स्पीकर से भेंट

एजेंसी

नई दिल्ली । उप राष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को यूनाइटेड किंगडम (यूके) की संसद के हाउस

> **'भारत ने अनेक अंतर-संसदीय प्रतिनिधिमंडलों की मेज़बानी की है तथा उनमें भाग लिया है और उन्होंने यह सुझाव दिया कि संयुक्त कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा ज्ञान साझाकरण संबंधी पहलों के कार्यान्वयन पर विचार करना लाभप्रद होगा।'**

ऑफ लॉर्ड्स के लॉर्ड स्पीकर, लॉर्ड मैकफॉल ऑफ एल्क्लुइथ पीसी के साथ संसद भवन में सौहार्दपूर्ण एवं सार्थक भेंट की। यह भेंट 14 से 16 जनवरी तक भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन(सीएसपीओसी)

के दौरान हुई। लॉर्ड स्पीकर का राज्य सभा में स्वागत करते हुए सीपी राधाकृष्णन ने सम्मेलन में उनकी भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति दोनों देशों के बीच सतत मित्रता एवं मजबूत संसदीय संबंधों को रेखांकित करती है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह दौरा न केवल उपयोगी बल्कि आनंददायक भी होगा तथा भारत की संसदीय परंपराओं, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों को निकट से समझने का अवसर प्रदान करेगा। बैठक के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम का इतिहास दीर्घकालिक और पारस्परिक रहा है, जिसमें सदियों से विकसित होती संसदीय परंपराएं शामिल हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत की संसदीय प्रणाली वेस्टमिंस्टर मॉडल से प्रेरणा लेने के साथ ही भारत के विशिष्ट लोकतांत्रिक संरचना को प्रतिबिंबित करते हुए स्वाभाविक रूप से विकसित हुई है। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने विधि द्वारा शासन, संसदीय विशेषाधिकार तथा कार्यपालिका पर प्रभावी लोकतांत्रिक पर्यवेक्षण के प्रति दोनों संसदों की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये साझा सिद्धांत परस्पर सीखने के लिए एक सुदृढ़ आधार प्रदान करते हैं। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रमंडल संबंधों की नींव के तौर पर संसदीय कूटनीति के महत्व पर बल दिया और संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के लिए विनिमय कार्यक्रमों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ में हुई शामिल

एजेंसी

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को एक दिवसीय यात्रा पर जयपुर पहुंची। मुर्मु सीकर रोड़ स्थित नींदड़ में 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ और श्रीराम कथा में शामिल हुई। उन्होंने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के सानिध्य में मंत्रोच्चार के साथ विश्वकल्याण के लिए हवन में पूर्णाहुति दी। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान राष्ट्रपति ने महायज्ञ में पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने यज्ञशाला की परिक्रमा लगाई। इस दौरान राष्ट्रपति ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी से मुलाकात कर उनका अभिनंदन भी किया। इससे पहले जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति की अगवानी की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ में गौशाला में करीब 50 गायों के क्षत-विक्षत शव मिलने से हड़कंप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में माखन माजरा इलाके के पशु अवशेष निस्तारण केंद्र में करीब 50 गायों के क्षत-विक्षत शव मिलने के बाद प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद ने सभी गौशालाओं में 24 घंटे सातों दिन सीसीटीवी निगरानी लागू करने और नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के आदेश दे दिए। पोस्टमॉर्टम और विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट एक सप्ताह में आने की संभावना है। पुलिस ने थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया। माखन माजरा गौशाला प्रबंधन समिति की शिकायत में बताया गया कि गौवंश को पर्याप्त चारा, पानी, आश्रय और चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण कई जानवर मृत मिले है। 13 जनवरी को निरीक्षण के दौरान 50-60 मृत गायें मिलीं और निरीक्षण के समय किसी पशु चिकित्सक की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। मुख्य सचिव ने रायपुर कलां, औद्योगिक क्षेत्र और माखन माजरा की गौशालाओं का निरीक्षण कर और गौवंश एवं पशुओं की देखभाल, स्वच्छता और कल्याण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि हर गौशाला में उचित आवास, नियमित भोजन और पेयजल सुनिश्चित करे। इंसिनरेटर की तकनीकी खराबी को तत्काल सुधारने का आदेश दिया। कर्मचारियों और पशु चिकित्सकों की पूरी जानकारी और ड्यूटी रोस्टर प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने को कहा गया। घटना पर भाजपा नेता संजय टंडन ने 'चौंकाने वाला और अस्वीकार्य' बताया और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। गौ-रक्षा समूहों ने भी विरोध प्रदर्शन करते हुए मृत बछड़े का शव सड़क पर रखकर गोवध और पशु तस्करी के खिलाफ चेतावनी दी।

विष्णुपुर में पेट्रोल पंप पर बम विस्फोट में शामिल आरोपी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने पिछले सप्ताह मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक पेट्रोल पंप पर हुए बम विस्फोट में शामिल होने के आरोप में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि 41 साल के आरोपी को गुरुवार को इम्फाल पश्चिम जिले के लैंफेल सना कीथेल इलाके से गिरफ्तार किया और उसके पास से भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद किया है। इससे पहले प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 35 साल के एक सदस्य को काकचिंग जिले के कोमनाओ माखा लीकाई इलाके से गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने बताया कि 15 जनवरी को गिरफ्तार किया गया व्यक्ति बम विस्फोट के मुख्य आरोपी का सहयोगी है। 8 जनवरी की शाम को मोइरांग थाना लेइकाई इलाके में स्थित एलीडास पेट्रोल पंप पर बम फेंका गया। इस विस्फोट के बाद मणिपुर में घाटी के सभी इलाकों में स्थित पेट्रोप पंप स्टेशनों को तीन दिन के लिए बंद कर दिया गया था।

रापर क्षेत्र में फिर डोली धरती, खेगांरपर के पास 2.5 तीव्रता का भूकंप, लोगों में दहशत

कच्छ (एजेंसी)। गुजरात के सरहदी जिले कच्छ में एक बार फिर धरती के भीतर हलचल दर्ज की गई है। कच्छ के रापर तहसील के खेगांरपर गांव के पास आज तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र (आईएसआर) के अनुसार, सुबह 5-47 बजे रिक्टर स्केल पर 2.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र रापर से लगभग 19 किलोमीटर दूर खेगांरपर के निकट बताया गया है। झटके महसूस होते ही आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग घबराकर नींद से जाग गए और एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। कुछ समय के लिए क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। हालांकि भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है, लेकिन बार-बार आ रहे भूकंप के झटकों से स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। उल्लेखनीय है कि बीते महीने 26 दिसंबर 2025 को रापर के गेडी गांव के पास 4.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। उस दौरान रापर के साथ-साथ भचाऊ और अंजार तक झटके महसूस किए गए थे। इसके बाद से क्षेत्र में छोटे-बड़े आफ्टरशॉक्स का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे लोग सतर्क और चिंतित हैं।

चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग तो लोगों ने कूदकर बचाई जान, आसपास के घर खाली कराए गए

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में शुक्रवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बसंत कुंज क्षेत्र में स्थित एक चार मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते इमारत की तीन मंजिलें उसकी चपेट में आ गईं। आग की लपटों और घने धुएं से पूरी बिल्डिंग भर गई, जिससे अंदर मौजूद लोगों की जान पर बन आई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग लगते ही अपार्टमेंट में चीख-पुकार मच गई। धुआं इतना घना हो गया कि लोगों को बाहर निकलने का रास्ता तक दिखाई नहीं दे रहा था। जान बचाने के लिए कई लोग बालकनी और खिड़कियों से कूद पड़े। कुछ लोगों को आसपास के लोगों और दमकलकर्मियों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान इलाके में दहशत का माहौल बन गया। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। दमकलकर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे रहे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंशु मित्तल ने मीडिया को बताया कि आग लगने के दौरान एक युवक बिल्डिंग के अंदर फंस गया था, जिसे दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ लोगों को धुएं के कारण परेशानी हुई है। आग की भयावहता को देखते हुए एहतियातन आसपास के घरों को खाली करा लिया गया। पुलिस और प्रशासन की टीमें भी मौके पर मौजूद रहीं और स्थिति पर नजर बनाए रखा। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। शुरुआती आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है, हालांकि जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

कोर्ट ने ममता बनर्जी को सिखाया सबक, बीजेपी बोली- अब विधानसभा चुनाव में भी हार तय

-आई-पेक रेड मामले में बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आई-पेक रेड मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद पश्चिम बंगाल का राजनीतिक गलियारा पूरी तरह से गरमा गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर रोक लगाए जाने और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किए जाने के बाद भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अच्छा सबक सिखाया है और उनकी झूठ की राजनीति अब उजागर हो चुकी है।

बीजेपी विधायक पॉल ने आरोप लगाया, कि पिछले 15 वर्षों से टीएमसी सरकार और उससे पहले वाम दलों की सरकार ने रोहिंग्या, बांग्लादेशी घुसपैठियों और फर्जी मतदाताओं के सहारे चुनाव जीते। उन्होंने दावा किया कि इस बार पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। पॉल के मुताबिक अब तक करीब 58 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंची है और अब सच्चाई जनता के सामने आ रही है।

दरअसल, गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने आई-पेक रेड मामले में बड़ा आदेश देते हुए ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर रोक लगा दी। इसके साथ ही कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और संबंधित पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट का कहना है कि कानून के शासन को बनाए रखने और केंद्रीय एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से काम करने देने के लिए इस मामले की जांच जरूरी है।

ममता खुद भी चुनाव हारने वाली हैं: शहनवाज

भाजपा नेता सैयद शहनवाज हुसैन ने भी सीएम ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को खुद पता है कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारने वाली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव वोट चोरी का मुद्दा उठाकर माहौल बनाते रहे हैं, उसी तरह ममता बनर्जी भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रही हैं। शहनवाज हुसैन ने दावा किया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की हार तय है और पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत होगी।

यो यो हनी सिंह अश्लील कमेंट्स के बाद आए विवादों में तो मांगी माफी, जस्सी ने जाहिर की नाराजगी

लुधियाना (एजेंसी)। मशहूर सिंगर और रैपर यो यो हनी सिंह फिर विवादों में घिर गए हैं। दो दिन पहले दिल्ली में हुए एक कॉन्सर्ट के दौरान उन्होंने स्टेज से ठंड के बहाने अश्लील बातें कीं, जिससे युवाओं को अनुचित व्यवहार के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप लगा। इस दौरान फैंस का वीडियो भी वायरल हुआ। इस घटना के बाद पंजाबी सिंगर

जसबीर जस्सी ने ट्वीट कर अपनी नाराजगी व्यक्त की। जस्सी ने कहा कि हनी सिंह ने सभी हदें पार कर दी हैं और उनकी माता-पिता व बहन से अपील की कि उन्हें रोकना चाहिए, नहीं तो यह आगे बढ़ सकता है और गलत संदेश जाएगा। विवाद बढ़ने पर हनी सिंह ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। हनी सिंह पहले भी गानों और स्टेज प्रदर्शन में अश्लील डांस और बोल को लेकर विवादों में रह चुके हैं। 2014 से 2018 तक वह म्यूजिक इंडस्ट्री से दूर रहे, जिसे उन्होंने डिप्रेशन, एंग्जाइटी और मानसिक परेशानियों से जोड़कर बताया था। कुछ दिन पहले ही हनी सिंह के एक पुराने गीत को लेकर जालंधर के भाजपा नेता ने डीजीपी को शिकायत दी थी, जिसमें उन्होंने गाने में अश्लीलता और बिकिनी गर्ल्स को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। यह मामला हनी सिंह के विवादित प्रदर्शन और उनके सामाजिक प्रभाव पर एक बार फिर सवाल खड़ा करता है।

बीजेपी सरकार ने मतदाता सूचियों में हेराफेरी का जो षड्यंत्र रचा है, वह शर्मनाक: गहलोत

जयपुर (एजेंसी)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान की बीजेपी सरकार पर प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया है। गहलोत ने कहा कि आज का दिन राजस्थान में लोकतंत्र के लिए काले अध्याय जैसा है, जिसने बीजेपी को बेनकाब कर दिया है। सत्ता के मद में चूर बीजेपी सरकार ने प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का जो षड्यंत्र रचा है, वह शर्मनाक है।

पूर्व सीएम गहलोत ने दावा किया कि मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया के अंतिम दिन एक सुनियोजित साजिश के तहत निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के जरिए बीएलओ पर दबाव डाला गया कि वे कांग्रेस विचारधारा वाले मतदाताओं के नाम काट दें। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां तक कि फॉर्म-सात में पहले से डेटा भरकर बीएलओ को सौंपा गया, जो निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर प्रशासनिक अधिकारियों और बीएलओ ने इस लोकतंत्र की हत्या में शामिल होने से इनकार किया है, तो सत्ताधारी पार्टी के लोगों ने उन्हें तबादलों की धमकी दी है।

गहलोत ने कहा कि बीजेपी ने ऐसा दुस्साहस कर जनता और लोकतंत्र का अपमान किया है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र सरदारपुरा तक में ऐसा कुप्रयास किया गया है। मैंने इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयुक्त नवीन महाजन से फोन पर बात कर जानकारी दी है और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों से संवैधानिक मर्यादा का पालन करने की अपील की। गहलोत ने कहा कि मैं उन अधिकारियों को भी स्पष्ट शब्दों में आगाह करना चाहता हूं जो बीजेपी के दबाव में संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। समय बदलते देर नहीं लगती। सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन यदि आपने नियम विरुद्ध कार्य किया तो कानून के दायरे में आपकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी और सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि संवैधानिक मर्यादा का पालन करें, अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

ऑपरेशन स्वदेश: ईरान से भारतीयों को एयरलिफ्ट कर स्वदेश ला रही सरकार

-पहली विशेष फ्लाइट तेहरान से दिल्ली आज आएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में जारी सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों और अस्थिर हालात को देखते हुए केंद्र सरकार ने वहां फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी को लेकर 'ऑपरेशन स्वदेश' शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत पहली विशेष फ्लाइट आज शुक्रवार को तेहरान से नई दिल्ली पहुंच रही है। विदेश मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है, कि रेस्क्यू ऑपरेशन को चरणबद्ध तरीके से अंजाम दिया जाएगा।

ईरान में इस समय लगभग 10 हजार भारतीय नागरिक मौजूद हैं। इनमें छात्र, कारोबारी, तकनीकी विशेषज्ञ और अन्य पेशेवर शामिल हैं। इनमें से करीब 2500 से 3000 भारतीय छात्र हैं, जो मुख्य रूप से मेडिकल की पढ़ाई के लिए ईरान में रह रहे हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए भारत सरकार ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा से फिलहाल बचने की सलाह भी जारी की हुई है।

भारतीय छात्रों का रजिस्ट्रेशन हुआ पुरा

जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने एक बयान जारी करते हुए बताया है, कि ईरान में मौजूद सभी भारतीय छात्रों का रजिस्ट्रेशन पूरा हो चुका है। भारतीय दूतावास ने छात्रों की व्यक्तिगत जानकारी और पासपोर्ट एकत्र कर लिए हैं। छात्रों के पहले बैच को रवानगी के लिए शुक्रवार सुबह 8 बजे तक तैयार रहने के निर्देश दिए गए। पहले बैच में गोलेस्तान यूनिवर्सिटी, शाहिद बहेश्ती यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज और तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के छात्र शामिल होंगे।

नागरिकों से मंत्रालय की अपील

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एडवाइजरी में ईरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने पासपोर्ट, वीजा और अन्य जरूरी दस्तावेज हमेशा अपने पास रखें और किसी भी आपात स्थिति में भारतीय दूतावास से तुरंत संपर्क करें। मंत्रालय ने साफ किया है कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था की जाएगी। भारतीय दूतावास, तेहरान ने सहायता के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। नागरिक इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं- 989128109115, 989128109109, 989128109102 और 989932179359। इसके अलावा बताए गए ईमेल के जरिए भी मदद ली जा सकती है।

दूतावास ने यह भी अपील की है कि जो भारतीय नागरिक अभी तक पंजीकरण नहीं करा पाए हैं, वे तुरंत एमईए की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के जरिए रजिस्ट्रेशन कराएं। यदि इंटरनेट सेवाएं बाधित होने के कारण ईरान में मौजूद नागरिक पंजीकरण नहीं कर पा रहे हैं, तो भारत में उनके परिवार के सदस्य उनकी ओर से रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसी के साथ ही केंद्र सरकार ने भरोसा दिलाया है कि 'ऑपरेशन स्वदेश' के तहत हर भारतीय की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

बीजेपी और चुनाव आयोग के कर्मचारियों के बीच बैठक क्यों? अभी आचार संहिता लागू है

-शिवसेना (यूबीटी) सांसद राउत के बयान से मुंबई के राजनीतिक हलकों में हलचल

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के बयान ने मुंबई के राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। राउत ने बीएमसी चुनावों की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव परिणामों के बीच जब शुरुआती रुझानों में बीजेपी समर्थित महायुति को बड़ी बढ़त मिलती दिखी, तब राउत ने मीडिया से बात करते हुए वोटिंग पैटर्न और वोटर लिस्ट को लेकर सत्तापक्ष पर तीखा हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राउत ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि वे डरें नहीं, क्योंकि बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति ने बीएमसी चुनावों में बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि मुंबई जैसे शहर में जो वोटिंग पैटर्न चल रहा है, वह एक गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि हजारों लोगों के नाम, जिन्होंने विधानसभा चुनावों में भी वोट दिया था, उन इलाकों से गायब हैं जहां शिवसेना (यूबीटी), मनसे या कांग्रेस हैं। ईवीएम मशीन ठीक से काम नहीं करती...चुनाव आयोग हमारी बात सुनने को तैयार नहीं है। कल, बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं और चुनाव आयोग के कर्मचारियों के बीच एक बैठक हुई, क्यों? आचार संहिता अभी भी लागू है।

उन्होंने कहा कि वोटिंग प्रतिशत आने से पहले ही एग्जिट पोल आ गए...बीजेपी ने अपनी जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया...हमने लोगों को भरोसा दिलाया है कि वे डरें नहीं...। मतगणना से मिल रहे शुरुआती रुझानों के मुताबिबक बीजेपी-शिवसेना महायुति गठबंधन लगभग 52 वार्डों में आगे चल रहा है, यह शुरुआती डेटा पोस्टल बैलेट की गिनती से मिल रहा है। एसईसी और बीएमसी के आधिकारिक आंकड़ों का इंतजार है। अब तक गिने गए पोस्टल बैलेट के मुताबिक बीजेपी 35 सीटों पर, शिवसेना 17 सीटों पर आगे है।

वहीं ठाकरे भाइयों के लिए अच्छी खबर नहीं है, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) 22 सीटों पर आगे बताई जा रही है। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अब तक 8 सीटों पर आगे है। शुरुआती गिनती में कांग्रेस 4 सीटों पर आगे थी। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने वोटिंग खत्म होने के बाद कहा था कि 29 नगर निगमों में लगभग 50 प्रतिशत वोटिंग हुई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मुंबई नगर निगम चुनावों में 52.94 प्रतिशत वोटिंग हुई, जो 2017 के पिछले चुनावों में 55.53 प्रतिशत से कम है।

बता दें बीएमसी जिसका सालाना बजट 74,400 करोड़ रुपए से ज्यादा है, उसमें चार साल की देरी के बाद हो रहे चुनावों में 227 सीटों के लिए 1,700 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। मुंबई को छोड़कर, बाकी शहरी निकायों में मल्टी-मेंबर वार्ड हैं। ये 2022 में शिवसेना में फूट के बाद पहले बीएमसी चुनाव थे, जब अब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पार्टी के ज्यादातर विधायकों के साथ अलग हो गए और बीजेपी के साथ गठबंधन करके मुख्यमंत्री बने थे।

उत्तर भारत में ठंड-कोहरे का डबल अटैक! शीतलहर से भी अभी नहीं मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत सहित देश के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में अगले दो दिनों तक शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद ठंड का असर धीरे-धीरे कम होने की संभावना है।

मौसम विज्ञान विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में अगले पांच दिनों तक सुबह और रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाया रहेगा। कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो सकती है, जिसका सीधा असर सड़क, रेल और हवाई यातायात पर पड़ेगा। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम सकती है, वहीं कई ट्रेनों के देरी से चलने की आशंका भी जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ इलाकों में अगले दो दिनों तक कोल्ड डे की स्थिति बनी रह सकती है। 16 और 17 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और ओडिशा के अलग-अलग हिस्सों में शीतलहर का दौर जारी रहेगा। वहीं, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी 16 जनवरी को ठंड का प्रकोप देखने को मिल सकता है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तराखंड में 17 जनवरी तक घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके बाद 22 जनवरी तक पंजाब-हरियाणा-चंडीगढ़ और 20 जनवरी तक उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा बना रह सकता है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में 18 जनवरी तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 19 जनवरी तक कोहरे का असर रहेगा।

मनरेगा के बाद अब शिक्षा और खाद्य सुरक्षा कानून में बदलाव की तैयारी में जुटा केंद्र

-यूपीए सरकार के दो बड़े अधिकार कानूनों पर मोदी सरकार की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार यूपीए सरकार के दौर में बने दो बड़े सामाजिक अधिकार कानूनों-शिक्षा का अधिकार (आरटीई) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून में बदलाव की तैयारी में जुटी है। मनरेगा की जगह नया कानून लाने के बाद अब केंद्र का फोकस इन योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने और लाभ सही लोगों तक पहुंचाने पर है। सरकार का मानना है कि केवल किसी योजना को कानूनी अधिकार बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका ज़मीन पर सही तरीके से लागू होना भी उतना ही जरूरी है।

केंद्र सरकार से जुड़े सूत्रों का हवाला देते हुए मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है, कि शुरुआती तौर पर नियमों और प्रशासनिक आदेशों के जरिए सुधार करने की कोशिश की जाएगी। यदि इससे अपेक्षित नतीजे नहीं मिले, तो संसद में संशोधन या नया विधेयक लाने से भी इनकार नहीं किया गया है। इसके साथ ही सरकार इस बात पर भी विचार कर रही है कि आवास के अधिकार को भी कानूनी दर्जा दिया जाए। परामर्श प्रक्रिया से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मनमोहन सिंह सरकार के समय बनाए गए विकास से जुड़े अधिकार कानूनों में तीन बड़ी कमियां सामने आई हैं। पहली, इन कानूनों के बावजूद हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं पहुंच पाई। दूसरी, खाद्य सुरक्षा का लाभ सभी पात्र परिवारों तक नहीं पहुंच सका। और तीसरी, लाभार्थियों की पहचान और पंजीकरण की प्रक्रिया अधूरी रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी योजनाओं में 100 प्रतिशत लाभार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। सरकार चाहती है कि योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक, सही समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। इसी सोच के तहत संसद के शीतकालीन सत्र में मनरेगा की जगह 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वीबी- जी राम जी बिल पास किया गया था, जिसे दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून का दर्जा मिला।

सरकार अब शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आवास, इन पांच अहम क्षेत्रों को लेकर तीन प्रमुख लक्ष्यों पर आगे बढ़ रही है। पहला, योजनाओं की पूरी कवरेज के लिए समय-सीमा तय की जाए। दूसरा, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो। तीसरा, हर लाभार्थी की पहचान और पंजीकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाए।

हालांकि, मनरेगा की जगह लाए गए नए कानून को लेकर विपक्ष ने कड़ा विरोध किया था। विपक्षी दलों का कहना है कि महात्मा गांधी का नाम हटाना केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक सोच पर असर डालने वाला कदम है। इसके बावजूद सरकार अपने एजेंडे पर आगे बढ़ती दिख रही है और अब शिक्षा व खाद्य सुरक्षा कानूनों में सुधार की दिशा में कदम तेज हो गए हैं।

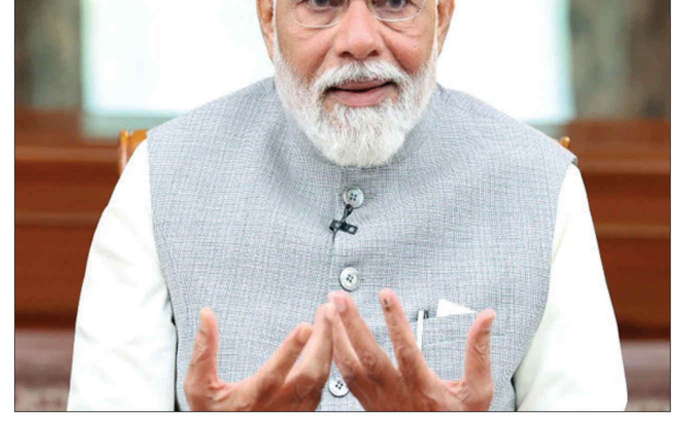

एअर इंडिया-सिंगापुर एयरलाइंस का बड़ा धमाका

नई दिल्ली। एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस ने भारत-सिंगापुर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 16 जनवरी 2026 को मुंबई में एक वाणिज्यिक सहयोग समझौता किया। यह समझौता यात्रियों को बेहतर सेवाएं, अधिक रूट विकल्प और सुगम यात्रा प्रदान करेगा। दोनों एयरलाइंस कोडशेयर का विस्तार करेंगी और फ्लाइट शेड्यूल को समन्वित करेंगी। इससे पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही फ्रीक्वेंट फ्लायर प्रोग्राम्स का भी एकीकरण होगा। एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस ने भारत-सिंगापुर कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। दोनों एयरलाइंस ने 16 जनवरी 2026 को मुंबई में एक कमर्शियल को-ऑपरेशन फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, वे अपनी लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और गहरा करेंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर सेवाएं, ज्यादा रूट ऑप्शन और सुगम यात्रा मिल सकेगी। एयर इंडिया के सीईओ और एमडी कैंपबेल विल्सन और सिंगापुर एयरलाइंस के सीईओ गोह चून फोंग ने इस एग्रीमेंट पर दस्तखत किए। यह समझौता नियामकीय मंजूरी और अंतिम जॉइंट बिजनेस एग्रीमेंट्स पर निर्भर है। मंजूरी मिलने के बाद दोनों कंपनियां प्रोडक्ट ऑफरिंग्स को बेहतर बनाएंगी, फ्लाइट शेड्यूल को कोऑर्डिनेट करेंगी, कोडशेयर को और विस्तार देंगी, साथ ही भारत और सिंगापुर से बाहर भी कोडशेयर रूट्स बढ़ाएंगी। वर्तमान में दोनों एयरलाइंस 20 देशों में 61 पॉइंट्स पर कोडशेयर कर रही हैं। 2024 में हुई विस्तार के बाद इसमें 51 नए डेस्टिनेशन (11 भारतीय और 40 अंतरराष्ट्रीय) जोड़े गए थे, जिससे भारत-सिंगापुर के बीच साप्ताहिक कोडशेयर सेवाएं 14 से बढ़कर 56 हो गईं। नया फ्रेमवर्क इस साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाएगा, जहां यात्रियों को एक ही बुकिंग में दोनों एयरलाइंस की फ्लाइट्स का लाभ मिलेगा, चेक-इन, बैगेज और कनेक्शन आसान होंगे। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने कहा, यह समझौता हमारी लंबी साझेदारी को संरचित प्लेटफॉर्म देता है, जिससे ग्राहकों और स्टेकहोल्डर्स के लिए लंबे समय तक मूल्य सृजन होगा। सिंगापुर एयरलाइंस के सीईओ गोह चून फोंग ने इसे सफल पार्टनरशिप का प्राकृतिक विकास बताया, जो सिंगापुर-भारत कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा, पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देगा।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली में बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस से पहले, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली पुलिस ने अवैध हथियार बनाने और बेचने वाले एक सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 20 कट्टे, 12 कारतूस सहित भारी मात्रा में हथियार और निर्माण सामग्री बरामद की गई। यह सिंडिकेट दिल्ली-एनसीआर, यूपी और हरियाणा के गैंगस्टरों को अवैध हथियार सप्लाई करता था। पुलिस ने मेरठ में एक अवैध हथियार फैक्ट्री का भी पर्दाफाश किया। पुलिस ने इनके कब्जे से अवैध हथियारों की बड़ी खेप 20 कट्टा, 12 कारतूस व अन्य सामान बरामद किया है। ये सभी हत्या, गैंगस्टर एक्ट, लूटपाट, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। सिंडिकेट लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर, यूपी व हरियाणा के गैंगस्टरों और बदमाशों को अवैध हथियार आपूर्ति कर रहा था। इम्तियाज, गांव बगडोला, सेक्टर-आठ, द्वारका कार रहने वाला है और डकैती, झपटमारी और आर्म्स एक्ट के पहले के आठ मामलों में शामिल रहा है। इनकी गिरफ्तारी से पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश में चल रहे अवैध हथियारों के निर्माण और तस्करी करने वाले सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर अवैध हथियारों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में मशीनरी और कच्चा माल भी बरामद किया है। गणतंत्र दिवस समारोह से पहले, अवैध हथियारों के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस ने अवैध हथियारों के निर्माण और सप्लाई में शामिल अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इसके तहत चार जनवरी को सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, इंस्पेक्टर विजय कुमार बालियान की टीम ने राजोकरी टी-प्वाइंट, कापसहेड़ा के पास भरत नाम के एक तस्कर को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ।

आईआरसीटीसी घोटाले में राबड़ी देवी की याचिका पर हाईकोर्ट सख्त

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरसीटीसी घोटाले में आरोप तय किए जाने के खिलाफ राबड़ी देवी की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया है। अब लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव की याचिकाओं के साथ ही इस मामले की सुनवाई 19 जनवरी को होगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व बिहार मुख्यमंत्री और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी की उस याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा है, जिसमें उन्होंने आईआरसीटीसी से जुड़े कथित घोटाले में खुद पर लगाए गए आरोपों को चुनौती दी है। सीबीआई का आरोप है कि 2004 से 2014 के बीच, जब लालू रेल मंत्री थे, तो रेलवे के दो प्रतिष्ठित बीएनआर होटल (पुरी और रांची में) को पहले आईआरसीटीसी को ट्रांसफर किया गया और फिर पटना की सुजाता होटल्स प्राइवेट लिमिटेड को लीज पर दे दिया गया। जांच एजेंसी का दावा है कि यह सब एक सुनियोजित साजिश थी, जिसमें टेंडर प्रक्रिया को तोड़-मरोड़कर निजी फायदे के लिए इस्तेमाल किया गया। सुजाता होटल्स की मालकिन सरला गुप्ता, जो लालू के करीबी सहयोगी और आरजेडी सांसद प्रेमचंद गुप्ता की पत्नी हैं, इस साजिश में शामिल बताई गई हैं। अक्टूबर 2025 में स्पेशल कोर्ट ने लालू, राबड़ी देवी, उनके बेटे तेजस्वी यादव और 11 अन्य लोगों पर धोखाधड़ी (आईपीसी 420), आपराधिक साजिश (120बी) और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। इस मामले में अधिकतम सजा 10 साल तक की हो सकती है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 छठे दिन रीडिंग इंडिया संवाद और सेना दिवस रहे मुख्य आकर्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 के छठे दिन पठन संस्कृति, सैन्य विरासत और भारतङ्कईरान साहित्यिक संबंधों पर विविध सत्र हुए। रीडिंग इंडिया संवाद का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय पठन संस्कृति के निर्माण से लेकर सैन्य बलिदान को नमन करने तक, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 के छठे दिन विचारों, इतिहास और राष्ट्रबोध का सार्थक संगम नजर आया। पठन एवं पुस्तकालयों के उन्नयन पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय नेतृत्व संवाद रीडिंग इंडिया संवाद 2026 का शुभारंभ 15 जनवरी 2026 को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 के दौरान भारत मंडपम, नई दिल्ली में हुआ। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा आयोजित यह संवाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 तथा विकसित भारतञ्च2047 की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप भारत के पठन, पुस्तकालय और ज्ञान तक पहुंच के पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने हेतु एक राष्ट्रीय समन्वय मंच के रूप में इसकी परिकल्पना की गई है। रीडिंग संवाद का उद्घाटन शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने किया। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार के सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राजशेखर जोशी, शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अपर सचिव अर्चना शर्मा अवस्थी (आईआरएस), राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक तथा एनबीटी के मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक कुमार विक्रम उपस्थित रहे। अपने संबोधन में युवराज मलिक ने कहा कि पठन किसी भी प्रगतिशील समाज की नींव है। उन्होंने सिकंदर, महान सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य और नेपोलियन बोनापार्ट के जीवन से उद्धरण देते हुए बताया कि पुस्तकें ही किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। यह सोचने, सवाल करने और जिज्ञासा उत्पन्न करने की शक्ति प्रदान करती हैं। संजय कुमार ने कहा कि 卐पुस्तकों से भरी दीवार से अधिक सुंदर कुछ नहीं होता卐 और पठन को दूसरे के मन में प्रवेश करने की शक्ति बताते हुए अनेक भारतीय भाषाओं में पुस्तकों के व्यापक प्रकाशन और पाठकवर्ग के विस्तार का आह्वान किया।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली में बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस से पहले, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली पुलिस ने अवैध हथियार बनाने और बेचने वाले एक सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 20 कट्टे, 12 कारतूस सहित भारी मात्रा में हथियार और निर्माण सामग्री बरामद की गई। यह सिंडिकेट दिल्ली-एनसीआर, यूपी और हरियाणा के गैंगस्टरों को अवैध हथियार सप्लाई करता था। पुलिस ने मेरठ में एक अवैध हथियार फैक्ट्री का भी पर्दाफाश किया।

पुलिस ने इनके कब्जे से अवैध हथियारों की बड़ी खेप 20 कट्टा, 12 कारतूस व अन्य सामान बरामद किया है। ये सभी हत्या, गैंगस्टर एक्ट, लूटपाट, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। सिंडिकेट लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर, यूपी व हरियाणा के गैंगस्टरों और बदमाशों को अवैध हथियार आपूर्ति कर रहा था।

इम्तियाज, गांव बगडोला, सेक्टर-आठ, द्वारका कार रहने वाला है और डकैती, झपटमारी और आर्म्स एक्ट के पहले के आठ मामलों में शामिल रहा है। इनकी गिरफ्तारी से पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश में चल रहे अवैध हथियारों के निर्माण और तस्करी करने वाले सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर अवैध हथियारों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में मशीनरी और कच्चा माल भी बरामद किया है। गणतंत्र दिवस समारोह से पहले, अवैध हथियारों के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस ने अवैध हथियारों के निर्माण और सप्लाई में शामिल अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया।

NAME CHANGE
I Ram Kali Devi W/o Kehar Singh R/o Moti Pur, Selumau, Sitapur, Selumau, Uttar Pradesh - 261121, have changed my name to Leena Singh.

NAME CHANGE
I Vikash Kumar Sharma S/o Subhash Chandra Sharma R/o House No.-91, Bhan Ki Chakki Ke Pass, Ward No.-12, Sangaria, Hanumangarh, Rajasthan-335063, have changed my name to Vikas Kumar.

सार्वजनिक सूचना
मैं, फरजाना पत्नी रफत अली निवासी आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारे ग्राहक श्री शिव मोहन पुत्र श्री हृदय राम 116.25 वर्ग मीटर के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट क्षेत्र के मालिक हैं, जो खसरा नंबर 199 का हिस्सा है, जो मोहल्ला गुलाबबाड़ी टाउन और तहसील जसवन्तनगर जिला इटावा उत्तर प्रदेश में स्थित है, बिक्री विलेख दिनांक 27.07.2021 के आधार पर जो दस्तावेज के तहत उप रजिस्ट्रार कार्यालय जसवन्तनगर में पंजीकृत है। क्रमांक 1948, पुस्तक क्रमांक 1, खंड1903 पृष्ठ 147-172 दिनांक 27.07.2021 पर, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और इसे पीरामल फाइनेंस लिमिटेड शाखा नरेला, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार/स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा!
NAVEEN KUMAR VERMA
Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Shiva S/o Awadhesh Pratap R/o 00, Vill-Galatha Post Abhaypur, Fatehpur, Uttar Pradesh - 212665, have changed my name to Yash Kumar.

सार्वजनिक सूचना
मैं, फरजाना पत्नी रफत अली निवासी आई 351, सुंदर नगरी, दिल्ली-93 घोषणा करती हूँ कि मेरा वास्तविक नाम फरजाना (Farjana) तथा सही जन्मतिथि 20 जून 1970 है जो कि मेरी सभी आईडी यानी आधार, पैनकार्ड, राशन कार्ड, वोटर कार्ड व बैंक खाते आदि में भी यही नाम व जन्मतिथि दर्ज है किंतु मेरे पासपोर्ट एन6366286 में मेरा नाम त्रुटि पूर्वक फरजाना (Farzana) व जन्मतिथि 2 जनवरी 1967 लिखा गया है, जो कि गलत है। उपरोक्त दोनों नाम मुझसे ही संबंधित हैं, इसलिए भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों के लिए फरजाना (Farjana) जन्मतिथि 20 जून 1970 के रूप में ही जाना पहचाना जाए।

PUBLIC NOTICE
"Be it known to all that I Gordhan Lal S/o Sh. Lachoo Ram residence of C-12 & 13, HASTSAL VIHAR, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059, have disowned, debarred, discarded all his relations to his son namely Kamal Koshor & his wife Lalita and Vijay and his wife Kajal and also my daughter Sharda wife of Sunil R/o H.No.G-690, Shakur Pur, New Delhi-110034, in a newspaper Komi Patrika dated 13.01.2026 and also I have give a complaint and information to P.S. Uttam Nagar dated 14.01.2026. My daughter has stolen my property documents and the same is not find out and trace out till date Anyone dealing with them may do so at his/her own risks, costs and consequences. In future if the above named all is faced any unwanted incident, then I shall not responsible whatsoever.
(GORDHAN LAL)

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री राम लखन अग्निहोत्री, आवासीय भू-खंड संख्या 7, क्षेत्रफल 112 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 1048 में से स्थित है, विद्या नगर, आनंद विहार के पास, कस्बा दादरी, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित, को M/s Landmark से उसके पार्टनर के माध्यम से क्रय करने का आशय रखते हैं। उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री महेन्दर पाल सिंह थे, जिन्होंने यह संपत्ति श्रीमती भगवती देवी से दिनांक 27.06.2001 को निष्पादित बिक्री विलेख के माध्यम से क्रय की थी। तत्पश्चात दिनांक 12.05.2004 को उक्त संपत्ति का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में उनके नाम दर्ज किया गया। दुर्भाग्यवश, श्री महेन्दर पाल सिंह का देहांत दिनांक 24.03.2012 को हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी रह गए- (1) श्री ओमपाल सिंह (पुत्र), (2) श्री कृष्ण पाल (पुत्र), (3) श्री इंदर पाल सिंह (पुत्र), (4) श्री यश पाल सिंह (पुत्र), तथा (5) श्रीमती राजबाला (पुत्री)। इसके पश्चात श्री इंदर पाल सिंह का भी देहांत हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी हैं- (1) श्रीमती दिनेश कुमारी (पत्नी), (2) श्री जय पाल सिंह रावल (पुत्र), (3) श्री खगेन्द्र पाल सिंह रावल (पुत्र), (4) श्रीमती ममता (पुत्री), तथा (5) श्रीमती मोहिनी (पुत्री)। इसके अतिरिक्त श्री यश पाल सिंह का भी देहांत हो गया, जिनकी एकमात्र वैध उत्तराधिकारी उनकी पत्नी श्रीमती प्रमिला रावल हैं। विभाजन विलेख एवं उपरोक्त सभी उत्तराधिकारियों के नाम पर नामांतरण से संबंधित श्रृंखला दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि उक्त विभाजन मौखिक (ओरल पार्टिशन) के माध्यम से किया गया तत्पश्चात, श्री ओमपाल सिंह, श्री कृष्ण पाल तथा श्रीमती दिनेश कुमारी ने अपनी-अपनी हिस्सेदारी वाली संपूर्ण संपत्ति को M/s Landmark को उसके पार्टनर के माध्यम से दिनांक 17.03.2025 को निष्पादित बिक्री विलेख द्वारा विक्रय कर दिया। परिणामस्वरूप, वर्तमान में M/s Landmark उक्त संपत्ति का पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी है। यह भी पुष्टि की जाती है कि उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, मुकदमेबाजी, बंधक, भार, देयता या किसी भी प्रकार के दावे से मुक्त है। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि वर्तमान में उक्त संपत्ति DCB बैंक लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है।
यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार], अधिवक्ता
चेंबर संख्या-122,तहसील परिसर,गाजियाबाद,उत्तरप्रदेश
ईमेल- kumar2021ashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I Randhir Kumar Pathak S/0 Sheo Shankar Pathak Add.C -17, Flat No 4 St.4A West Vinod Nagar Delhi 110092 Changed my name to Randhir Pathak

NAME CHANGE
It is for general information that I, HASAMT ALI S/o SHAUKAT, R/o E-34/A-14, Block-15-16, Sanjay Camp,Trilok Puri, East Delhi, Delhi-110091, declare that name of my father has been wrongly written as SHAUKAT ALI in my pan card no.GGYPA3517G. The actual name of my father is SHAUKAT, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KAVITA YADAV wife of NO-14679807P, Rank-HAV, Name-YADAV SANTLAL residing at VPO-SHIMLA, TEHSIL-KHETRI, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHNA-332746, have changed my name from KAVITA YADAV to KAVITA for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 02/07/1989 instead of my correct date of birth as 01/07/1989 Vide Affidavit dated 16/01/2026 before Executive Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as NANDANI BHARADWAJ alias NANDINI BHARDWAJ D/O LOKESH BHARDWAJ R/O 372-B, CHIRAG DELHI, MALVIYA NAGAR, S.O SOUTH DELHI,DELHI-110017 have changed my name and shall hereafter be known as NANDINI BHARDWAJ.

NAME CHANGE
I, Jamil Gulzari S/o Mohd Rafique Gulzari R/o T-141-A, Ahata Kambal Posh Hazrat Nizamuddin, New Delhi-110013 have changed my name to Mohd Jamil Gulzari.

NAME CHANGE
I, Pankaj Kumar S/o Harsan Kumar Jain R/o P4, Upasna Kunj, Gurmandi, Rana Pratap Bagh, Delhi, 110007, have changed my name to Pankaj Kumar Jain.

NAME CHANGE
I, MONICA SOLANKI W/O SATINDER KUMAR R/o RZF-1102, GURU NANAK MARG, F-BLOCK RAJ NAGAR 2 ND PALAM VILLAGE SOUTH DELHI, DELHI-110045 I HAVE CHANGED MY NAME TO MONIKA DAGAR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I ANVARI W/O JAHID ALI R/O B-419 GALI NO -2 AULIYA MASJID SUBHASH MOHALLA NORTH GHONDA DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO ANWARI

NAME CHANGE
I, Vinay kumar S/O Jugmander prasad R/O H.No- 155 , 1st Floor Bank Enclave Laxmi nagar, East Delhi -110092 - I, have changed My Name to Vinay Kumar Jain for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mohammed Suheb S/O Wasi Ahmad R/O 9675 Islam Ganj Library road Azad Market Delhi 110006 changed my name to Suhaib.

NAME CHANGE
I, Kumari Anjani Spouse of Army No. JC-562838N, Rank - SUB Name - Keshav Kumar Posted at Bihar REGT Center, C/o - 56 APO, Danapur, Pin - 900441 & Permanently Residing at Village - Patar, Post - Taraiya, Thana - Sahar Ghat, Dist. - Madhubani, Pin-847102 have changed my name from Kumari Anjani to Anjani Devi & Date of Birth from 10/10/1984 to 01/01/1986 for all future purposes. My Adhar Card No. 378110333327. Vide Affidavit Dated 16 Jan. 2026 before The Notary Public at Delhi (India) in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE
I, YOGESH KUMARI Wife of No-15192272Y Rank-HAV Name-SURESH KUMAR Presently residing at VPO-BELAUN, TEH-DEBAI, DIST-BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-202389, have changed my name from YOGESH KUMARI to KUMARI YOGESH for all future purposes vide Affidavit dated 16/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GAURAV S/o Sunil R/o D-163, Second Floor, Fateh Nagar, Jail Road, Tilak Nagar, Delhi-110018 have changed my name to GOURAV permanently

NAME CHANGE
I, SURESH KUMAR S/o Bhoola Ram R/o WZ-34, KH No.254,276,278, S/F, Hari Singh Park, Shakur Basti Depot, Shakur Basti, Delhi-110056, have changed my name to SURESH SOLANKI permanently.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 CrPC देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नदीम पुत्र सलीम, मकान नंबर 26 और 348, गली नंबर 10, लक्ष्मी गार्डन, लोनी देहात, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **E-FIR No. 240/2019 U/S 379/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना मोती नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नदीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नदीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।
अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **E-FIR No. 240/2019 U/S 379/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना मोती नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नदीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार,
श्री अंशुल सिंघल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-04 (पश्चिम)
कमरा नंबर. 268
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली
DP/667/WD/2026(Court Matter)

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी श्री गुरपाल सिंह, प्रॉपर्टी नंबर क्र-220ट, जिसका एरिया 40+90 वर्ग गत्र है, छत के अधिकारों के साथ, जनता कॉलोनी, शिवाजी विहार, नई दिल्ली में स्थित है, जिसके संबंध में 09.06.1999 और 08.12.1999 की नोटरी त्व्क्र के अनुसार, वो श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री वधावा सिंह द्वारा निष्पादित की गई थी, और उक्त प्रीपटी गौरी शंकर शाह को बेची जानी है और उसी का फाइनेंस स्स्न्नत इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी आ उक्त प्रॉपर्टी में कोई चार्ज/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I OM PRAKASH PAL S/O PHOOL CHANDRA PAL R/O 942 RAJEEV NAGAR DLF AREA SECTOR-33 FARIDABAD HARYANA, I have changed my name to OM PRAKASH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SATISH S/O TARA CHAND R/O FCA - 43 BHIMSEN COLONY BALLABGARH FARIDABAD HARYANA, I have changed my name to SATISH SHARMA Permanently for all Future purpose.

NAME CHANGE
I HEMLATA W/O SATISH SHARMA R/O FCA - 43 BHIMSEN COLONY BALLABGARH FARIDABAD HARYANA, I have changed my name to HEMLATA SHARMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SANJANA W/O ANSHU CHUGH R/O 5 D/59 NIT FARIDABAD HARYANA,I have changed my name to SANJANA SEHGAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SATISH SHARMA S/O TARA CHAND R/O FCA - 43 BHIMSEN COLONY BALLABGARH FARIDABAD HARYANA, I have changed my minor son name to NIHAL BHARDWAJ TO NIHAL SHARMA

NAME CHANGE
I Prabha Kumari Jha W/O Vipin Sharma Add - 1/4457 A, Ram Nagar Extn., Mandoli Road, Shahdara Delhi - 110032 Changed my name to Prabha Sharma.

NAME CHANGE
I Hem singh S/0 Mehar Chandra Add. C 1 Vidhata Apartment Vasundhara Enclave Delhi 110096 Changed my name to Hem singh Bhati.

NAME CHANGE
I MOHD JAHID KHAN S/O NOOR JAMA R/O B-419 GALI NO -2 AULIYA MASJID SUBHASH MOHALLA NORTH GHONDA DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO JAHID ALI.

NAME CHANGE
I hitherto known as RUCHIT S/o PITA MAHESH RAM SAHU, R/o Naya Thana Chowk, Ravidas Mandir Ke Pass, Dongargarh(m), PO: Dongargarh, Dist: Rajnandgaon, Chhattisgarh-491445, have changed my name and shall hereafter be known as HARISH SAHU, for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as BRIJESH DEVI alias RAJESH W/o MAHIPAL SINGH, R/o Dhikana, Baghpat, Dhikana, Uttar Pradesh-250611, have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AAKIB AHMED GUDNAL S/O BASHEER IMAM HUSAIN R/O TOWER -B2, FLAT NO -901, TATA HOUSING LA VIDA, BAJGHERA, GURGAON, HARYANA-122017 HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME "MOHAMMED ALI " TO MOHAMMED ALI GUDNAL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, SHIV SANDIP ROY S/o Jaideo Roy R/o Flat No.108, Tower-D-10, KLJ Platinum Heights, Sec-77, Greater Faridabad-121004, Harayna, have changed my name to SHIV SANDIP KUMAR permanently.

NAME CHANGE
I, PRIYA ROY/ PRIYA KIRAN ROY W/o Shiv Sandip Kumar R/o Flat No.108, Tower-D-10, KLJ Platinum Heights, Sec-77, Greater Faridabad-121004, Harayna, have changed my name to PRIYA KIRAN permanently.

NAME CHANGE
I, RANBIR SINGH S/o JIWAN SINGH R/o Village Pahlewal, Hoshiarpur, Punjab-144527, have changed my name from RANBIR SINGH to MUKESH RANA permanently.

NAME CHANGE
It is for general information that I, HASAMT ALI S/o SHAUKAT, R/o E-34/A-14, Block-15-16, Sanjay Camp,Trilok Puri, East Delhi, Delhi-110091, declare that name of my father has been wrongly written as SHAUKAT ALI in my pan card no.GGYPA351G. The actual name of my father is SHAUKAT, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Bihari Shivkumar Shyam s/o Shyam Bihari R/o H. No.7, F/F, Deep Enclave Part-3, D K Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059, have changed my name to Shiv Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Lakshay S/o Sumit Kumar R/o H1-28, Street No.27, Main Rajapuri Road, Uttam Nagar, New Delhi-110059, have changed my name to Lakshay Pajni for all future purposes.

NAME CHANGE
I PARVEEN S/O GIRDHARI R/O VILLAGE - MUJERI POST NEEMKA BALLABGARH FARIDABAD, I have changed my name to PRAVEEN Permanently for all Future purpose

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सतीश, स्वर्गीय श्री रघुचीर सिंह के पुत्र, दुकान निजी संख्या जी-10, भूतल (छत के अधिकार के बिना), संपत्ति संख्या ए-158, क्षेत्रपाल 6.22 वर्ग गज, द्वारकाशीष के नाम से जानी जाने वाली इमारत, खस्रा सख्या 317/79, ग्राम शकरापुर खाम, इलाका शाहदरा, विकास मार्ग, शक्तपुर, दिल्ली-110092 के स्वामी है। यह संपत्ति श्रीमती कुसुम बोहरा, श्री तरुण बोहरा की पत्नी द्वारा निष्पादित विक्रय विलेख के माध्यम से बेची गई थी। संपत्ति श्रृंखला में श्रीमती योगिता रानी, स्वगीय श्री राज कुमार की पत्नी द्वारा निष्पादित मूल वसीयत दिनांक 20.03.1990 (और जीपीए, एटीएम और वसीयत दिनांक 06.12.1989) खो गई है और इस संबंध में एनआर संख्या 35878/2026 दिनांक को ऑनलाइन एफआईआर दर्ज की गई है। दिनांक 16.01.2026 को इस संपत्ति का वित्तपोषण शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आप जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व हे या किसी प्रकार का कोई बिबाद है, तो कृपया बर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते लिखित रूप में उत्धोहस्ताक्षरी को सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: serrassociatesllp@gmail.com
Ph: 0120-4968888, 8130309204

NAME CHANGE
I, Shashi Arora alias Shashi Prabha Arora W/O Kamal Arora R/O 15-a,pocket a-14,kalkaji extn,south delhi-110019, Have Changed My Name to Shashi Prabha Arora for All Future Purposes. Vide Affidavit no-IN-DL35870842977001Y, Dated - 16/01/2026.

NAME CHANGE
I, AMEERUNISA wife of MAHAMMAD SHAFI residing at 4TH LINE, AADISHANKARA VALLEY, PONNAPALLI, PO-PONNAPALLI AGRAHARAM, DIST-BAPATLA, ANDHRA PRADESH-522259, have changed my name from AMEERUNISA to MOHAMMAD AMEERUNNISHABEE for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/04/1990 instead of my correct date of birth as 05/04/1985 Vide Affidavit dated 16/01/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, S PANJAVARNAM mother of NO-16114019F, Rank-HAV, Name-KAMALAVAN S residing at VPO- U AMMAPATTY, TEHSIL-UTHAMAPALAYAM, DIST-THENI, TAMIL NADU-625533, have changed my name from S PANJAVARNAM to PANCHA VARNAM for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 26/11/1967 Vide Affidavit dated 16/01/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHAKUNTALA DEVI GHANSELA W/O GOVIND RAM GHANSELA R/O 414 Old No-ES-410, First Floor, Gali No-3, School Block, Near Bhoja Ram Marg Mandawali, Fazalpur, East Delhi, Delhi-110092 have changed my name and shall hereafter be known as SHAKUNTALA DEVI.

NAME CHANGE
I Sahil Dureja S/o Sobh Raj R/o 1995 - B And 1995, Rani Bagh, Delhi - 110034 have changed my name to Sahil for all future purposes.

NAME CHANGE
I Manjula Rani W/o WO Paramit Singh HOUSE NO-209 AVTAR ENCLAVE Paschim Vihar SO West Delhi Delhi-110063 have changed my name to Manjula for All future purposes.

NAME CHANGE
I M K Kohli S/o Sh InderSingh Kohli R/o CB-10, First Floor, Hari Nagar, Delhi-110064, have changed my name to Mohinder Kumar Kohli.

NAME CHANGE
I Urvashi D/o Sh Mohinder Kumar Kohli R/o CB-10, Upper First Floor, Hari Nagar, Delhi-110064, have changed my name to Urvashi Kohli.

NAME CHANGE
I RAJESH YADAV S/O SUNDER SINGH R/O 78 VILLAGE NIWORA SAMBHAL UTTAR PARDESH-244302 have changed my name to RAJESH KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, KANTI MISHRA is legally mother of No. JC386693H Rank SUB MAJ Name BHANU PRATAP MISHRA presently Serving in 3 IDSR, C/O 56 APO have changed my name from KANTI MISHRA to KANTI DEVI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, KULDEEP KUMAR CHAUAHN S/O RAMPAL SINGH CHAUHAN R/O HOUSE NO- 867, SECTOR-09, GURGAON HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME KULDEEP KUMAR CHAUHAN ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, SHASHI KIRAN is legally Wife of No. JC386693H Rank- SUB MAJ Name- BHANU PRATAP MISHRA Presently Serving in 3 IDSR, C/O 56 APO have changed my name from SHASHI KIRAN to SHASHI KIRAN MISHRA for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, AAKIB AHMED GUDNAL S/O BASHEER IMAM HUSAIN R/O TOWER -B2, FLAT NO -901, TATA HOUSING LA VIDA, BAJGHERA, GURGAON, HARYANA-122017 HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME "MOHAMMED ZAID" TO MOHAMMED ZAID GUDNAL FOR ALL FUTURE PURPOSE,

NAME CHANGE
I Bhawani Pathak W/0 Randhir Pathak Add.C -17, Flet No 4 St.No 4A West Vinod Nagar Delhi 110092 Changed my name to Bhawani Kumari.

NAME CHANGE
I, SURENDER KUMAR S/O RAMESH CHAND R/o HOUSE NO D 28, PATLI GATE, NEAR DAYANAND SCHOOL INDERPURI MOHALLA, PALWAL HARYANA-121102 I HAVE CHANGED MY NAME TO SURENDER GOEL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, SACHIN ASHOK BONDE R/o A 26 JAL VAYU VIHAR NEAR SHIVAM HOSPITAL, SECTOR-30, GURGAON HARYANA-122001 I HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME PARTH TO PARTH SACHIN BONDE FOR ALL FUTURE PURPOSES.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा सरकार ने सभी विभागों से मांगा ग्रुप डी के खाली पदों का ब्यौरा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सभी विभागाध्यक्षों को ग्रुप-डी कर्मचारियों के सुचारू समायोजन और पोस्टिंग की सुविधा के लिए हरियाणा नॉलेज कारपोरेशन लिमिटेड पोर्टल पर ग्रुप-डी के खाली पदों का विवरण तुरंत अपलोड करने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा जारी एक पत्र में, विभागों को एक सप्ताह के भीतर हरियाणा नॉलेज कारपोरेशन लिमिटेड पोर्टल रिक्विजिशन पोर्टल पर खाली पदों की जानकारी अपलोड करने का निर्देश दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिन ग्रुप-डी कर्मचारियों ने अभी तक ज्वाइन नहीं किया है, उन्हें पोर्टल पर पहले से जमा की गई उनकी पोस्ट प्राथमिकताओं के अनुसार बिना किसी परेशानी के समायोजित या दोबारा पोस्ट किया जा सके। सरकार ने आगे निर्देश दिया है कि विभागों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित एक प्रमाण पत्र भी अपलोड करना होगा, जो हरियाणा नॉलेज कारपोरेशन लिमिटेड पोर्टल पोर्टल पर अपलोड किए गए ग्रुप-डी रिक्तियों से संबंधित डेटा की सटीकता और सही होने को प्रमाणित करता हो। नए अनुशंसित ग्रुप-डी कर्मचारियों की पोस्टिंग संबंधित विभागों द्वारा प्रदान की गई प्रमाणित जानकारी के अनुसार ही की जाएगी।

हरियाणा के स्कूलों में छुट्टियां बढ़ी, अब 19 को खुलेंगे स्कूल

चंडीगढ़। हरियाणा में कड़ाके की ठंड के चलते प्रदेश सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में छुट्टियां बढ़ा दी हैं। पहले प्रदेश में शुक्रवार से स्कूल खोले जाने थे लेकिन अब 19 जनवरी को स्कूल खुलेंगे। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की तरफ से जारी पत्र के अनुसार, हरियाणा में पिछले कई दिनों से कोहरा जमाव बिंदु पर आ चुका है। प्रदेश में कई दिनों से सूर्य नहीं देखा गया है। राज्य सरकार की तरफ से प्रदेश के सभी स्कूलों में एक जनवरी से 15 जनवरी तक छुट्टियां की गई थी, लेकिन ठंड को देखते हुए इसमें वृद्धि कर दी गई है। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि अवकाश के दौरान सीबीएसई तथा आईसीएसई के निर्देशानुसार दसवीं तथा 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल के लिए स्कूल में बुलाया जा सकता है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में अब मरीजों को मिलेगा मुफ्त काढ़ा

चंडीगढ़। कड़ाके की ठंड के बीच भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन चल रहे राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला ने यहां आने वाले मौसमी बीमारी के मरीजों के लिए आयुर्वेदिक काढ़ा शुरू किया है। आयुर्वेदिक काढ़ा न केवल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा रहा है, बल्कि सर्दियों में होने वाली मौसमी बीमारी से बचाव में भी कारगर साबित हो रहा है।राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला में कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा के निर्देश पर शुरू किए गए अभियान के बारे में प्रवक्ता ने बताया कि ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों के साथ उनके परिजन काढ़ा पीकर इम्यूनिटी को मजबूत कर रहे हैं। संस्थान की ओपीडी और आईपीडी में चिकित्सकीय परामर्श के साथ काढ़ा निशुल्क मुहैया करवाया जा रहा है। आयुर्वेदिक औषधियों से तैयार किया गया काढ़ा न केवल सर्दी-जुकाम और खांसी में राहतदायक साबित हो रहा है, साथ ही आयुर्वेद के प्रति लोगों का भरोसा भी बढ़ रहा है। उप चिकित्सा अधीक्षक (डीएमएस) डॉ. गौरव गर्ग का कहना है कि ठंड के मौसम में बुजुर्ग, बच्चों, गंभीर रोगों से पीड़ित महिलाओं के साथ सांस और दमा के रोगियों की सेहत पर असर पड़ता है, जिससे उनकी इम्युनिटी कमजोर होती है और वे सर्दी-खांसी, जुकाम और बुखार की चपेट में आते हैं। संस्थान में निशुल्क वितरित किया जा रहा काढ़ा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ मौसमी बीमारियों से बचाव में भी महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। सर्दियों के मौसम में ठंड और शुष्कता के चलते मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनमें मुख्य रूप से खांसी-जुकाम शामिल हैं, लिहाजा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला में प्राकृतिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। आयुर्वेदिक चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि सर्दियों में आयुर्वेदिक सिद्धांतों को अपनाने से मौसमी रोगों से बचाव होता है। चिकित्सालय में रोगियों को निःशुल्क उच्च गुणवत्ता युक्त औषधियों का वितरण किया जा रहा है।

हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में भर्ती होंगे 64 दंत चिकित्सक, मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सकों की किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। राज्य में बहुत जल्द 64 दंत चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी, जिसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस भर्ती से प्रदेश में दंत चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा तथा आम नागरिकों को बेहतर और समय पर उपचार उपलब्ध होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने चंडीगढ़ में कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों, दंत चिकित्सकों तथा सहायक स्टाफ की नियुक्ति के साथ-साथ आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और नवीनतम मशीनों की स्थापना की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि मुख्यमंत्री ने हिसार के आजाद नगर में 50 बेड का अस्पताल /पॉलिक्लिनिक के निर्माण को भी स्वीकृति दे दी है। उन्होंने बताया कि जहां भी आवश्यकता होगी, वहां पर नए स्वास्थ्य संस्थान निर्मित किये जाएंगे।

किसान की सोच ही तय करती प्रदेश की नीति, कृषि बजट में नहीं आने दी जाएगी कोई कमी : नायब सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि सरकार किसानों की समस्याओं और जरूरतों को ध्यान में रखकर प्रभावी नीतियां तैयार कर रही है और कृषि क्षेत्र को बजट में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को जीवंत बनाए रखने में कृषि क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर बजट-पूर्व परामर्श बैठक में संबोधन दे रहे थे। हरियाणा के समग्र कृषि विकास, किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कृषि विशेषज्ञों, प्रगतिशील किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), पशुपालन, बागवानी, मत्स्य पालन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हितधारकों से आगामी बजट 2026-27 के लिए

सुझाव लिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि असली भारत गांवों में बसता है और हरियाणा की पहचान दूध-दही, मेहनतकश किसानों और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है, इसलिए हरियाणा के आगामी बजट में कृषि और सबंध क्षेत्रों के लिए विशेष ध्यान रखा जायेगा। पिछले बजट में किसानों के 99 सुझाव शामिल किएमुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह बैठक उनके लिए भावनात्मक रूप से भी विशेष है, क्योंकि वे स्वयं किसान के बेटे हैं और खेती-बाड़ी की कठिनाइयों को नजदीक से समझते हैं। उन्होंने कहा कि अन्नदाता किसान केवल अन्न उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सभ्यता का संवाहक भी है। मुख्यमंत्री ने पिछली बजट-पूर्व परामर्श बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले वर्ष 9 जनवरी को आयोजित बैठक में किसानों और विशेषज्ञों द्वारा 161 बहुमूल्य सुझाव दिए गए थे, जिनमें से 99 महत्वपूर्ण सुझावों को बजट 2025-26 में शामिल किया गया। इन सुझावों के आधार पर सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई ऐतिहासिक और व्यावहारिक निर्णय लिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में कृषि एवं संबद्ध विभागों के लिए 9296 करोड़ 68 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति और नीयत की सफलता तभी मानी जाएगी, जब योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष प्राप्त सुझाव और भी अधिक व्यवहारिक, गुणवत्तापूर्ण और दूरदर्शी हैं। उन्होंने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनने और उन्हें बजट प्रावधानों में सम्मिलित करने का आश्वासन दिया।

खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम ने घी फैक्टरी में की छापेमारी

एजेंसी

जींद। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम ने धडौली रोड पिल्लखेड़ा मंडी में श्री साई फूड प्रोडक्ट पर छापेमारी कर घी व अन्य सामान के सैंपल लेकर जांच के लिए लैबोरेटरी भेजे हैं। जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। फिलहाल फैक्टरी को सील कर दिया गया है। जिला खाद्य एवं सुरक्षा विभाग को सूचना मिली थी कि धडौली रोड पिल्लखेड़ा मंडी में श्री साई फूड प्रोडक्ट पर मिलावटी घी तैयार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर जिला खाद्य एवं सुरक्षा विभाग के निरीक्षक डा. योगेश कादियान के नेतृत्व में टीम ने फैक्टरी पर दस्तक देकर यहां तैयार घी के पांच सैंपल लिए हैं। जिनमें मोक्ष डेयरी 1633 लीटर, हरियाणा डेयरी के कुल 547 किलोग्राम सहित अन्य उत्पादों के लगभग साढे चार हजार लीटर घी के सैंपल लिए हैं। कंपनी में अपने उत्पादों को तैयार किया जाता है। टीम ने घी के सैंपल लेकर जांच के लिए लैबोरेटरी भेज दिया है। जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई अमल

में लाई जाएगी। जिला खाद्य एवं सुरक्षा विभाग के निरीक्षक डा. योगेश कादियान ने बताया कि सूचना के आधार पर धडौली रोड पर फैक्टरी में तैयार घी के पांच सैंपल लेकर जांच के लिए लैबोरेटरी भेजे हैं। जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल फैक्टरी को सील कर दिया गया है।

हरियाणा टीम ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भेंट की ट्रॉफी

एजेंसी

हिसार। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ स्थित इंदिरा गांधी स्टेडियममें हुए 69वें नेशनल स्कूल गेम्स अंडर-14 हैंडबॉल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकरलौटी हरियाणा टीम ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी ट्रॉफी भेंट की।

इस अवसर पर हरियाणा टीम के चीफ डी मिशन डीपीई कुलदीप नैन, लाडवा खेल नर्सरी के कोच अशोक पूनिया व महावीर पूनिया, तथा जिले की तीन खिलाड़ी वंशिका, अंशु एवं खुशी को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रामरतन सिंह द्वारा फूलमालाएं पहनाकर भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। रामरतन सिंह ने पूरी हरियाणा टीम को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एईईओ कुलदीप मलिक व डीपी ई कुलदीप नैन ने बताया कि 19 से 23 जनवरी से3 गुजरात सोमनाथ में होने वाली अंडर 17आयु वर्ग में भी जिले की जिले 4 खिलाडी ज्योति, रज्जो , मन्नत प्राची

हरियाणा टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। कार्यक्रम में पूर्व सीनियर साई हैंडबॉल कोच स्वरूप सिंह चहल, एईओ कुलदीप मलिक, एईईओ सुशील कुमार, डीपीई शक्तिवेश, डीपीई नीलम सहित अन्य अधिकारी व खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी पर अभद्रता का आरोप,सीएम ने दिए जांच के आदेश

एजेंसी

हिसार। जिले के सदर थाना क्षेत्र के गांव जुगलान निवासी दो भाइयों से हिसार पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सैनी के समक्ष अपनी पीड़ा रखी। प्रशासन व पुलिस की तरफ पूरी तरह निराशा जताते हुए दोनों भाइयों ने यहां तक कह दिया कि यदि हमारी शिकायत अलग मिले तो हमारे ही जूते मार लेना।

जुगलान गांव के दो भाई मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष शिकायत लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उनकी बात सुनीं और कहा कि शिकायत की जांच की जाएगी, हम जूते नहीं मारेंगे लेकिन यदि आपकी शिकायत झूठीनिकलती है तो कार्रवाई अवश्य होगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन को उनकी शिकायत की जांच करके कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जुगलान गांव निवासी दोनों भाइयों संदीप व सिद्धां के अनुसार वे दोनों

कुछ दिन पहले सदर थाना में शिकायत देने गए थे। आरोप है कि सदर थाना एसएचओ और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उनसे ढाई घंटे तक थाने मे मारपीट की। इस दौरान उनके थप्पड़ मारे। जब वे मारपीट की वीडियो बनाने लगे तो मोबाइल छीन लिया। युवकों ने बताया कि डीजीपी तक ने इस मामले में संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस एसएचओ ने गलत किया है, उसे डिमोट करके उसे थाने में लगाया जाए ताकि उसे अपने किए का एहसास हो। संदीप और सिद्धांत ने बताया कि 13 जनवरी को वह एसएचओ की शिकायत लेकर चंडीगढ़ सीएम कार्यालय मिलने गए थे। मुख्यमंत्री ने तुरंत डीजीपी को फोन कर कहा कि इन लड़कों की शिकायत पर कार्रवाई की जाए और आरोपी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाए। युवकों ने बताया कि इसके बाद हमारे पास एसपी हिसार का फोन आया और कहा कि 14 जनवरी यानि अगले दिन ऑफिस आकर मिल लेना। शिकायतकर्ता संदीप कुमार ने बताया कि इसके बाद हम एसपी साहब से मिले तो उसका रवैया ठीक नहीं था। इसी मामले में मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षक को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

गुरुग्राम के शिकोहपुर में नहीं उजाड़ी जाएगी चार दशक पुरानी कालोनी

एजेंसी

गुरुग्राम। गांव शिकोहपुर की अनुसूचित जाति कॉलोनी का कृषि विज्ञान केंद्र के साथ दशकों से लंबित भूमि विवाद का केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात के बाद हल निकल गया। यह कालोनी जहां पर है वहीं पर ही बसी रहेगी। गांव शिकोहपुर के ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह की अगवाई में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर पूरे मामले की तथ्यों सहित जानकारी दी। जानकारी के अनुसार गांव शिकोहपुर में लगभग सात एकड़ भूमि पर बीते करीब 40 वर्षों से अनुसूचित जाति कॉलोनी बनी हुई है। वहां ग्रामीणों के पक्के मकान बने हुए हैं तथा बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं लंबे समय से उपलब्ध हैं। संबंधित परिवारों के पहचान पत्र और वोटर कार्ड भी इसी पते पर बने हुए हैं। जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह बस्ती सामाजिक रूप से वर्षों से स्थापित है। सात एकड़ भूमि पर स्थित अनुसूचित जाति कॉलोनी को हटाने की जरूरत नहीं थी। प्रशासनिक रिपोर्टों और राजस्व अभिलेखों के अवलोकन में

तथ्यों के अनुसार यह भूमि पूर्व में ग्राम पंचायत के नाम दर्ज थी, जिसे बाद में कृषि विज्ञान केंद्र के उद्देश्य से स्थानांतरित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के लिए कुल 65 एकड़ भूमि में से 52 एकड़ भूमि पर्याप्त पाई गई। यह तथ्य भी सामने आया कि बस्ती के बने रहने से कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। इन्हीं तथ्यों के आधार पर मामले के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस मामले के समाधान में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह के निरंतर और प्रभावी प्रयास निर्णायक सिद्ध हुए हैं। केंद्रीय मंत्री की ग्रामीणों के साथ ही इस सार्थक बैठक में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का भी विशेष सहयोग रहा। बैठक के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी भी मौजूद रहे और प्रकरण से संबंधित प्रशासनिक व तकनीकी पहलुओं पर चर्चा हुई। मामले की विस्तृत जानकारी लेने और सभी तथ्यों पर विचार-विमर्श के उपरांत केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित भूमि को लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों को राहत प्रदान की जाए। केंद्रीय मंत्री के इस निर्णय से गांव शिकोहपुर के सैकड़ों अनुसूचित परिवारों को राहत मिली है और वर्षों से चली आ रही ।

पुलिस की एडवाइजरी, साइबर ठगों की नई ट्रिक कॉल मर्ज से सावधान रहें

एजेंसी

सिरसा। जिला पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर आमजन को साइबर फ्रॉड से आगाह करते हुए कहा कि आए दिन स्कैमर्स नए-नए हथकंडे अपना कर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। आधुनिकता के इस युग में साइबर अपराधियों ने कॉल मर्ज स्कैम इजाद किया है, जिसमें यूजर्स को शक की गुंजाइश नहीं रहती और आसानी से साइबर अपराधियों का शिकार हो जाता है।सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि साइबर अपराधी अब न ओटीपी पूछेंगे और न ही कोई लिंक या मेसेज भेजेंगे, बस कॉल मर्ज की इस नई ट्रिक से आपके अकाउंट में सेंध लगाकर पैसे उड़ा देंगे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यदि आपके मोबाइल नंबर पर किसी अनजान व्यक्ति का फोन कॉल आता है और कॉल करने वाला व्यक्ति यह दावा करता है कि मैंने आपका नंबर आपके किसी परिचित व्यक्ति से लिया है और इससे पहले उसी से बात कर रहा था और आपको भी कॉल मर्ज करने के लिए कहता है तो सावधान हो जाएं, क्योंकि गलती से भी यदि आपने कॉल मर्ज कर दिया तो आपका कॉल बैंक के ओटीपी वेरिफिकेशन कॉल से जुड़ जाएगा और आपके मोबाइल फोन पर आने वाला ओटीपी साइबर अपराधियों के पास पंहुच जाएगा।

साइबर अपराधी आसानी से आपके खाते से पैसे उडा देंगे। एसपी ने बताया कि यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति को फोन कॉल आता है, तो सावधान रहें तथा कॉल मर्ज करने से बचें। सावधानी व सतर्कता ही साइबर फ्रॉड से बचने का बेहतर तरीका है। उन्होंने आमजन को साइबर फ्रॉड के प्रति आगाह करते हुए कहा कि डिजिटल युग में जहां टेक्नोलॉजी हमारी जिंदगी को आसान बना रही है, वहीं साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी समय-समय पर फ्रॉड के नए तरीके इजाद कर लोगों के खाते खाली कर रहे हैं।

आईआईटी मद्रास के संजया एप से हादसों पर काबू पाएगी हरियाणा पुलिस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस सडक़ सुरक्षा और इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए एक ऐतिहासिक परिवर्तनकारी पहल शुरू कर रही है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के सहयोग से विकसित संजया एप तथा बेसलाइन सर्वे एप की सहायता से अब सडक़ दुर्घटनाओं का विश्लेषण, अस्पतालों की कार्यकुशलता, गोल्डन ऑवर के भीतर उपचार उपलब्धता और ब्लैक स्पॉट सुधार की प्रक्रिया एकीकृत डिजिटल प्रणाली के माध्यम से संचालित की जाएगी। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि हरियाणा पुलिस सडक़ सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इसे मिशन मोड में लागू करेगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में ऐसा तंत्र स्थापित किया जाएगा जिसमें दुर्घटना की सूचना मिलते ही जल्द से जल्द आवश्यक चिकित्सा सहायता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि हमारा विजन् सडक़ इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, इमरजेंसी मेडिकल रिस्पॉन्स और जन-जागरूकता को आपस में समन्वयित करते हुए एक मजबूत और सतत प्रणाली लागू करना है। आईआईटी मद्रास द्वारा विकसित

संजया एप से हाई फ्रीक्वेंसी एक्सीडेंट जोन और उभरते ब्लैक स्पॉट का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा। यह ऐप आईआरएडी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध दुर्घटना डेटा का उपयोग करते हुए उन स्थानों को दर्शाता है जहाँ दुर्घटनाओं की संभावना अधिक होती है। इस तकनीक को अपनाने के लिए सभी जिलों को लॉगिन क्रेडेंशियल उपलब्ध करवाए जा चुके हैं और आई मद्रास के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। इस तकनीक के इस्तेमाल से दुर्घटना संभावित क्षेत्र की पहचान और सुधार की कार्रवाई पहले की तुलना में अधिक तेज और सटीक होगी। हरियाणा पुलिस और आईआईटी मद्रास द्वारा मिलकर तैयार की गई बेसलाइन सर्वे एप के माध्यम से प्रदेश के लगभग 1009 अस्पतालों को पंजीकृत किया गया है। यह ऐप अस्पतालों की रियल टाइम क्षमताओं जैसे ट्रॉमा केयर, विशेषज्ञ डॉक्टर, ब्लड बैंक की उपलब्धता और एंबुलेंस मूवमेंट को अपडेट रखने का माध्यम बनेगा। यह रेटिंग प्रणाली अस्पतालों को प्रतिस्पर्धी और उत्तरदायी बनाएगी तथा सडक़ दुर्घटना पीड़ितों को समय पर और बेहतर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करेगी। डीजीपी ने बताया कि संजया एप पर राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग और जिला सडक़ों का पूरा नेटवर्क डिजिटल मैप के रूप में उपलब्ध होगा।

हिसार में मुख्यमंत्री ने किया ताऊ देवी लाल टाउन पार्क के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहर के पीएलए क्षेत्र में बने ताऊ देवी लाल टाउन पार्क के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने पार्क का भ्रमण कर जन सुविधाओं का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टाउन पार्क का विकास पंचतत्व थीम पर आधारित है, जो आधुनिक कला और नवाचार का बेहतरीन उदाहरण है। पार्क के विकास का उद्देश्य जनहित में एक आधुनिक, थीम आधारित और मनोरंजक स्थान उपलब्ध कराना है।

पार्क में सांस्कृतिक व अन्य आयोजनों के लिए ओपन एयर थिएटर का निर्माण किया गया है। साथ ही आयुष, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में औषधीय पौधों का उद्यान भी स्थापित किया गया है। सूर्य नमस्कार प्रतिमा, अदृश्य प्रतिमा, जॉगिंग/वॉकिंग ट्रैक, म्यूज़िकल फाउंटेन और जल निकाय, बच्चों के लिए प्लेइंग कॉर्नर, वॉटर लेक, झील के दृश्य के साथ कांच का डेक, आउटडोर जिम, आगंतुकों के लिए पार्किंग तथा खाद्य स्टॉल पार्क की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं। 12 एकड़ क्षेत्रफल वाले पार्क के जीर्णोद्धारऔर नवीनीकरण परियोजना पर कुल 14.72 करोड़ खर्च किये गए हैं। इससे पूर्व लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का फूल मालाओं, शॉल व स्मृति चिन्ह भेंटकर जोरदार अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर लोकनिर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, हिसार की विधायक सावित्री जिंदल, नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, मेयर प्रवीण पोपली, जिला परिषद अध्यक्ष सोनू सिहाग, भाजपा जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, जिला प्रभारी जवाहर सैनी, उपायुक्त महेंद्र पाल, ज़िला नगर आयुक्त नीरज, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक, विभिन्न वार्ड के पार्षद व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

विधानसभा की लोक लेखा समिति ने किया मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण,मिली कई खामियां

एजेंसी

नूंह। हरियाणा विधानसभा की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एवं विधायक चौधरी आफताब अहमद ने मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान कॉलेज और उससे जुड़े अस्पताल में कई महत्वपूर्ण खामियां सामने आईं, जिन्हें समिति ने गंभीरता से लिया है। निरीक्षण के समय उनके साथ हरियाणा सरकार के एसीएस (एडिशनल चीफ सेक्रेटरी) सुधीर राजपाल भी मौजूद रहे।

लोक लेखा समिति में कुल 11 विधायक सदस्य हैं। निरीक्षण के दौरान समिति के अध्यक्ष चौधरी आफताब अहमद, एसीएस सुधीर राजपाल, उपायुक्त अखिल पिलानी, मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर मुकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। समिति के सदस्यों में विधायक विनोद भायना, लीला राम, धर्म सिंह छोंकर, डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, प्रवीण डागर, ममन खान और शमशेर सिंह गोगी जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थिति चिंताजनक पाई गई। अस्पताल की इमारतें कई स्थानों पर जर्जर हालत में हैं और तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त फंड की जरूरत भी महसूस की गई। कॉलेज व अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। कई जगहों पर गंदगी देखी गई, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ रहा है। यह स्थिति मरीजों के साथ-साथ स्टाफ के स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक हो सकती है। अस्पताल के कई विभागों में जरूरी मेडिकल उपकरणों की कमी पाई गई। कुछ उपकरण पुराने और खराब हालत में हैं, वहीं कई बुनियादी चिकित्सा उपकरणों की समय पर मरम्मत नहीं हो रही है, जिससे इलाज प्रभावित हो रहा है। मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चिकित्सकों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की कमी

भी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आई। स्टाफ की संख्या कम होने के कारण मरीजों को समय पर और समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। निरीक्षण के बाद लोक लेखा समिति के अध्यक्ष चौधरी आफताब अहमद ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में पाई गई इन सभी खामियों को विधानसभा के आगामी सत्र में उठाया जाएगा।

यमुनानगर में पकड़ी गई यूरिया खेप पूरी तरह वैध, कालाबाजारी के आरोप निराधार

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर के जगाधरी क्षेत्र में कृषि योग्य यूरिया की कथित कालाबाजारी को लेकर फैले संदेह पर कृषि विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए इसे पूरी तरह वैध आपूर्ति करार दिया है। उप कृषि निदेशक यमुनानगर ने कहा कि किसानों की सतर्कता के बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई की, लेकिन जांच में किसी भी तरह की अनियमितता सामने नहीं आई। उप कृषि निदेशक ने गुरुवार को जारी जानकारी में बताया कि बुधवार दोपहर करीब तीन बजे कुछ किसानों ने सूचना दी थी कि बिलासपुर रोड स्थित आहलूवाला गांव के पास एनएच-23 पर यूरिया से लदे ट्रक खड़े हैं और खाद को गलत तरीके से उतारे जाने की आशंका है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए कृषि विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जिसमें फर्टिलाइजर इंस्पेक्टर और गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी शामिल थे। मौके पर की गई जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यूरिया की पूरी खेप एक अधिकृत फर्म के नाम पर भेजी गई थी। खाद बाज ट्रेडिंग कंपनी, आहलूवाला गांव के नाम पर बिल की गई थी, जिसका लाइसेंस वर्ष 2029 तक वैध है। यह बिल सरकार की इंटीग्रेटेड फर्टिलाइजर मॉनिटरिंग सिस्टम के तहत जारी किया गया था। ट्रक भी उसी लाइसेंसधारी डीलर के नाम पर पंजीकृत पाए गए, जिन्हें कृषि विभाग की मान्यता प्राप्त है। अधिकारियों के अनुसार यह यूरिया अनिल ट्रेडर द्वारा सप्लाई की गई थी और संबंधित कंपनी का रैक उसी दिन सुबह यमुनानगर में उतरा था। खाद जिस गोदाम में उतारी जा रही थी, वह भी विभाग द्वारा अधिकृत डीलर का ही है। दस्तावेजों की जांच में सप्लाई चेन पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुरूप पाई गई। ई-वे बिल के समय को लेकर उठे सवालों पर विभाग ने कहा कि ट्रक लगभग तीन बजे रोके गए थे।

कई शहरों में पेट्रोल-डीजल सस्ता, कुछ जगह बढ़े दाम

ब्रेंट क्रूड 63 डॉलर के नीचे, नोएडा और पटना में राहत, गाजियाबाद में बढ़ोतरी

नईदिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले दो दिनों के दौरान 4 डॉलर से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। इसका सीधा असर शुक्रवार सुबह जारी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर देखने को मिला। देश के कई शहरों में तेल के दाम घटे हैं, जबकि कुछ जगहों पर मामूली बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते 24 घंटों के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड 2.76 डॉलर लुढ़ककर 63.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

वहीं, अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 1 डॉलर की गिरावट के साथ 59.29 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की इस कमजोरी का असर घरेलू बाजार पर भी दिखने लगा है।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले यानी नोएडा में पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 94.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। डीजल की कीमत में भी 20 पैसे की गिरावट आई है और यह 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे बढ़कर 87.81 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी आज उपभोक्ताओं को राहत मिली है।

यहां पेट्रोल 18 पैसे गिरकर 105.23 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल 17 पैसे सस्ता होकर 91.49 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

देश के चार प्रमुख महानगरों में आज पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये तथा कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर के भाव पर मिल रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 42 पैसे टूटकर 99.76 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपये में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट रही और यह 10 पैसे टूटकर 90.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा पर दबाव बना रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कम कीमतों और शेयर बाजार के सकारात्मक माहौल ने घरेलू मुद्रा को हालांकि निचले स्तर पर समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 90.44 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.34 पर बंद हुआ था। मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के अवकाश के मद्देनजर गुरुवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 99.10 पर रहा।

एलटीआई माइंडट्री को 3,000 करोड़ का मिला ठेका

नई दिल्ली । एलटीआई माइंडट्री को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से इंसाइट 2.0 परियोजना का ठेका मिला है। इस परियोजना के तहत भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच का आधुनिकीकरण किया जाएगा और इसे एआई-संचालित प्रणाली में परिवर्तित किया जाएगा। परियोजना का कुल मूल्य लगभग 3,000 करोड़ रुपये है और इसे सात वर्षों में पूरा किया जाएगा। यह मंच नीति-निर्माताओं को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करेगा, जिससे कर प्रशासन और नीति निर्माण में तेजी और पारदर्शिता आएगी। एलटीआई माइंडट्री के डिजिटल बदलाव और एआई समाधान में नेतृत्व को भी यह परियोजना मजबूत बनाएगी। इंसाइट 2.0 से भारत का कर प्रशासन स्मार्ट, डेटा-सक्षम और भविष्य की चुनौतियों के अनुकूल बनेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 188, निफ्टी 29 अंक उछला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 187.64 अंक बढ़कर 83,570.35 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 28.75 अंक ऊपर आकर 25,694.35 अंक पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं इन्फोसिस के शेयर में तो 5 फीसदी से अधिक उछाल आया। इससे आईटी क्षेत्र में भी तेजी रही। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए कमाई का अनुमान बढ़ाकर निवेशकों को हैरान किया है। इन्फोसिस एआई के क्षेत्र में अपनी मजबूत साझेदारी से बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इससे पहले आज घरेलू बाजारों की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। खास तौर पर आईटी सेक्टर के दिग्गज शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, जिससे बाजार को शुरुआती कारोबार में अच्छा सपोर्ट मिला। इन्फोसिस के नेतृत्व में टीसीएस, विप्रो और एचसीएल टेक जैसे अन्य आईटी शेयरों में भी खरीदारी देखने को मिली। अमेरिकी बाजारों में टेक शेयरों की मजबूती और सकारात्मक ग्लोबल संकेतों से आईटी सेक्टर को फायदा मिला। सेंसेक्स मजबूत बढ़त के साथ 83,670 अंक पर खुला और कुछ ही देर में 83,700 अंक के स्तर के ऊपर निकल गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 238.09 अंक की तेजी के साथ 83,620.80 अंक पर कारोबार कर रहा था। बैंकिंग और आईटी शेयरों में खरीदारी ने सेंसेक्स को मजबूती प्रदान की। निफ्टी-50 भी तेजी के साथ खुला। निफ्टी ने कारोबार की शुरुआत 25,696 अंक पर की और खुलते ही 25,700 अंक के स्तर को पार कर गया।

गुरुवार को महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के तहत शेयर बाजार बंद रह अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए। टेक्नोलॉजी और बैंकिंग शेयरों में तेजी से प्रमुख इंडेक्स ऊपर गए। डॉव जोन्स 0.6 फीसदी चढ़ा, जबकि एसएंडपी 500 में 0.26 फीसदी और नैस्डैक में 0.25 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

एप्पल पर भारत में एंटी-ट्रस्ट मामले में लग सकता है भारी जुर्माना

मुंबई । आईफोन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एप्पल को भारत में प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण के आरोपों के चलते गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एप्पल को अंतिम चेतावनी दी है। आयोग का आरोप है कि कंपनी पिछले एक साल से अधिक समय से आवश्यक जानकारी और जवाब देने में सहयोग नहीं कर रही है। यदि सीसीआई एप्पल के ग्लोबल टर्नओवर के आधार पर जुर्माना तय करता है, तो कंपनी पर करीब 38 अरब डॉलर (लगभग 34.33 लाख करोड़ रुपए) का भारी जुर्माना लग सकता है। यह जुर्माना भारतीय प्रतिस्पर्धा कानून के तहत सबसे बड़े मामलों में से एक माना जा सकता है। एप्पल ने इन आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि वह किसी भी तरह का दुरुपयोग नहीं कर रही। मामला फिलहाल दिल्ली हाई कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट में एप्पल ने पूरी जांच पर रोक लगाने की कोशिश की थी, लेकिन सीसीआई ने इसकी मांग खारिज कर दी। 2024 में जांच एजेंसियों ने रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें एप्पल पर आईओएस ऐप बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग करने और प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण करने का आरोप लगाया गया था। सीसीआई ने अक्टूबर 2024 में एप्पल से जांच के निष्कर्षों पर आपत्तियां दर्ज करने और वित्तीय जानकारी देने को कहा था, लेकिन कंपनी ने आवश्यक विवरण प्रदान नहीं किया।

बिटकॉइन में भारी गिरावट, 90,261 डॉलर पर

- बिटकॉइन की कीमतों पर वैश्विक आर्थिक और नीतिगत कारक डाल रहे हैं असर

नई दिल्ली । पिछले साल 6 अक्टूबर को बिटकॉइन ने 1,26,210.50 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ, लेकिन इसके बाद कीमत में तेज गिरावट आई। वर्तमान में यह लगभग 90,261 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस गिरावट के दौरान घबराना सही नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक निवेशक इसे अवसर के रूप में देख सकते हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार की अस्थिरता के बावजूद निवेशकों को अनुशासित तरीके से बिटकॉइन की अतिरिक्त यूनिट जमा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गिरावट का लाभ उठाकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण बनाए रखना फायदेमंद साबित हो सकता है। बिटकॉइन की कीमतों पर वैश्विक आर्थिक और नीतिगत कारक असर डाल रहे हैं। बैंक ऑफ जापान द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी और अमेरिकी फेड द्वारा भविष्य की दरों में कटौती को लेकर सतर्क संकेतों ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ाई। अमेरिका में लंबे समय तक कामकाज बंद रहने से निवेशकों में सतर्कता और बढ़ गई। अक्टूबर में रैली के बाद चौथी तिमाही में संस्थागत निवेशकों ने मुनाफावसूली की। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि अत्यधिक लीवरेज वाली पोजीशन को समाप्त किया गया। विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशक फटाफट निर्णय न लें। बाजार की अस्थिरता के बावजूद दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना और अनुशासित निवेश करना लाभकारी हो सकता है।

स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी

- महंगाई का मुख्य कारण है मेमोरी चिप्स की बढ़ती कीमतें और सप्लाई की कमी

नई दिल्ली । 2026 के बजट से पहले उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स की कीमतें घटने की उम्मीद थी, लेकिन इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स इसके उलट संकेत दे रहे हैं। एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग की बढ़ती मांग के कारण मेमोरी चिप्स महंगी हो रही हैं। एक अध्ययन के अनुसार पिछले कुछ महीनों में चिप्स की कीमतें 40-50 फीसदी तक बढ़ चुकी हैं और आने वाली तिमाहियों में और 20 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। कुछ ब्रांड जैसे विवो और वनप्लस ने जनवरी में अपने स्मार्टफोन के दाम 3,000-5,000 रुपए बढ़ा दिए हैं। वहीं सैमसंग जैसी कंपनियां सीधे दाम बढ़ाने के बजाय कैशबैक और डिस्काउंट घटाकर कीमतों को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा रही हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि नई लॉन्चिंग में कंपनियां श्रिंकफ्लेशन अपना सकती हैं, यानी डिस्प्ले या अन्य कंपोनेंट्स की क्वालिटी में हल्का कटौती कर सकती हैं। कुछ रिटेलर्स ने नवंबर-दिसंबर में 5-10 फीसदी तक कीमतें बढ़ाई हैं और फरवरी में अतिरिक्त बढ़ोतरी की योजना है। उनके अनुसार स्मार्टफोन की कीमतें अगले कुछ महीनों में कुल मिलाकर 30 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। इससे 20,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन्स पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा और बाजार में 10-12 फीसदी तक गिरावट आ सकती है। उपभोक्ता फिलहाल खरीदारी को रोककर सही समय का इंतजार कर रहे हैं।

डाक मार्ग से निर्यात पर भी लागू होंगी निर्यात प्रोत्साहन योजना

- नई पहल से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों को मिलेगा बड़ा लाभ

नई दिल्ली । केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि अब आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल एजेंसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं डाक के माध्यम से भेजे जाने वाले माल पर भी लागू होंगी। यह निर्णय 15 जनवरी 2026 से प्रभावी हो गई है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि इससे विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों (एमएसएमई) की प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और डाक निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। ड्यूटी ड्रॉबैक योजना के तहत निर्यातक को उस माल के निर्माण में इस्तेमाल किए गए कच्चे माल पर चुकाए गए सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क का पूरा या आंशिक रिफंड मिलेगा। इसके अलावा आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल योजनाओं के माध्यम से राज्य एवं केंद्रीय करों में छूट दी जाएगी। कर विशेषज्ञों बताया कि डाक मार्ग के लिए इन लाभों का विस्तार करने से दूरस्थ क्षेत्रों के एमएसएमई के लिए लंबी अवधि से चली आ रही अनुपालन बाधाओं को दूर किया गया है। सीबीआईसी ने इसके लिए डाक निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक घोषणा और प्रसंस्करण) विनियम, 2022 में संशोधन किया। इसके तहत निर्यातक अब डाक मार्ग से किए गए निर्यात पर सभी लाभों का दावा कर सकेंगे। भारत में वर्तमान में 28 विदेशी डाकघर अधिसूचित हैं। इसके अलावा, डाक आयात विनियम, 2025 और आईजीएसटी रिफंड के स्वचालन जैसे कदमों से डाक माध्यमों के जरिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार को और सुगम बनाया गया है।

मिडकैप सूचकांक का कमजोर प्रदर्शन, लार्जकैप ने बढ़त बनाई

नई दिल्ली । कैलेंडर वर्ष 2025 में तेजी से बढ़ते मिडकैप शेयरों ने पिछले दो साल के रुझान को पलटते हुए कमजोर प्रदर्शन किया। बीएसई मिडकैप सूचकांक वर्ष 2025 में केवल 1.1 प्रतिशत बढ़ा, जबकि 2024 में यह 26.1 प्रतिशत की तेजी दर्ज कर चुका था। यह 2019 के बाद का सबसे खराब सालाना प्रदर्शन है। कुल मिलाकर सूचकांक के 140 में से 84 शेयर (लगभग 61 फीसदी) पिछले साल गिरावट के साथ बंद हुए, जिसमें 17 शेयरों की कीमतें 30 प्रतिशत से अधिक गिरीं। इस बीच बड़े शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। बीएसई सेंसेक्स 2025 में 9.1 प्रतिशत बढ़ा, जो 2024 की 8.2 प्रतिशत की बढ़त से थोड़ी बेहतर रही। इससे साफ होता है कि निवेशकों ने जोखिम कम करने के लिए मिडकैप की तुलना में लार्जकैप शेयरों को प्राथमिकता दी। मिडकैप में अलग-अलग शेयरों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर रहा। एलएंडटी फाइनेंस ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जो 133 प्रतिशत चढ़ा। दूसरी ओर, ओला इलेक्ट्रिक का बाजार पूंजीकरण लगभग 58 प्रतिशत घटा। कुल मिलाकर, मिडकैप सूचकांक में 18 शेयरों ने 30 प्रतिशत या उससे अधिक की तेजी दिखाई, जिनमें से 12 शेयरों में 50 प्रतिशत या उससे ज्यादा बढ़त रही।

अनधिकृत वॉकी-टॉकी बेचने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर 44 लाख का जुर्माना

- लाइसेंस छूट वाले आवृत्ति बैंड के बाहर वाले पीएमआर उपकरणों की बिक्री करने का मामला

नई दिल्ली । केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और दूरसंचार कानूनों का उल्लंघन करने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई उन प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ की गई, जिन्होंने अनधिकृत वॉकी-टॉकी (पीएमआर) को सूचीबद्ध और बेचा। सीसीपीए ने विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर 16,970 से अधिक गैर-अनुपालन उत्पादों की पहचान की। जिनमें मीशो, मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, अमेजन, चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो, मास्कमैन टॉयज, ट्रेडइंडिया, अंतरिक्ष टेक्नोलॉजीज, वरदानमार्ट, इंडियामार्ट और कृष्णा मार्ट शो मिल हैं। प्राधिकरण ने पाया कि ये मंच लाइसेंस छूट वाले आवृत्ति बैंड (446.0-446.2 एमएचजेड) के बाहर वाले पीएमआर उपकरणों की बिक्री कर रहे थे। इन उपकरणों के लिए उपकरण प्रकार अनुमोदन (ईटीए) प्रमाणन और लाइसेंसिंग आवश्यकताओं का पालन नहीं किया गया। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि प्राधिकरण ने उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापनों एवं अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए मीशो, मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट तथा अमेजन पर 10 लाख रुपये और चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो और मास्कमैन टॉयज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उन्होंने बताया कि मीशो, मेटा, चिमिया, जियोमार्ट और टॉक प्रो ने अपना जुर्माना अदा कर दिया है। शेष मंचों ने अभी भुगतान नहीं किया है।मौजूदा नियमों के तहत, लाइसेंस छूट केवल 446.0-446.2 मेगाहर्ट्ज बैंड में ही संचालित होने वाले पीएमआर पर लागू होती है। लघु-श्रेणी रेडियो आवृत्ति उपकरणों के उपयोग संबंधी नियम 2018 का नियम पांच यह अनिवार्य करता है कि विनिर्माताओं या विक्रेताओं को ऐसे उपकरणों के आयात, बिक्री या संचालन से पहले ईटीए (अनुमति और प्रमाणीकरण) प्राप्त करना होगा।

भारत-ईयू एफटीए पर 27 जनवरी को बड़ा ऐलान संभव

- दिल्ली शिखर सम्मेलन में तय होगी समझौते की रूपरेखा

नई दिल्ली । भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत के निष्कर्ष की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है। यह घोषणा ईयू के शीर्ष नेतृत्व की भारत यात्रा (25-27 जनवरी) के दौरान, 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में होने की संभावना है। हालांकि अंतिम समझौते पर तत्काल हस्ताक्षर की संभावना कम है, लेकिन समझौते की रूपरेखा तय होने की उम्मीद है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सह-अध्यक्षता करेंगे। दोनों नेता इस वर्ष के गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि भी होंगे। पिछले तीन महीनों में वार्ता के अंतिम और सबसे कठिन चरण में रही। कुल 24 मुद्दों में से 20 पर सहमति बन चुकी है, जबकि कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी भी चर्चा चल रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, नेता बैठक से पहले प्रयास जारी हैं। अंतिम पैकेज में कृषि शामिल नहीं होगी। यूरोपीय आयोग ने स्पष्ट किया कि कृषि को समझौते से बाहर रखा गया है। ब्रसेल्स ने यूरोपीय वाइन और शराब पर 150% शुल्क कम करने पर भारत के साथ सहमति बनाई है। कठिन बिंदुओं में इस्पात आयात पर ईयू नीतियों और भारत के लिए कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म शामिल हैं। ईयू के लिए वाहन वाइन और कृषि उत्पादों पर कम शुल्क प्रमुख हित हैं। इसके लिए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य सचिव अग्रवाल ने जनवरी में ब्रसेल्स में उच्चस्तरीय वार्ता की।

भारत में बेरोजगारी दर 4.8 फीसदी पर, श्रम बाजार सक्रिय

नई दिल्ली ।दिसंबर में बेरोजगारी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार दिसंबर 2025 में भारत की बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8 फीसदी हो गई, जो नवंबर के 4.7 फीसदी से थोड़ी अधिक है। यह आठ महीने में दूसरा निचला स्तर है। शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर 6.7 फीसदी तक बढ़ी, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में यह स्थिर 3.9 फीसदी बनी रही। महिलाओं की बेरोजगारी 4.7 फीसदी और पुरुषों की 4.9 फीसदी रही, जो पिछली रिपोर्ट से मामूली बढ़ोतरी दर्शाती है। श्रमबल हिस्सेदारी दर बढ़कर 56.1 फीसदी हो गई। ग्रामीण श्रमबल हिस्सेदारी 59 फीसदी और शहरी 50.2 फीसदी रही। 15 साल या उससे अधिक उम्र की महिलाओं की श्रमबल हिस्सेदारी 35.5 फीसदी तक पहुंच गई।

चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट, सोना भी हुआ सस्ता

- चांदी का भाव 2,89,050 प्रति किलो, सोना 1,42,799 रुपए प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली । घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर बाजार खुलते ही चांदी की कीमतों में तेज दबाव देखने को मिला और यह करीब 6,000 रुपये प्रति किलो तक टूट गई। वहीं सोने की कीमतों में भी मामूली कमजोरी नजर आई, जिससे निवेशकों में थोड़ी सतर्कता देखी गई। 5 मार्च डिलीवरी वाली चांदी पिछले कारोबारी सत्र में 2,91,577 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। शुक्रवार को यह गिरावट के साथ 2,87,127 रुपये प्रति किलो पर खुली। शुरुआती कारोबार में चांदी 2,85,513 रुपये के निचले स्तर तक फिसल गई, जबकि इसका ऊपरी स्तर 2,88,901 रुपये रहा। इस समय चांदी 2,527 रुपये की गिरावट के साथ 2,89,050 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। बाजार में आई इस गिरावट को मुनाफावसूली और वैश्विक संकेतों से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं सोने की कीमतों में भी हल्की गिरावट देखने को मिली। 5 फरवरी डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,43,121 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जबकि शुक्रवार को यह 1,42,589 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में सोना 1,42,400 रुपये के निचले स्तर तक गया और 1,42,837 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंचा। इस समय सोना 322 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,799 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता नजर आया। हालांकि कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन लंबी अवधि के लिहाज से कीमती धातुओं का रुझान मजबूत बना हुआ है। साल 2026 में अब तक सोने की कीमत करीब 5 फीसदी और चांदी की कीमत लगभग 15 फीसदी बढ़ चुकी है। वहीं बीते एक साल में सोने ने करीब 80 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि चांदी ने लगभग 192 फीसदी की जबरदस्त तेजी दिखाई है।

ईरान की उथल-पुथल एवं अमेरिका से टकराव गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल द्विपक्षीय तनाव नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इस संघर्ष से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है।

ईरान में बार-बार उभरती उथल-पुथल केवल किसी एक घटना, किसी एक फैसले या किसी एक पीढ़ी का आक्रोश नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक संरचना की परिणति है, जिसने 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से इस देश को आकार दिया है। आज जब सड़कों पर विरोध के दृश्य, सोशल मीडिया पर आक्रोश और पश्चिमी विश्लेषकों की ओर से सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि ईरान का संकट साधारण आंतरिक असंतोष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन से गहराई से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ईरान की आंतरिक उथल-पुथल एवं अस्थिरता के साथ-साथ उसका अमेरिका के साथ टकराव युद्ध की स्थितियों एवं वैश्विक असंतुलन का बड़ा कारण बन रहा है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल द्विपक्षीय तनाव नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इस संघर्ष से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय व्यापार की धमनियों को बाधित कर सकती है, जिससे महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। इसके साथ ही यह टकराव क्षेत्रीय देशों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध में खींच सकता है, जिससे शरणार्थी संकट, आतंकवाद और साम्प्रदायिक तनाव गहराने की आशंका है। महाशक्तियों के परस्पर टकराव की स्थिति में विश्व राजनीति और अधिक ध्रूवीकृत होगी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग कमजोर पड़ेगा और शांति की जगह अविश्वास व सैन्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा, जिसका खामियाजा अंततः पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है।

1979 की इस्लामिक क्रांति ने ईरान में केवल शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर एक नई सरकार स्थापित नहीं की थी, बल्कि एक ऐसी वैचारिक-राजनीतिक संरचना रची थी, जिसमें धर्म, राजनीति और सुरक्षा-तंत्र एक-दूसरे में घुलमिल गए। “विलायत-ए-फकीह” की अवधारणा के तहत सर्वोच्च धार्मिक नेतृत्व को अंतिम राजनीतिक अधिकार सौंपा गया। इसी व्यवस्था के संरक्षण और विस्तार के लिए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी को खड़ा किया गया, जो समय के साथ केवल सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक ताकत का भी केंद्र बन गया। यही कारण है कि ईरान की व्यवस्था को केवल सरकार या शासन कहकर नहीं समझा जा सकता; यह एक संपूर्ण तंत्र है, जिसे हटाने के लिए केवल विरोध-प्रदर्शन पर्याप्त नहीं होते।

ईरान ने पिछले चार दशकों में कई बड़े जनांदोलन देखे हैं। 2009 का ग्रीन मूवमेंट, 2017-18 की आर्थिक असंतोष की लहर, 2019 में ईंधन मूल्य वृद्धि के खिलाफ उग्र प्रदर्शन और 2022 में सामाजिक स्वतंत्रताओं को लेकर उठी आवाजें—हर बार यह माना गया कि शायद अब व्यवस्था डगमगाएगी। लेकिन हर बार वही सत्ता, वही ढांचा और वही शक्ति-संतुलन कायम रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ईरान में सुरक्षा-तंत्र राज्य से अलग नहीं, बल्कि राज्य का ही विस्तार है। अरब स्प्रिंग के दौरान मिस्र या तुर्किए में सेनाओं ने अंततः राष्ट्र-राज्य को बचाने का रास्ता चुना, लेकिन ईरान में आईआरजीसी खुद को क्रांति और इस्लामिक रिपब्लिक का संरक्षक मानती है, न कि केवल सीमाओं की रक्षा करने वाली संस्था। फिर भी यह कहना गलत होगा कि ईरान की व्यवस्था पर कोई दबाव नहीं है। वास्तव में, आज का दबाव पहले से कहीं अधिक जटिल और गहरा है। इसका सबसे बड़ा कारण है पीढ़ीगत बदलाव। ईरान की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है, जिसने 1979 की क्रांति न देखी है और न ही उससे भावनात्मक रूप से जुड़ा है। उनके लिए क्रांति कोई जीवित स्मृति नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों का अध्याय है। उनकी आकांक्षाएं इंटरनेट, वैश्विक संस्कृति, शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं से प्रेरित हैं। जब ये आकांक्षाएं एक सख्त सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था से टकराती हैं, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है।

इस असंतोष को और तीखा बनाया है दशकों से चले आ रहे अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों ने। इन प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तेल निर्यात सीमित हुआ, विदेशी निवेश रुका, मुद्रा कमजोर पड़ी और महंगाई ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी। विकास और आधुनिकीकरण की गति धीमी पड़ी, जिससे खासकर शहरी मध्यम वर्ग और युवा वर्ग में भविष्य को लेकर निराशा बढ़ी। आज ईरान के कई नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका और इजराइल के साथ अंतहीन दुश्मनी का बोझ उन्हीं के कंधों पर डाला जाना जरूरी है। धीरे-धीरे यह वैचारिक टकराव राष्ट्रवादी गौरव से अधिक सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस पूरे परिदृश्य को और खतरनाक बना देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के आदेश और सैन्य हस्तक्षेप के संकेतों ने पश्चिम एशिया को एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। ईरान आज 1979 के बाद से शायद सबसे गंभीर बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। यह टकराव केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा भू-राजनीतिक खेल बन चुका है, जिसमें महाशक्तियां अपने-अपने हित साधना चाहती हैं।

अकसर यह धारणा बनाई जाती है कि बाहरी हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव है। लेकिन इतिहास बताता है कि ईरान में विदेशी दखलअंदाजी ने हमेशा उल्टा असर डाला है। 1953 में मोसादेग सरकार के तख्तापलट से लेकर आज तक, “विदेशी साजिश” का कथानक ईरानी राष्ट्रवाद को मजबूत करता रहा है। बाहरी समर्थन से होने वाले आंदोलनों को जनता का व्यापक और स्थायी समर्थन नहीं मिल पाता। यही वजह है कि विपक्षी नेतृत्व, जो अक्सर देश से बाहर बैठा होता है, ईरान के भीतर विश्वसनीय विकल्प नहीं बन सका। इसके अलावा, ईरान वेनेजुएला नहीं है। यह एक बड़ा, संगठित और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है, जिसकी पकड़ इराक, सीरिया, लेबनान और यमन तक फैली हुई है। यहां किसी भी प्रकार का सैन्य हस्तक्षेप पूरे पश्चिम एशिया को आग में झोंक सकता है। इजराइल, खाड़ी देश, अमेरिका और यूरोपीय शक्तियां-सब इसके प्रभाव में आएंगे। चीन और रूस भी एक अस्थिर ईरान नहीं चाहते, क्योंकि वह उनके क्षेत्रीय और वैश्विक हितों के खिलाफ होगा। यह बहुध्रूवीय संतुलन ईरान की व्यवस्था को एक अप्रत्यक्ष सुरक्षा कवच प्रदान करता है।

ईरान के भीतर आम नागरिकों का गुस्सा अब केवल आर्थिक कुप्रबंधन या भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रह गया है। एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि शासन की प्राथमिकताएं आम लोगों की जरूरतों से कट चुकी हैं। जब नागरिक भोजन, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हों, तब बाहरी दुश्मनों के खिलाफ वैचारिक युद्ध और यहूदी-विरोधी राजनीति उन्हें खोखली प्रतीत होती है। कई ईरानी मानते हैं कि इसी नीति ने देश को अंतरराष्ट्रीय अलगाव में धकेला और आर्थिक बबार्दी को जन्म दिया। यदि ईरान में बाहरी मदद से सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। मध्य पूर्व में शक्ति-संतुलन बुरी तरह बिगड़ सकता है। शिया-सुन्नी तनाव, इजराइल-ईरान संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार-सब पर इसका गहरा असर पड़ेगा। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी। भारत के ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। चाबहार बंदरगाह से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक, ईरान भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। ऐसे में भारत को अत्यंत सावधानी के साथ अपने रणनीतिक संतुलन को बनाए रखना होगा, ताकि वह किसी एक ध्रूव का मोहरा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके। अंततः, ईरान की वर्तमान उथल-पुथल यह संकेत देती है कि व्यवस्था पर दबाव वास्तविक है, लेकिन तात्कालिक पतन की भविष्यवाणियां अक्सर जल्दबाजी साबित होती हैं। यह संघर्ष केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि पहचान, वैचारिक दिशा और भविष्य की कल्पना का संघर्ष है। ईरान का भविष्य संभवतः न तो अचानक क्रांति से बदलेगा और न ही केवल दमन से स्थिर रहेगा। यह एक लंबी, जटिल और अंतर्द्वंद्वों से भरी प्रक्रिया होगी, जिसके परिणाम न केवल ईरान, बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति को प्रभावित करेंगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

संवैधानिक व्यवस्था दायरे में नहीं

कोलकाता की घटना संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है। संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। आखिर इस तरह की नौबत क्यों आई? कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे का मुकाबला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सड़क पर उतर कर किया। ऐसा शायद पहली बार हुआ, जब एक केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई के बीच किसी मुख्यमंत्री ने इस तरह का दखल दिया हो। उस घटना के बाद से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने इसको लेकर एक बड़ा राजनीतिक अभियान छेड़ रखा है। उधर ईडी ने सुप्रीम कोर्ट की पनाह ली है। ईडी का इल्जाम है कि आई-पैक एजेंसी से जुड़े व्यक्तियों ने हवाला के जरिए अवैध रूप से धन का लेन-देन किया है। जबकि तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि चूंकि आई-पैक को उसने अपने विधानसभा चुनाव अभियान के प्रबंधन का ठेका दिया है और इसलिए उसके पास पार्टी की रणनीति संबंधी आंकड़े हैं, तो उन्हें ही चुराने ईडी वहां गई थी। तृणमूल की शिकायत पर कोलकाता पुलिस ने दस्तावेजों की चोरी का केस दर्ज किया है। उसने उन ईडी तथा केंद्रीय शस्त्र बल के कर्मियों की पहचान शुरू कर दी है, जो आई-पैक के दफ्तर पर गए। तो इस रूप में ये मामला केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराव में तब्दील हो गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि तृणमूल ने अपनी शिकायत को बयानों या कानूनी चुनौती तक सीमित नहीं रखा। उसकी नेता एवं मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से ईडी के छापे में रुकावट डाली। यह घटना देश के संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है। संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। यह गंभीर विचार-विमर्श का विषय है कि ये नौबत क्यों आई? साफ वजह राजनीतिक वर्ग में आपसी भरोसे का टूट जाना है। विपक्षी खेमों में आम धारणा है कि केंद्रीय एजेंसियां सत्ताधारी भाजपा के सियासी मकसद को साधने का औजार बन गई हैं। इस दौर में कानूनों की व्याख्या के क्रम में न्यायपालिका ने भी राजनीतिक परिदृश्य की अनदेखी कर तकनीकी नजरिया अपना रखा है।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

युवाओं को साइबर स्लेवरी में धकेल रहे हैं कबूतर बाज

मनोज कुमार अग्रवाल

विदेश मे जाकर नौकरी रोजगार कर बेशुमार दौलत कमाने का सपना किसे अच्छा नही लगता है? अच्छे पैसे कमाए और बेहतर जीवन जीने की अभिलाषा कबूतर बाज एजेंटों के जाल में फंस कर जीवन बर्बाद कर रही है । इन एजेंटों के दिखाए सब्जबाग में अपने सुखद भविष्य के सपने संजोकर अनेक युवा किसी भी तरीके से विदेश पहुंचने की कोशिश करते रहते हैं परंतु उनमें से अनेक युवक जालसाज ट्रैवल एजेंटों के हाथों ठगी का शिकार हो रहे हैं जिनकी मात्र इसी महीने के 4 दिनों में सामने आई घटनाएं निम्न में दर्ज हैं :

14 जनवरी मेरठ शहर के आजाद चौक व कांधला क्षेत्र के छह युवकों को सिंगापुर और मलेशिया में मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी का झांसा देकर 26 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। यही नहीं, दो युवकों को फर्जी कागजात के आधार पर मलेशिया भेज दिया गया, जहां उन्हें 15 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया। तीन जनवरी को दोनों युवक किसी तरह भारत लौटे। पीड़ितों ने एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। एसपी ने मामले की जांच शुरू करा दी है।

14 जनवरी नोएडा पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं को ठगने और साइबर अपराधियों के हवाले करने वाले फर्जी एजेंट शुभम को गिरफ्तार किया है. आरोपी सोशल मीडिया के जरिए पीड़ितों से पैसे वसूल करता था और उन्हें थाईलैंड, म्यांमार में साइबर स्लेवरी में फंसा देता था. पुलिस आरोपी के नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की गहन जांच कर रही है.

14 जनवरी को ही दुबई में फंसे उत्तराखंड रुद्रपुर के चार युवकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पुलिस से गुहार लगाई है. जिसके बाद एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने मामले की जांच सौंपते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए हैं.

4 जनवरी, 2026 को सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) में एक एजेंट द्वारा विदेश जाने के इच्छुक युवक को अमरीका पहुंचाने का वायदा करके उससे 60 लाख रुपयों की ठगी करने का मामला सामने आया। शिकायतकर्त्ता के अनुसार पहले उसे दुबई ले जाया गया और वहां से अजरबैजान भेज दिया। 6 जनवरी को जम्मू में अनिल किशोर नामक एक पीड़ित ने एक ट्रैवल एजैंट मां-बेटे के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई कि आरोपियों ने उसे कम्बोडिया का वर्क वीजा दिलाने के नाम पर उससे 1.20 लाख रुपए लिए थे परंतु न तो वीजा दिलवाया और न ही रकम वापस की गई।

6 जनवरी को ही नवादा (बिहार) में एजाजुल हसन नामक युवक ने विदेश भेजने का झांसा देकर उससे 1 लाख 30 हजार रुपए ठगने के आरोप में ठग ट्रैवल एजैंट के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

6 जनवरी को ही फतेहपुर (उत्तर प्रदेश) में एक युवक को विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे 1.40 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में एक ठग ट्रैवल एजैंट को गिरफ्तार किया गया।

7 जनवरी को हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) के भोरंज में विदेश में नौकरी दिलवाने के नाम पर एक युवक से ठगी का मामला सामने आया। आरोप है कि बोगस ठग ट्रैवल एजैंट ने उक्त युवक को थाईलैंड में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर वहां भेजने की बजाय म्यांमार भेज दिया।

7 जनवरी को ही एक व्यक्ति ने चंडीगढ़ के सैक्टर 17 थाने में कनाडा का वर्क परमिट दिलाने का झांसा देकर उससे 18 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में एक ट्रैवल एजैंट के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई।

7 जनवरी को ही पंचकूला (हरियाणा) में एंटी इमीग्रेशन फ्राड यूनिट ने शिकायतकर्ता को स्टडी वीजा दिलाने का झांसा देकर उससे 13 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में एक बोगस ट्रैवल एजैंट को गिरफ्तार किया।

7 जनवरी को ही कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश) में एक व्यक्ति को विदेश भेजने के बहाने उससे 60,000 रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने एक ठग ट्रैवल एजेंट के विरुद्ध केस दर्ज किया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने उसे विदेश नहीं भेजा और अपने पैसे वापस मांगने पर गंभीर परिणामों की धमकियां देनी शुरू कर दीं।

7 जनवरी को ही प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में एक युवक को सऊदी अरब में नौकरी दिलवाने के बहाने एक ट्रैवल एजैंट द्वारा उससे 1.25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया। आरोपी ने न तो उसे वीजा दिलवाया और न ही नौकरी दिलवाई तथा बाद में उसका फोन उठाना भी बंद कर दिया।

7 जनवरी को ही गोपालगंज (बिहार) में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने छापेमारी करके विदेश में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर लोगों को ठगने वाले एक फर्जी ट्रैवल एजेंट मृत्युंजय सिंह को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 349 भारतीय पासपोर्ट बरामद किए।

ये तो सिर्फ चंद घटनाओं की बानगी है आजकल रोजाना सैकड़ों युवाओं से विदेश में पढ़ाई रोजगार के नाम पर ठगी का बड़ा धंधा चल रहा है

ऐसी घटनाओं के दृष्टिगत जरूरी है कि विदेश जाने के इच्छुक लोग पहले संबंधित कम्पनी, एजेंट और दस्तावेजों की पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें और केवल अधिकृत एवं पंजीकृत एजेंटों के माध्यमों से ही विदेश जाएं।

इमीग्रेशन नियमों में हो रही सख्ती और बिगड़ रही अर्थव्यवस्था के कारण वैसे भी विदेश में बसना मुश्किल हो गया है। कनाडा और अमरीका के अलावा यूरोप में भी इमीग्रेशन कानून सख्त हो रहे हैं।

अतः जितनी रकम माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने पर खर्च करते हैं, उतनी ही रकम भारत में खर्च करके वे अपने बच्चों को अच्छा कारोबार शुरू करवा दें ताकि वे अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी रोजगार व आय के साधन पैदा करके देश में बेरोजगारी दूर कर सकें।जरा सा असावधानी से न सिर्फ माँ बाप के खून पसीने की कमाई जालसाज हड़प लेंगे वरन विदेश पहुच कर साइबर स्लेवरी के शिकार भी बन सकते हैं वहा हजारों पढे लिखे नौजवान संडास की सफाई और जबरन युद्ध के मैदान मे भी उतार दिए गए हैं जिस कारण उनका सुरक्षित वापस लौटना भी भगवान भरोसे है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

माँ-बाप की नीयत, परवरिश और टूटते घर

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में माता-पिता को सर्वोच्च नैतिक स्थान प्राप्त है। उन्हें त्याग, तपस्या और निस्वार्थ प्रेम का प्रतीक माना जाता है। बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि माँ-बाप कभी गलत नहीं हो सकते। उनकी हर बात आदेश है, हर निर्णय अंतिम सत्य। लेकिन बदलते सामाजिक परिदृश्य में यह धारणा अब कई सवालों के घेरे में है। आज जब पारिवारिक विघटन, तलाक, अलगाव और घरेलू तनाव की घटनाएँ बढ़ रही हैं, तब यह जरूरी हो गया है कि हम ईमानदारी से यह स्वीकार करें-माँ-बाप भी हमेशा सही नहीं होते। आज अनेक परिवारों में टूटन का कारण केवल पति-पत्नी के बीच का मतभेद नहीं है, बल्कि उसके पीछे माता-पिता की भूमिका भी उतनी ही निर्णायक होती जा रही है। यह कहना कठोर लग सकता है, लेकिन सच्चाई यही है कि कई घरों में माता-पिता द्वारा किया गया पक्षपात, हस्तक्षेप और नियंत्रण रिश्तों को भीतर से खोखला कर रहा है।

सबसे पहले बात करते हैं भेदभाव की संस्कृति की। भारतीय परिवारों में यह कोई नई बात नहीं है कि बच्चों के बीच तुलना और पक्षपात होता रहा है। बड़ा बेटा 'वारिस' माना जाता है, छोटा 'समझौता' करता है, बेटी 'पराया धन' होती है और बहू 'बाहरी'। यही सोच जब व्यवहार में उतरती है, तो घर में स्थायी तनाव पैदा हो जाता है। माता-पिता अनजाने में या जानबूझकर एक बेटे के पक्ष में खड़े हो जाते हैं, दूसरे को उपेक्षित कर देते हैं। बहू को हर विवाद की जड़ मान लिया जाता है, जबकि बेटी के दोष पर पर्दा डाल दिया जाता है। यह असमानता रिश्तों को धीरे-धीरे तोड़ देती है। विवाह के बाद बहू का स्थान आज भी कई घरों में संदिग्ध बना रहता है। उससे उम्मीद की जाती है कि वह बिना सवाल किए हर परंपरा को स्वीकार करे, हर निर्णय माने और अपनी पहचान को त्याग दे। यदि वह अपने अधिकार, सम्मान या स्वतंत्रता की बात करती है, तो उसे 'घर तोड़ने वाली' करार दे दिया जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि कई बार घर पहले ही भीतर से टूट चुका होता है-सिर्फ दिखावा बचा होता है।

माता-पिता का अत्यधिक हस्तक्षेप भी आज पारिवारिक विघटन का बड़ा कारण बन रहा है। बेटे-बहू के निजी मामलों में दखल देना, छोटी-छोटी बातों को तूल देना, बहू की शिकायतों को नजरअंदाज करना और बेटे को भावनात्मक दबाव में रखना-ये सब स्थितियाँ विवाह को बोझ बना देती हैं। बेटा अक्सर दो पाटों के बीच फँस जाता है-एक ओर पत्नी, दूसरी ओर माता-पिता। और समाज उसे यही सिखाता है कि माता-पिता का साथ देना ही धर्म है, चाहे इसके लिए दांपत्य जीवन की बलि क्यों न देनी पड़े। यह भी देखने में आता है कि बेटी की शादी के बाद भी माता-पिता उसे अपने नियंत्रण में रखना चाहते हैं। बेटी को बार-बार मायके बुलाकर, उसके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप कर, दामाद के खिलाफ राय बनाकर, वे अनजाने में बेटी का घर कमजोर कर देते हैं। नतीजा यह होता है कि बेटी और दामाद के बीच अविश्वास पनपता है, और अंततः रिश्ता टूटने की कगार पर पहुँच जाता है।

एक और गंभीर पहलू है भावनात्मक ब्लैकमेल। 'हमने तुम्हारे लिए क्या-क्या नहीं किया', 'हमारे कारण तुम इस मुकाम पर हो', 'अगर हमारी बात नहीं मानी तो लोग क्या कहेंगे'-ऐसे वाक्य बच्चों को मानसिक रूप से जकड़ लेते हैं। वे अपनी खुशी, अपने रिश्ते और अपने सपनों की कीमत पर भी माता-पिता को खुश रखने की कोशिश करते हैं। लेकिन यह दबा हुआ असंतोष किसी न किसी दिन विस्फोट बनकर सामने आता है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब समाज भी इस मानसिकता को बढ़ावा देता है। हर विवाद में सबसे पहले सवाल बहू से किया जाता है- 'क्या किया तुमने?' बेटे को 'मजबूर' मान लिया जाता है और माता-पिता को 'पीड़ित'। इस सामूहिक पूर्वाग्रह के कारण सच्चाई कभी सामने नहीं आ पाती। जिन घरों में माता-पिता की भूमिका नकारात्मक होती है, वहाँ भी उन्हें प्रश्नों से ऊपर रखा जाता है।

यह कहना भी जरूरी है कि हर माता-पिता दोषी नहीं होते। असंख्य माता-पिता ऐसे हैं जो संतुलित, संवेदनशील और न्यायप्रिय होते हैं। वे बच्चों को स्वतंत्र निर्णय लेने देते हैं, बहू-दामाद को सम्मान देते हैं और संवाद को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन समस्या उन माता-पिता की है जो अपने अनुभव को अंतिम सत्य मान लेते हैं और बदलते समय को स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं। आज का युवा अलग सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में जी रहा है। उसके सामने करियर का दबाव है, आर्थिक असुरक्षा है, बदलते रिश्तों की चुनौतियाँ हैं। ऐसे में उसे सहयोग चाहिए, नियंत्रण नहीं। उसे समझ चाहिए, आदेश नहीं। माता-पिता यदि यह समझने में असफल रहते हैं, तो टकराव स्वाभाविक है। परिवार संस्था को बचाने के लिए सबसे जरूरी है आत्ममंथन। माता-पिता को यह स्वीकार करना होगा कि उम्र के साथ-साथ अधिकार नहीं, जिम्मेदारी बढ़ती है। मार्गदर्शन और हस्तक्षेप में अंतर होता है। बच्चों की शादी का अर्थ यह नहीं कि वे हमेशा माता-पिता की इच्छाओं के अनुसार ही जिएँ। उन्हें अपनी गलतियों से सीखने का अवसर देना भी परवरिश का हिस्सा है।

साथ ही, बच्चों को भी यह समझना होगा कि संवाद ही समाधान है। टकराव, कटुता और अलगाव स्थायी समाधान नहीं हैं। लेकिन संवाद तभी संभव है जब माता-पिता भी सुनने को तैयार हों-बिना जजमेंट, बिना अहंकार। आज जरूरत है कि हम 'माँ-बाप हमेशा सही होते हैं' जैसी भावनात्मक लेकिन अव्यावहारिक धारणाओं से बाहर आएँ। सम्मान और प्रश्न एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। माता-पिता का सम्मान करते हुए भी उनकी भूमिका की समीक्षा की जा सकती है। यही स्वस्थ समाज की पहचान है। घर टूटने का कारण कभी एक व्यक्ति नहीं होता। यह कई गलत फैसलों, दबे हुए दर्द और अनसुनी आवाजों का परिणाम होता है। यदि सच में हम परिवारों को टूटने से बचाना चाहते हैं, तो हमें साहस के साथ यह स्वीकार करना होगा कि कभी-कभी आईना माता-पिता को भी दिखाना पड़ता है। यही कड़वा सच आगे चलकर मीठे रिश्तों की नींव बन सकता है।

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे । जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर ह्रदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के ह्रदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने ह्रदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था ? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगातार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के ह्रदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही मुक्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

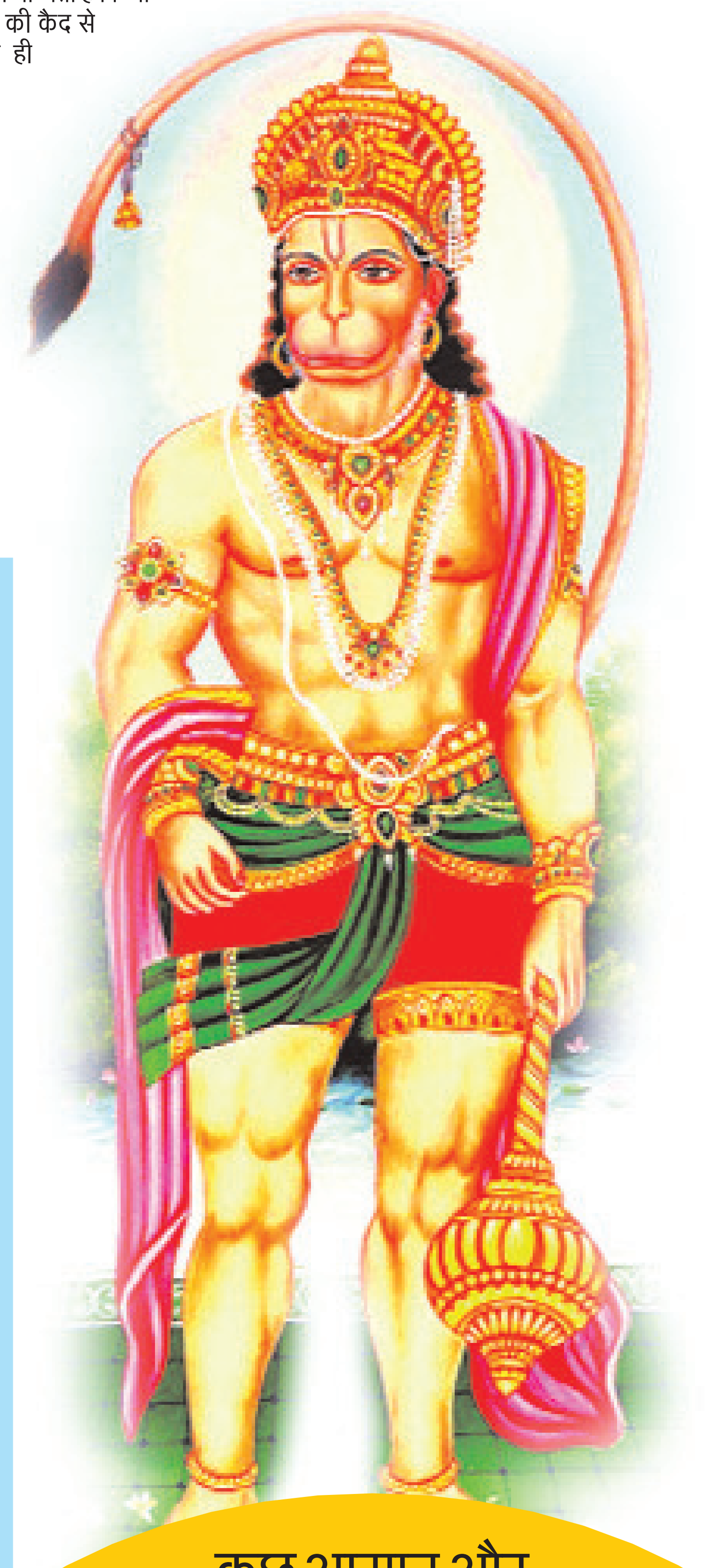

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां ?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब ? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

हेल्थ प्लस

कहीं सूख न जाए आंखों का पानी

आज की अति व्यस्त जीवनशैली और प्रदूषण युक्त वातावरण के कारण आंखों से संबंधित जो सबसे बडी समस्या सामने आई, वह है- आंखों की नमी का कम होना, जिससे आंखों का रूखापन बढता जा रहा है। इसके कारण आंखों की दृष्टि से संबंधित कई और समस्याएं भी जन्म लेती हैं।

दरअसल आंखों की सामान्य दृष्टि के लिए आंखों में नमी का होना जरूरी है। आंखों की बाहरी सतह को स्वस्थ रखने के लिए आंसुओं की पर्याप्त मात्रा, आंखों में नमी की परत और सामान्य रूप से पलकों का झपकना बहुत आवश्यक है।

जरूरी हैं आंसू भी

हर इंसान आंसुओं से दूर रहना चाहता है लेकिन आपको यह जानकर ताज्जुब होगा कि आंसू भी हमारी आंखों के लिए बहुत जरूरी हैं। आंसू हमेशा आंखों को नम रखते हैं जो आंसू ग्रंथि से बनते हैं। आंसुओं की आंखों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि इनसे आंखों की सतह नम रहती है। आंसू से ही पलकों के झपकने पर आंखों को आराम मिलता है और उनसे आंखों की पुतलियों का मूवमेंट होने के साथ ही गंदगी भी हटती रहती है। आंसू हमारी आंखों की पुतली को ऑक्सीजन और पोषक तत्व भी पहुंचाते हैं। आंसू में मौजूदएनजाइम आंखों के इनफेक्शन की रोकथाम करते हैं। आंखों से आंसू निकलना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। प्रतिदिन आंखों से आंसू निकलते रहते हैं और दोनों आंखों की पलकों के भीतरी कोने से फ्लश होकर नाक के भीतरी गड्ढे में जाते रहते हैं।

कभी-कभी आंखों में रूखापन आने लगता है, इसे एक्यूट टियर डिफिसिएंसी कहते हैं। इस समस्या में लैक्रीमल ग्लैंड से आंसुओं का रिसाव नहीं होता या उनके सूखने की दर अत्यधिक बढ जाती है। इसे एवोपरेटिव टियर डिफिशिएंसी कहा जाता है। इससे आंसुओं की परत बहुत जल्दी सूखने लगती है। आंखों में मिचमिची, किरकिरी, जलन और चुंधियाहट जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इससे आंखों की ऊपरी पलकों में इनफेक्शन भी हो जाता है।

क्या है वजह

आमतौर पर आंखों के रूखेपन के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं:

- लंबे समय तक एयरकंडीशंड कमरे में रहना
- कंप्यूटर पर लगातार काम करना
- लगातार कोई भी बारीक काम जैसे-बुनाई, कढाई आदि करना
- अकसर लंबी दूरी की यात्रा करना
- पर्याप्त नींद न लेना
- कैफीन का अत्यधिक सेवन
- गर्भनिरोधक गोलियों का इस्तेमाल
- बदलते मौसम की एलर्जी
- आंखों की लेजर सर्जरी
- अकॉन्टेक्ट लेंस पहनना
- उच्च रक्तचाप, एलर्जी, हॉर्मोन रिप्लेसमेंट और ग्लूकोमा आदि समस्याओं से जुडी और डिप्रेशन दूर करने वाली दवाएं भी आंखों की नमी को प्रभावित करती हैं।

ऐसे करें बचाव

- कंप्यूटर पर काम करते समय या पढाई करते हुए बीच-बीच में थोडी देर के लिए पलकें झपकाना न भूलें
- अगर आप कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करती हैं तो उसे नियमित रूप से अच्छी तरह साफ करें। बेहतर यही होगा कि आप डिस्पोजेबल कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करें
- ज्यादा पानी पिएं
- अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करें, जिनमें एंटी ऑक्सीडेंट तत्व अधिक हों। इसके लिए संतरा, नीबू, टमाटर आदि सेवन करें। आमेगा-3 फैट्स भी आपकी आंखों को इस समस्या से बचाते हैं, जो कि अखरोट, बादाम और फ्लैक्ससीड में पाया जाता है
- धूप में बाहर निकलते समय हमेशा अच्छी क्वालिटी का सनग्लास पहनें
- कैफीन का सेवन कम करें
- धूम्रपान न करें
- तैलीय चीजें कम खाएं

अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपकी आंखें हमेशा स्वस्थ रहेंगी।

संगीत दे दिल को मजबूती

इसमें संदेह नहीं कि मनपसंद संगीत सुनने से दिल को खुशी मिलती है व दिमाग को चैन। हालिया शोध के अध्ययन बताते हैं कि अच्छे संगीत से दिल भी मजबूत होता है। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने बताया कि अच्छे संगीत को सुनने से हमारी रक्त वाहिनियां फैल जाती हैं। शोधकर्ताओं ने देखा कि मनपसंद संगीत सुनने वालों की रक्त वाहिनियां 26 प्रतिशत तक फैल गई।

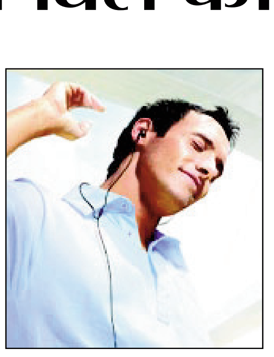

जबकि नापसंद संगीत सुनने वालों की रक्त वाहिनियां 6 प्रतिशत सिकुड गई। रक्त वाहिनियां फैलने से रक्त संचार ठीक होता है। लिहाजा हार्ट अटैक और स्ट्रोक की आशंका कम हो जाती है। रक्त वाहिनियों में लचीलापन भी बना रहता है। इससे एथ्रोस्कलेरोसिस होने का डर भी कम होता है। एक्सपर्ट का कहना है कि इसका यह मतलब नहीं कि लोग दवा बंद कर संगीत पर आश्रित हो जाएं।

एनीमिया दूर करे चुकंदर

आपने अपनी दादी-नानी के मुंह से यह कहते जरूर सुना होगा कि चुकंदर-गाजर खाओगे तो लाल हो जाओगे। दरअसल, चुकंदर में पर्याप्त मात्रा में आयरन, विटमिन और मिनरल्स होते हैं, जो खून को बढाने और उसे साफ करने का काम भी करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीटेंड तत्व शरीर को रोगों से लडने की क्षमता प्रदान करते हैं। यह नैचरल शुगर का स्त्रोत होता है। इसमें सोडियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, क्लोरीन, आयोडीन, आयरन और अन्य महत्वपूर्ण विटमिन पाए जाते हैं।

चुकंदर में गुर्दे (किडनी) और पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) को साफ करने के प्राकृतिक गुण हैं। इसमें मौजूद पोटैशियम शरीर को प्रतिदिन पोषण प्रदान करने में मदद करता है तो वहीं क्लोरीन लिवर और किडनी को साफ करने में मदद करता है। प्राचीन समय में यूरोप में कैंसर के इलाज के लिए चुकंदर का उपयोग किया जाता था। चुकंदर के अन्य गुणों के बारे में जानकारी दे रही हैं डाइटीशियन सरिता डिमरी।

- यह पाचन संबंधी समस्याओं जैसे उल्टी, दस्त, चक्कर और पीलिया में सकारात्मक रूप से मदद करता है।
- चुकंदर-गाजर का जूस पीने से एनीमिया दूर हो जाता है। इसमें आयरन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो खून की कमी को पूरा करने में मदद करता है।
- चुकंदर का जूस हाइपरटेंशन और हृदय संबंधी समस्याओं से दूर रखता है। खासतौर पर स्त्रियों के लिए यह बहुत लाभकारी होता है। पीरियड्स से संबंधित कई समस्याओं में इसका सेवन लाभप्रद होता है।
- इसे कई तरह से खाया जा सकता है। कच्चा सैलेड के रूप में, उबालकर, जूस बनाकर या सब्जी बनाकर।
- चुकंदर में बेटेन नामक तत्व पाया जाता है। दरअसल, आंत और पेट को साफ करने के लिए शरीर को बेटेन की जरूरत होती है और चुकंदर में मौजूद यह तत्व उसकी आपूर्ति करता है।
- शोध से पता चलता है कि यह कैंसर में लाभदायक होता है।
- चुकंदर और उसके पत्ते फोलेट का अच्छा स्त्रोत होते हैं, जो उच्च रक्त चाप और अल्जाइमर की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं।
- जोडों का दर्द होने पर नियमित रूप से चुकंदर खाने या उसका रस पीने से काफी हद तक लाभ होता है।

बच्चों में बढता डायबिटीज

आजकल महानगरों की जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के कारण बच्चों को भी कई ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड रहा है, जो अब तक सिर्फ बडों में ही देखने को मिलती थीं। जुवेनाइल डायबिटीज भी एक ऐसी ही समस्या है, जो बच्चों की सेहत को प्रभावित करती है।

क्या है डायबिटीज

शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है, जो हमें शुगर से मिलती है। बल्कि यूं कहा जा सकता है कि शुगर शरीर के लिए ईंधन का काम करता है। जिस तरह गाडी को चलाने के लिए पेट्राल की जरूरत होती है उसी तरह शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए शुगर की जरूरत होती है। पेट में मौजूद पैंक्रियाज नामक ग्लैंड भोजन को पचाने का काम करता है। इससे इंसुलिन नामक हार्मोन का स्त्राव होता है और यह हार्मोन शुगर को ग्लूकोज में बदल कर उसे कोशिकाओं तक पहुंचाने का काम करता है। जिससे शरीर को काम करने की ऊर्जा मिलती है। लेकिन कभी-कभी जब इंसुलिन बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है या यह बन तो रहा होता है लेकिन कोशिकाओं तक ग्लूकोज पहुंचाने का काम नहीं कर पाता, तब रक्त में शर्करा की मात्रा बढने से डायबिटीज की समस्या हो जाती है।

डायबिटीज के प्रकार

- पहले तरह की डायबिटीज को ए टाइप या इंसुलिन पर आधारित डायबिटीज कहा जाता है। ज्यादातर बच्चों में इसी डायबिटीज के लक्षण देखने को मिलते हैं। यह डायबिटीज बच्चों के शरीर में मेटाबॉलिज्म संबंधी गडबडियों और शरीर में इंसुलिन न बनने के कारण होता है। लेकिन कभी-कभी जब शरीर में इंसुलिन बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है या इंसुलिन का बनना बंद हो जाता है। कुछ खास परिस्थितियों में शरीर में इंसुलिन तो बनता है लेकिन वह सही ढंग से अपना काम नहीं कर पाता। इससे बच्चे को डाइबिटीज की समस्या हो जाती है।
- दूसरे प्रकार की डायबिटीज ज्यादातर वयस्कों में पाई जाती है। इसमें शरीर में इंसुलिन बनता तो है लेकिन यह कोशिकाओं तक पहुंच कर शुगर को ग्लूकोज में बदलने का काम नहीं कर पाता।

क्या हैं लक्षण

- ज्यादा प्यास लगना
- बार-बार टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी आना
- हमेशा कमजोरी और थकान महसूस होना
- वजन घटना
- आंखों की दृष्टि का धुंधला होना
- पैरों के तलवे में दर्द

उपचार

- अगर किसी बच्चे में ऐसे लक्षण दिखाई दें या गर्भावस्था के दौरान मां को डायबिटीज की समस्या रही हो तो बिना देर किए बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह जरूर लेनी चाहिए। साथ ही ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट, फॉस्टिंग ब्लड शुगर और ग्लायको हीमोग्लोबिन टेस्ट जरूर करवाना चाहिए।
- अगर जांच की रिपोर्ट पॉजिटिव आए तो इसके बाद बच्चे को नियमित रूप से दवाएं देनी चाहिए और समय-समय पर डॉक्टर से सलाह भी लेनी चाहिए।
- इसके अलावा बच्चे को कोल्ड ड्रिंक, वेफर्स, जंक फूड, चॉकलेट, मिठाइयों, चावल और आलू से बनी शुगर की अधिक मात्रा वाली चीजों के सेवन से बचाना चाहिए।
- बच्चे को संतुलित और पौष्टिक आहार दें और उसे ज्यादा देर तक खाली पेट न रहने दें।
- उसे प्रतिदिन खेलने-कूदने और एक्सरसाइज करने के लिए प्रेरित करें।

अगर इन बातों का ध्यान रखा जाए तो डायबिटीज से पीडित बच्चे भी सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

मसाला ही नहीं, औषधि भी है

तेजपत्ता (तेजपत्र) ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है। आमतौर पर इसका प्रयोग सब्जी में मसाले के रूप में किया जाता है परन्तु यह एक अत्यन्त गुणकारी औषधि भी है। आइए, इसके औषधीय गुणों को जाने:

- इसके प्रयोग से गठिया रोग में आराम मिलता है।
- यह उदरशूल एवं अपच संबंधी पेट के रोगों में भी लाभ पहुंचता है। इसके सेवन से भूख खुल कर लगती है।
- इसके सेवन से मूत्रविकार संबंधी तकलीफ में फायदा होता है।
- सर्दी या गर्मी किसी भी कारण से सिरदर्द हो तो तेजपत्ता डंठल सहित पीस कर हलका गर्म करके मस्तक पर लेप करें।
- मुंह, नाक, मल-मूत्र या किसी भी रास्ते से रक्त निकलने पर पानी के एक गिलास में एक चम्मच पिसा हुआ तेजपत्ता चूर्ण मिला कर सेवन करने से रक्तस्त्राव बंद हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1959

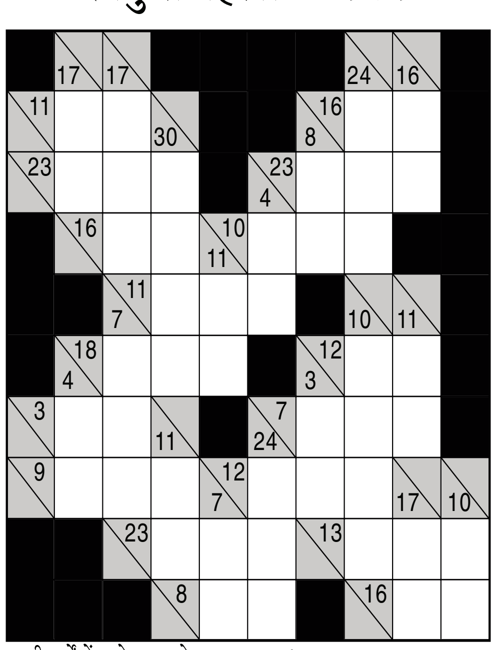

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ी हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणत:

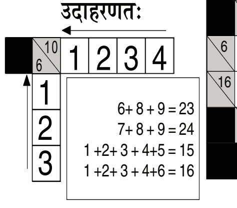

काकुरो - 1958 का हल

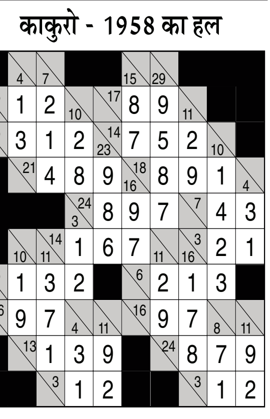

लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

फिल्म वर्ग पहेली - 1959

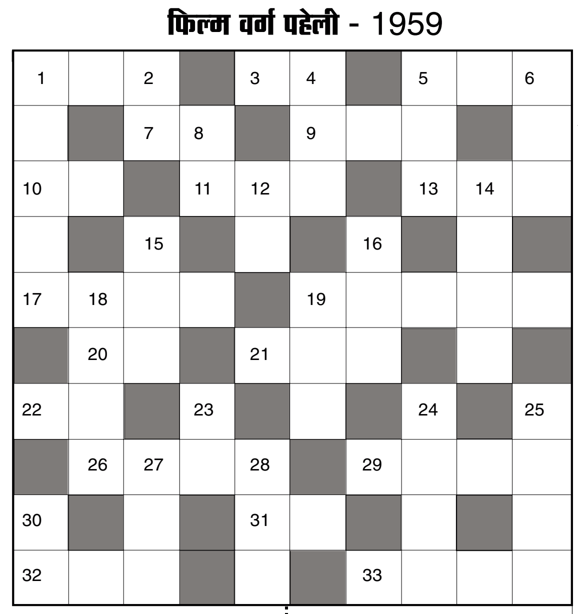

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1958

सूडोकु -1959

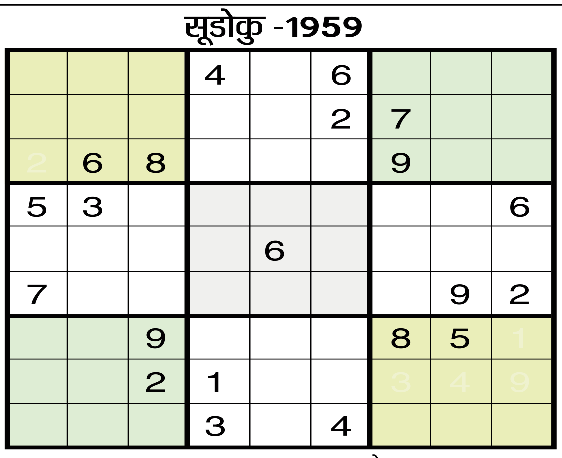

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -1958 का हल

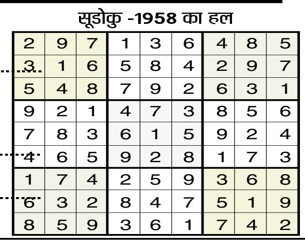

शब्द पहेली - 1959

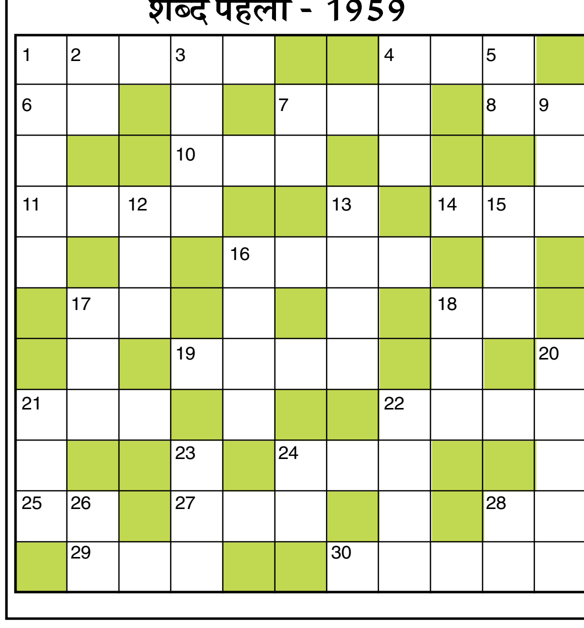

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली - 1958 का हल

बैंक ऋण जालसाजी मामला : कोलकाता में सीबीआई की पांच जगहों पर छापेमारी

एजेंसरी

कोलकाता। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक ऋण से जुड़े करोड़ों के जालसाजी मामले में कोलकाता और उसके आसपास एक साथ पांच स्थानों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। इस कार्रवाई में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान भी सीबीआई के साथ मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, जिन इलाकों में छापेमारी की गई उनमें दक्षिण कोलकाता का पॉश इलाका अलीपुर और कोलकाता के उत्तरी बाहरी क्षेत्र न्यू टाउन शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई कोलकाता में सक्रिय कुछ प्रभावशाली कारोबारियों के आवासों पर की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि कई जगहों से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनमें ऋण का डाटा मौजूद है। इन्हें जब्त किया गया है और आगे जांच की जाएगी। जांच एजेंसी को शिकायत मिली है कि संबंधित लोगों ने बैंक से ऋण प्राप्त करने के लिए जरूरी दस्तावेजों में जालसाजी कर करोड़ों रुपये का लोन हासिल किया। यह छापेमारी बैंक अधिकारियों की ओर से दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, अलीपुर में एक प्रभावशाली महिला उद्यमी के आवास पर भी तलाशी ली जा रही है। इस दौरान सामान्य से अधिक संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

पोरबंदर के पास आईसीजी ने पाकिस्तानी नाव जब्त की, चालक दल के 9 सदस्य हिरासत में

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने गुजरात के पोरबंदर के पास एक पाकिस्तानी नाव को जब्त करके चालक दल के नौ सदस्यों को हिरासत में लिया है। पाकिस्तानी नाव और हिरासत में लिए गए चालक दल के सदस्यों को पोरबंदर लाया जा रहा है, जहां संबंधित एजेंसियां उनसे गहन संयुक्त पूछताछ करेंगी। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि 14 जनवरी की रात में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा पर पोरबंदर के पास एक तेज और सटीक रात के ऑपरेशन में अरब सागर में पेट्रोलिंग कर रहे भारत के जहाज ने भारतीय क्षेत्र में एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव देखी। चुनौती मिलने पर नाव ने पाकिस्तान की तरफ भागने की कोशिश की, लेकिन आईसीजी के जहाज ने उसे रोक लिया। भारतीय नाविक पाकिस्तानी नाव पर चढ़ गए। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी नाव अल-मदीना में चालक दल के नौ सदस्य मिले। नाव को आईसीजी जहाज से पोरबंदर ले जाया जा रहा है, ताकि संबंधित एजेंसियां उसकी अच्छी तरह से तलाशी लेने के बाद हिरासत में लिए गए चालक दल के सदस्यों से संयुक्त पूछताछ कर सकें।

ईरान के हवाई क्षेत्र बंद किए जाने से एयर इंडिया और इंडिगो की कुछ उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। ईरान-अमेरिका में जंग की आहट के बीच ईरान के हवाई क्षेत्र के बंद होने का असर भारतीय विमानन कंपनियों पर साफ दिखाई देने लगा है। एयर इंडिया और इंडिगो एयरलाइन ने अपनी कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी, जबकि कई अन्य सेवाओं में देरी हुई है।आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि ईरान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण अमेरिका और यूरोप जानेवाली एयर इंडिया की उड़ानें तथा सीआईएस देशों, यूरोप और तुर्किये के लिए इंडिगो की सेवाएं प्रभावित हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि टाटा समूह की एयर इंडिया ने अमेरिका के लिए कम से कम तीन अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं, जबकि यूरोप के लिए उसकी कुछ सेवाओं के संचालन में देरी होगी। एयर इंडिया ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक एडवाइजरी में कहा कि ईरान में बन रहे हालात, उसके एयरस्पेस के बंद होने और हमारे यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए इस इलाके के ऊपर से जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट्स अब दूसरे रास्ते का इस्तेमाल कर रही हैं, जिससे देरी हो सकती है। एयर इंडिया की कुछ फ्लाइट्स, जिनके लिए अभी रूट बदलना मुमकिन नहीं है, उन्हें कैंसिल किया जा रहा है ।

विचारों की शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक ताकतः होसबाले

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि 'मंत्र-विप्लव' जैसी विचारोत्तेजक पुस्तकों की रचना समाज और राष्ट्र के लिए शुभ संकेत है। ऐसी पुस्तकें हमें यह स्मरण कराती हैं कि विचारों की शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक ताकत है और यदि विचार शुद्ध और सशक्त हों तो समाज एवं राष्ट्र दोनों सुरक्षित रहते हैं होसबाले ने भारत मंडपम में चल रहे विश्व पुस्तक मेले में 'मंत्र-विप्लव' पुस्तक का लोकार्पण किया। वरिष्ठ पत्रकार एवं पांचजन्य के पूर्व संपादक तरुण विजय द्वारा लिखी गई इस पुस्तक को प्रभात प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। लोकार्पण समारोह में पुस्तक के लेखक तरुण विजय, भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी तथा प्रभात प्रकाशन के चेयरमैन प्रभात कुमार समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। सरकार्यवाह होसबाले ने कहा कि विचारों का भ्रष्ट होना राष्ट्र के लिए घातक होता है। उन्होंने महात्मा विदुर के कथन का उल्लेख करते हुए कहा, 'विष की एक बूंद जिसे दी जाए, उससे केवल वही एक व्यक्ति मरता है। विषैला तीर जिस व्यक्ति पर आघात करे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा से मिले मुख्यमंत्री डॉ यादव, मध्य प्रदेश आने का दिया आमंत्रण

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाम नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से उनके कार्यालय में मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री नड्डा को पुष्प-गुच्छ और शॉल ओढ़ाकर, भगवान वेंकटेश्वर तिरुपति महाराज की प्रतिकृति भेंट की। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के कारीगरों द्वारा उन्नत हस्तशिल्प से प्रतिकृति को तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा को मध्य प्रदेश आने का आमंत्रण दिया है। इसके साथ ही उनसे अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केंद्रीय मंत्री नड्डा 23 जनवरी को मध्य प्रदेश आएंगे और 24

जनवरी को कटनी में मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के पास रसायन और उर्वरक मंत्रालय भी है। उन्होंने मध्य प्रदेश के किसानों की समृद्धि के लिए प्रदेश में यूरिया सहित सभी प्रकार की खादों की उपलब्धता बनाए रखने में सहयोग दिया है। इसके लिए उनको धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष उन्होंने निरंतर सहयोग किया जिसके फलस्वरुप किसानों को खाद पहुंचाने का प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से लगातार नए-नए मेडिकल कॉलेज खोलते हुए तेजी से आगे बढ़ रही है। इस कार्य में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने में मध्यप्रदेश देश में नम्बर वन राज्य है। शासकीय अस्पतालों को जोड़कर प्राईवेट कॉलेज को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा हे। ऐसे में हमारे दो मेडिकल कॉलेज के भूमिपूजन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा से भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया गया। इन मेडिकल कॉलेज के भूमिपूजन से राज्य में 41 जिलों में मेडिकल कॉलेजों की सुविधा मिलेगी।

इंदौर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, एक करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश पुलिस अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कार्रवाई के तहत इंदौर क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक करोड़ रुपये कीमत की एमडी ड्रग्स के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपितों से एक मोटरसाइकिल एवं तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, क्राइम ब्रांच टीम द्वारा इंदौर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश एवं मुखबिर सूचना संकलन किया जा रहा था। इसी दौरान सिद्धेश्वर जलधार नाथ महादेव मंदिर के पास, एम.आर.-4 रोड पर सड़क किनारे एक मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति पुलिस वाहन को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर तीनों को मौके पर ही पकड़ लिया।व्यक्तियों की विधिवत तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 513.48 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स बरामद हुई। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके साथ ही एक दोपहिया वाहन एवं 03 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। क्रांम ब्रांच के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अवैध लाभ कमाने की नीयत से सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचते थे। आरोपितों के विरूद्ध थाना अपराध शाखा में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। साथ ही आरोपितों के मोबाइल डेटा, कॉल डिटेल, वित्तीय लेनदेन और संपर्क सूत्रों का विश्लेषण किया जा रहा है।

चार महानगरों में मौसम की सटीक जानकारी के लिए लगेंगी 200 नई ऑटोमैटिक वेदर स्टेशनः डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत सरकार शहरों में मौसम की सटीक और ताज़ा जानकारी देने के लिए बड़ा कदम उठा रही है। साल 2026 में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और पुणे में 50-50 ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन लगाए जाएंगे। इस तरह कुल 200 नए वेदर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इससे शहरों में बहुत छोटे इलाके तक का मौसम पूर्वानुमान (हाइपर-लोकल फोरकास्ट) मिल सकेगा। अचानक तेज़ बारिश, तूफान, गर्मी की लहर और दबाव में बदलाव जैसी घटनाओं की जानकारी समय पर मिल पाएगी, जिससे जान-माल की सुरक्षा में मदद मिलेगी। यह घोषणा भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के 151वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में की गई। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि मौसम विभाग ने पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। आज मौसम पूर्वानुमान पहले से 40-50 प्रतिशत अधिक सटीक हो गया है। वहीं, चक्रवातों के रास्ते की

भविष्यवाणी भी काफी बेहतर हुई है। मंत्री ने बताया कि नए वेदर स्टेशन से मिलने वाला डेटा खेती, विमानन सेवा, शहरी योजना और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में बहुत उपयोगी होगा। सरकार का उद्देश्य है कि डेटा के आधार पर शहरों के लिए अलग-अलग मौसम जानकारी तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'मिशन मौसम' योजना सरकार की मौसम विज्ञान और जलवायु सेवाओं को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दिखाती है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह भी बताया कि भारत अब पड़ोसी देशों जैसे बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और श्रीलंका को भी मौसम और आपदा से जुड़ी जानकारी उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा, मौसम विभाग देशभर में नए क्षेत्रीय मौसम केंद्र और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा है।

हिमाचल में विक्रमादित्य सिंह की पोस्ट से आईएएस-आईपीएस एसोसिएशन नाराज

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की एक सोशल मीडिया पोस्ट से राज्य की अफसरशाही में भारी रोष फैल गया है। मंत्री ने यूपी और बिहार से आए कुछ आईएएस तथा आईपीएस अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे 'हिमाचलियत की धज्जियां उड़ा रहे हैं' तथा हिमाचल के हितों से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। इस टिप्पणी को अधिकारियों ने अपनी निष्ठा, निष्पक्षता तथा संवैधानिक भूमिका पर सीधा हमला माना है। इसके जवाब में बुधवार शाम इंडियन पुलिस सर्विसेज एसोसिएशन (हिमाचल प्रदेश) तथा हिमाचल प्रदेश आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने अलग-अलग सार्वजनिक बयान जारी कर मंत्री के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज किया है। इंडियन पुलिस सर्विसेज़ एसोसिएशन (हिमाचल प्रदेश) ने हुई बैठक के बाद औपचारिक प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि मंत्री विक्रमादित्य सिंह का बयान हिमाचल में तैनात हिमाचली और गैर-हिमाचली अधिकारियों के बीच 'कृत्रिम और अवांछित विभाजन' पैदा करने वाला है। एसोसिएशन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अखिल भारतीय सेवाएं संविधान द्वारा स्थापित संस्थाएं हैं, जिनका मूल उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करना और देशभर में निष्पक्ष, पेशेवर और एकीकृत प्रशासन उपलब्ध कराना है। ऐसे में किसी अधिकारी की नीयत, प्रतिबद्धता या वैधता पर केवल उसके मूल राज्य के आधार पर सवाल उठाना न सिर्फ़ तथ्यात्मक रूप से ग़लत है बल्कि अत्यंत हतोत्साहित करने वाला भी है।

आईपीएस एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि इस तरह के बयान पुलिस सेवा के मनोबल को नुकसान पहुंचा सकते हैं, पुलिस तंत्र के भीतर अविश्वास पैदा कर सकते हैं और संस्थागत एकजुटता को कमजोर कर सकते हैं। एसोसिएशन का कहना है कि इसका सीधा असर सार्वजनिक प्रशासन और सेवा वितरण पर पड़ सकता है। इसी पृष्ठभूमि में एसोसिएशन ने सरकार से आग्रह किया है कि इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया जाए, भविष्य में ऐसे बयान दोहराए न जाएं और सिविल सेवाओं की गरिमा, एकता और तटस्थता को बनाए रखा जाए। प्रस्ताव में यह मांग भी शामिल है कि मंत्री विक्रमादित्य सिंह के साथ किसी भी आईपीएस अधिकारी की तैनाती न की जाए। इसी विवाद पर हिमाचल प्रदेश आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने भी आज शाम एक विस्तृत सार्वजनिक बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि हाल के दिनों में एक सेवारत कैबिनेट मंत्री द्वारा दिए गए बयान, जिनमें अन्य राज्यों विशेष रूप से यूपी और बिहार से आए अधिकारियों पर राज्य हित में काम न करने के आरोप लगाए गए, गहरी चिंता का विषय हैं। एसोसिएशन ने यह माना कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशासन की जवाबदेही तय करने और आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन अधिकारियों को उनके मूल राज्य के आधार पर चिन्हित करना अनुचित है।

अब बंद कमरों तक सीमित नहीं रहेगा इतिहास : शेखावत

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत का इतिहास अब बंद कमरों और अभिलेखागारों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से आम लोगों और शोधकर्ताओं तक पहुंचेगा। वे कोलकाता प्रवास के दौरान एशियाटिक सोसाइटी के 243वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। शेखावत ने एशियाटिक सोसाइटी को भारत की सभ्यतागत स्मृति और बौद्धिक धरोहर का महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 'विरासत भी, विकास भी' पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृति मंत्रालय के ज्ञान भारतम् मिशन के तहत देश की एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को संरक्षित और डिजिटल करने का कार्य तेज गति से चल रहा है। उन्होंने बताया कि 15 जनवरी 1784 को सर विलियम जोन्स द्वारा स्थापित एशियाटिक सोसाइटी आधुनिक इंडोलॉजी, भाषा विज्ञान और वैज्ञानिक अध्ययन की आधारशिला रही है। यहां

संरक्षित लगभग 27 हजार संस्कृत पांडुलिपियां और दुर्लभ ग्रंथ भारत के गौरवशाली अतीत के जीवंत साक्ष्य हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ज्ञान भारतम् मिशन का उद्देश्य पांडुलिपियों का वैज्ञानिक सूचीकरण और डिजिटलीकरण है। अब तक 52 लाख पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण पूरा हो चुका है। पांडुलिपियों के प्रतिलेखन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है ताकि उनकी प्रामाणिकता बनी रहे। वर्तमान में लगभग 76 हजार पांडुलिपियां namami.gov.in पोर्टल पर निःशुल्क उपलब्ध हैं। शेखावत ने बताया कि नेशनल आर्काइव्स के 4.5 करोड़ पृष्ठों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है, जो अभिलेख पटल पोर्टल पर उपलब्ध हैं। वहीं, सी-डेक के सहयोग से विकसित 'जतन' सॉफ्टवेयर के माध्यम से इंडियन म्यूजियम और विक्टोरिया मेमोरियल सहित देश के 10 प्रमुख संग्रहालयों के संग्रह को ऑनलाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि नेशनल मिशन ऑन कल्चरल मैपिंग के तहत अब तक 4.5 लाख गांवों की सांस्कृतिक प्रोफाइल तैयार की जा चुकी है, जिससे लोक संगीत, शिल्प और स्थानीय परंपराओं को संरक्षित किया जा रहा है।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 26 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह परिसर बंगाल की समृद्ध कला परंपरा को वैश्विक मंच से जोड़ेगा। तृतीय प्रिंट बिएनाले इंडिया में 34 देशों के कलाकारों की भागीदारी भारत की बढ़ती सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर को दर्शाती है। मेटकाफ हॉल कार्यक्रम में शखावत ने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा निरंतर किया जा रहा है और मेटकाफ हॉल को ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत एक क्षेत्रीय ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

आईपीएस अधिकारी आनंद स्वरूप गृह मंत्रालय में विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) नियुक्त

एजेंसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आनंद स्वरूप की गृह मंत्रालय में विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) के पद पर नियुक्ति की है। इस संबंध में गृह मंत्रालय ने आदेश जारी किए। आदेश के अनुसार उत्तर प्रदेश कैडर के 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी आनंद स्वरूप, जो वर्तमान में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में महानिदेशक (जांच) के पद पर कार्यरत हैं, को गृह मंत्रालय में विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी और 31 अगस्त 2029 तक अथवा उनके सेवानिवृत्त होने की तिथि या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, लागू रहेगी। सरकारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित अधिकारी को तत्काल कार्यमुक्त किया जा सकता है, ताकि वे अपने नए दायित्व का कार्यभार संभाल सकें।

यह नियुक्ति आंतरिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों में उनके लंबे प्रशासनिक और पुलिस अनुभव को देखते हुए की गई है। इसके साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) में महानिदेशक (जांच) के पद पर भी नई नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में जारी एक अन्य कार्यालय आदेश के तहत बिहार कैडर की 1994 बैच की आईपीएस अधिकारी अनुपमा निलकर चंद्रा, जो वर्तमान में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में विशेष महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं, को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में महानिदेशक (जांच) नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति आनंद स्वरूप के स्थान पर की गई है और यह पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होकर 31 मार्च 2031 तक अथवा उनके सेवानिवृत्त होने या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो।

प्रधानमंत्री से मिले मप्र के मुख्यमंत्री, सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन के क्षमता विस्तार के भूमिपूजन के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा के सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन के विस्तार की परियोजना के भूमि-पूजन के लिये अनुरोध किया। प्रधानमंत्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट के आयोजन, प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाये जाने, नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड-साँची सहकारिता अनुबंध की प्रगति रिपोर्ट के साथ प्रदेश में एनटी नक्सल अभियान की प्रगति से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में एनटीपीसी लिमिटेड का सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन स्थित है। ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1600 मेगावॉट (स्टेज II, 2×800 MW) क्षमता के विस्तार की अनुमति प्रदान की गई है। इसकी कुल लागत 20 हजार 446 करोड़ रुपये है। परियोजना को वर्ष 2029-30 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। यह परियोजना अत्याधुनिक अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल टेक्नोलॉजी पर आधारित है

और इसमें एयर कूल्ड कंडेंसर टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया गया है, जो पारंपरिक वॉटर कूल्ड कंडेंसर (कूलिंग टॉवरों के साथ) की तुलना में पानी की खपत को 1/3 कम करता है। प्रधानमंत्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष-2026 में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लक्ष्य को साकार करने के लिए 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 को मध्य प्रदेश में 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि कृषक कल्याण वर्ष-2026 के आयोजन के लिये जनवरी, 2026 से नवम्बर 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का विस्तृत कैलेंडर तैयार किया गया है। सभी गतिविधियां 3 साल का लक्ष्य निर्धारित कर संचालित की जाएंगी। इसमें 16 से अधिक विभागों की सहभागिता रहेगी।

अवनीयापुरम जल्लीकट्टू प्रतियोगिता में 22 सांडों को काबू कर बालमुरुगन ने जीती कार

मदुरै। पोंगल पर्व के अवसर पर मदुरै के अवनीयापुरम में आयोजित जल्लीकट्टू प्रतियोगिता में वलैयंगुलम के निवासी बालमुरुगन ने पहले पुरस्कार में निसान कार जीती है। पुरस्कार विजेताओं को राज्य के मंत्री मूर्ति ने पुरस्कार वितरित किये। पालामेडु में होने वाली जल्लीकट्टू प्रतियोगिता का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन करेंगे। इसके बाद शनिवार को अलंगानल्लूर जल्लीकट्टू प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन करेंगे। पोंगल के दिन अवनीयापुरम में जल्लीकट्टू प्रतियोगिता तिरुप्परंकुंद्रम रोड स्थित भद्रकाली अम्मन मंदिर के पास मैदान पर आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में मदुरै के अलावा विरुधुनगर, शिवगंगई, रामनाथपुरम, थेनी, डिंडीगुल, त्रिची सहित कई जिलों से कुल 986 सांड लाए गए। चिकित्सा जांच के बाद 47 सांड अयोग्य घोषित किए गए और 939 सांड प्रतियोगिता में शामिल किया। इसी तरह जल्लीकट्टू में भाग लेने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से 578 खिलाड़ी पहुंचे थे।

काम के दबाव से तंत्रिका तंत्र प्रभावित होता हैः उपराष्ट्रपति

एजेंसी

कोयंबटूर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि कामकाज से उत्पन्न होने वाला मानसिक तनाव तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है, ऐसा डॉक्टरों ने बताया है। कोयंबटूर के सित्रा क्षेत्र में स्थित एक निजी अस्पताल परिसर में न्यूरोलॉजी उपचार और ओपीडी सेवाओं के लिए नए भवन के उद्घाटन तथा स्नातकोत्तर विभाग के शुभारंभ समारोह को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने संबोधित किया। नए भवन का उद्घाटन करने के बाद उपराष्ट्रपति ने अस्पताल की अत्याधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने कहा, 'थाई जन्मे तो रास्ता खुले' कहावत के अनुरूप, इस थाई त्योहार के दिन चिकित्सा जगत में एक नई क्रांति के रूप में इस अस्पताल में न्यूरोलॉजी उपचार के लिए नया भवन उद्घाटित किया गया है। उन्होंने कहा कि नल्ला पलानीसामी एक साधारण गांव में जन्म लेकर अमेरिका में चिकित्सा शिक्षा पूरी करने के बाद 200 बिस्तरों के साथ इस अस्पताल की शुरुआत की थी। आज इस अस्पताल में दो हजार से अधिक बिस्तर हैं। अमेरिका सहित विश्व के विभिन्न देशों में चिकित्सा क्षेत्र में प्रस्तुत की जाने वाली आधुनिक तकनीकों को यह अस्पताल अपनाता है। इसके अलावा, मानव मस्तिष्क में वसा जमाव की जांच और उपचार के लिए

50 करोड़ रुपये की लागत से पीईटी स्कैन मशीन अस्पताल में स्थापित की जाएगी। 'उन्होंने आगे कहा, 'विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी किसी न किसी न्यूरोलॉजिकल समस्या से प्रभावित है। इसलिए न्यूरोलॉजी उपचार में विश्व स्तरीय जांच और उपचार पद्धतियों की आवश्यकता है। भविष्य में न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से ग्रस्त मरीजों की संख्या बढ़ने की संभावना है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि कामकाज से उत्पन्न मानसिक तनाव तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। '

उन्होंने कहा कि लोगों को स्वस्थ जीवन प्रदान करने के लिए निजी और सरकारी अस्पतालों का प्रभावी रूप से कार्य करना आवश्यक है। गरीबों के कल्याण के प्रति संवेदनशील प्रधानमंत्री मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2014 से पहले जहां स्वास्थ्य क्षेत्र का बजट 37 हजार करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 में इसे बढ़ाकर 98 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 करोड़ लोग मुफ्त स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठा रहे हैं। देश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में डेढ़ लाख से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां मानसिक स्वास्थ्य, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रारंभिक स्तर पर इलाज किया जा रहा है। सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि डॉक्टरों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। 2014 से चिकित्सा शिक्षा में सीटों की संख्या में वृद्धि हुई है। 2014 से पहले जहां स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटें केवल 36 हजार थीं, वहीं अब 70 हजार से अधिक सीटें उपलब्ध हैं।

प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री मोदी कार्य कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री एसपी वेलुमणि, करुप्पण्णन सहित कई राजनीतिक हस्तियां और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संसदों के लिए उत्तरदायी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास में मानवों का संस्थागत ज्ञान महत्वपूर्ण : हरिवंश

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश ने कहा कि संसदों के लिए उत्तरदायी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास में मानवों का संस्थागत ज्ञान महत्वपूर्ण है। यदि एआई को विधायिकाओं में कार्य के लिए अपनाना है, तो उसे उत्तरदायी, संदर्भगत और भरोसेमंद बनाना होगा। उन्होंने ये विचार राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन में संसद में एआई के अपनाए जाने पर आयोजित कार्यशाला में व्यक्त किए। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने भारतीय संसद में कुशल कार्यप्रणाली के लिए विकसित किए जा रहे विभिन्न डिजिटल और एआई उपकरणों का भी उल्लेख किया। एआई के विकास में हाइब्रिड दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, 'जब कोई मानव किसी नए संगठन में प्रवेश करता है, तो वह अपने साथ दो आवश्यक गुण लाता हैः कौशल और ज्ञान। कौशल अर्जित किए जा सकते हैं, स्थानांतरित किए जा सकते हैं या बाहरी स्त्रोतों से लिए जा सकते हैं। लेकिन ज्ञान संदर्भगत होता है और संस्था के भीतर गहराई से निहित रहता है। संसदीय ज्ञान विशिष्ट होता है। यह वाद-विवादों, निर्णयों, परंपराओं और संवैधानिक परिपाटियों के माध्यम से दशकों में निर्मित होता है। यही सिद्धांत समान रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर भी लागू होता है। ' उन्होंने आगे कहा कि संसदों के लिए उत्तरदायी एआई के विकास में मानवों का संस्थागत ज्ञान महत्वपूर्ण है। 'मानव पर्यवेक्षण और अन्तःक्षेप करने की क्षमता प्रणाली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। संयम के बिना नवाचार जोखिम भरा है, जबकि नवाचार के बिना संयम ठहराव की ओर ले जाता है।' इसलिए, उन्होंने आगे कहा कि संसद को दोनों के बीच एक सावधानीपूर्ण और विचारशील संतुलन बनाए रखना चाहिए। संसद में पहले से प्रचलित एआई के व्यावहारिक उपयोगों पर विस्तार से चर्चा करते हुए श्री हरिवंश ने 22 भाषाओं में संसदीय कार्यों से संबंधित दस्तावेजों के अनुवाद, संसदीय वाद-विवादों के विश्लेषण और प्रश्नों की संरचना के लिए मॉडलों के उपयोग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'हमने लगभग 48 हजार शब्दों से युक्त एक संसदीय भाषा शब्दकोश तैयार किया है, जिसे विशेष रूप से संसदीय उपयोग के लिए डिज़ाइन किए गए एक कस्टम एआई मॉडल में एकीकृत किया गया है।

रोहित शर्मा का अपमान ! गौतम गंभीर-अजीत अगरकर ने की नाइंसाफी ? पूर्व क्रिकेटर ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने रोहित शर्मा को भारत की वनडे कप्तानी से हटाए जाने की कड़ी आलोचना की है और संकेत दिया है कि इस फैसले में मुख्य कोच गौतम गंभीर की भूमिका रही है। 37 वर्षीय तिवारी और गंभीर के बीच पहले भी मतभेद रहे हैं और माना जा रहा है कि यह दोनों के बीच बदले की भावना का नतीजा है। उनका मानना है कि रोहित की फॉर्म और अनुभव को देखते हुए अचानक कप्तानी बदलना उनके प्रति अनादर का प्रतीक है।

जून 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय और पिछले साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी रोहित भारत की वनडे टीम के अहम सदस्य बने रहे और उन्हें उम्मीद थी कि 2027 विश्व कप से पहले वे अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर पहुंच जाएंगे। लेकिन जब भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा की, तो शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया। यह एक चौंकाने वाला और कुछ हद तक विवादास्पद कदम था, जिसने पूरे देश के क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना दिया। यह और भी उल्लेखनीय था क्योंकि रोहित ने अपने कार्यकाल का शानदार अंत किया था - पिछले महीने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में जीत कप्तान के रूप में उनका आखिरी मैच था।

तिवारी ने स्पोर्ट्स टुडे को बताया कि मुझे नहीं पता कि इसका मुख्य कारण क्या है। लेकिन अजीत अगरकर को जानते हुए, वह एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। वह निर्णय लेने वाले व्यक्ति हैं। ऐसे कदम उठाने में वह पीछे नहीं हटेंगे। लेकिन क्या उन्हें किसी ने प्रभावित किया था जिसके कारण उन्होंने यह फैसला लिया, यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें गौर करने की जरूरत है। पर्दे के पीछे बहुत कुछ होता है, जिससे मामला पेचीदा हो जाता है। हो सकता है कि यह फैसला मुख्य चयनकर्ता ने लिया हो और उन्होंने इस बारे में खुलकर अपनी राय रखी हो। स्वाभाविक रूप से, कोच की भी इसमें भूमिका रही होगी। कोई भी व्यक्ति अकेले यह फैसला नहीं ले सकता। जो भी फैसला लिया गया है, उसके लिए दोनों बराबर जिम्मेदार हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देखिए, मेरी राय में प्लेइंग इलेवन के चयन में बहुत असंगति रही है। अगर मुझे बिल्कुल स्पष्ट कहना हो, तो वनडे मैच देखने में मेरी रुचि कम हो गई है। हाल ही में जो कुछ हुआ है, जैसे टी20 विश्व कप विजेता कप्तान और चैंपियंस ट्रॉफी विजेता कप्तान को कप्तानी से हटाकर नए कप्तान को सौंप देना, जो मुझे लगता है कि जरूरी नहीं था। मैं रोहित के साथ खेल चुका हूं। हमारा एक खास रिश्ता है, इसलिए मुझे यह सब ठीक नहीं लगा। मुझे लगा कि यह उस क्रिकेटर का अपमान है जिसने

दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को इतना कुछ दिया है। उसी दिन से मेरी रुचि थोड़ी कम हो गई। बहुत सारे विवाद हैं, और मुझे लगता है कि यह सब स्पष्टता की कमी के कारण हो रहा है।

हैमर थ्रो खिलाड़ी तान्या ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया लेकिन नहीं होगा रिकॉर्ड बुक में दर्ज

मंगलुरू (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय एथलीट तान्या चौधरी ने 85वीं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में शुक्रवार को महिला हैमर थ्रो में नया रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता लेकिन उनका यह प्रयास रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो सका क्योंकि इस टूर्नामेंट को राष्ट्रीय महासंघ से मान्यता नहीं मिली है।

तान्या ने खुद स्वीकार किया है कि टूर्नामेंट के लिये उनका डोप टेस्ट भी नहीं हुआ था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा राष्ट्रीय रिकॉर्ड की मान्यता के लिए प्रतिस्पर्धा के दौरान डोप टेस्ट जरूरी है। तान्या ने 65.60 मीटर का थ्रो फेंककर सरिता सिंह का 9 साल पुराना 65.25 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ा। एएफआई अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप को मान्यता नहीं देता है। तान्या ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में भाग लिया था और वह सातवें स्थान पर रही थी।

उन्होंने कहा, 'मुझे 67 मीटर की उम्मीद थी। इस सत्र का लक्ष्य 70 मीटर है और मैं उसकी तैयारी में जुटी हूं। आज डोप टेस्ट नहीं हुआ था लेकिन राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी मेरा नमूना कभी भी, कहीं भी ले सकती है। चूंकि यह विश्व एथलेटिक्स से मान्यता प्राप्त स्पर्धा नहीं है तो यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा लेकिन टूर्नामेंट का रिकॉर्ड है।% लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की एशियाई चैम्पियन पूजा सिंह ने ऊंची कूद में 1.85 मीटर का टूर्नामेंट रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता।

विराट सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने वाले विश्व के तीसरे बल्लेबाज बने

–रिचर्ड्स और लारा है पहले और दूसरे नंबर पर

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने पहले वाले आंकड़े में बदलाव करते हुए कहा है कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने करियर में 825 नहीं बल्कि कुल 1,547 दिन नंबर एक बल्लेबाज रहे हैं। इसके साथ ही विराट एकदिवसीय रैंकिंग में सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। अब केवल वेस्टइंडीज़ के महान खिलाड़ी विव रिचर्ड्स ही 2,306 दिन और ब्रायन लारा ही 2,079 दिन के साथ ही उनसे आगे हैं।

आईसीसी ने अपने ताजा अपडेट में लिखा, 'विराट अक्टूबर 2013 में पहली बार एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे और अब तक कुल 1547 दिन नंबर 1 स्थान रहे हैं, ये किसी भी अन्य भारतीय बल्लेबाज से ज्यादा समय है। वहीं विश्व स्तर पर सूची में वह तीसरे नंबर पर हैं, इस सूची में नंबर एक पर वेस्टइंडीज के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स हैं, जो 2,306 दिनों तक शीर्ष पर रहे थे जबकि ब्रायन लारा 2,079 दिन के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।' इस बदलाव से अब विराट कई दिग्गज खिलाड़ियों से आगे निकल गए हैं और लंबे समय तक शीर्ष पर रहने के मामले में रिचर्ड्स और लारा के बाद तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

बीबीएल में स्टीव स्मिथ का तूफान, 107 मीटर के सिक्स सहित जड़ा रिकॉर्डतोड़ शतक

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ क्लासिक बल्लेबाज़ ही नहीं, बल्कि आधुनिक टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक हिटर भी हैं। बिग बैश लीग 2025-26 के सिडनी डर्बी में स्मिथ ने ऐसी पारी खेली जिसने दर्शकों को हैरान और गेंदबाजों को बेबस कर दिया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर थंडर के खिलाफ खेलते हुए, सिक्सर्स के कप्तान ने टूर्नामेंट इतिहास का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक जड़कर मुकाबले की पूरी कहानी बदल दी।

41 गेंदों में शतक, BBL इतिहास में खास मुकाम

स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 41 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो BBL के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक है। इससे पहले 2024 में जोश ब्राउन ने भी इतनी ही गेंदों में सेंचुरी बनाई थी। केवल क्रेग सिमंस और मिशेल ओवेन ही ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने 39 गेंदों में शतक जड़कर स्मिथ से तेज यह उपलब्धि हासिल की है। यह शतक न सिर्फ तेज था, बल्कि स्मिथ के करियर की सबसे आक्रामक पारियों में

से एक माना जा रहा है।

107 मीटर का छक्का बना मैच का सबसे बड़ा आकर्षण

मैच का सबसे यादगार पल चौथे ओवर में आया, जब स्मिथ ने नाथन मैकएंड्रयू की गेंद पर फ्रंट फुट हटाकर मिड-विकेट के ऊपर 107 मीटर लंबा छक्का जड़ दिया। यह छक्का पूरे स्टेडियम में चर्चा का विषय बन गया और सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ। स्मिथ की फुटवर्क, टाइमिंग और ताकत का यह शानदार मिश्रण गेंदबाजों के लिए चेतावनी बन गया।

सिक्सर्स के लिए सबसे तेज BBL शतक

स्मिथ ने इस पारी के साथ सिडनी सिक्सर्स के लिए सबसे तेज़ BBL शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने 2023 में थंडर के खिलाफ बनाए गए 56 गेंदों के अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वह 42 गेंदों में 100 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें पांच चौके और नौ गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी पारी का अंत लेग स्पिनर तनवीर संघा ने किया।

एक ओवर में 32 रन, BBL का सबसे महंगा ओवर

12वें ओवर में स्मिथ ने रयान हैडली की गेंदों पर 32 रन ठोक दिए, जो BBL इतिहास का सबसे महंगा ओवर बन गया। इस ओवर में उन्होंने तीन छक्के, एक चौका और शानदार टाइमिंग के साथ रन बटोरे। इस ओवर ने मैच को पूरी तरह सिक्सर्स के पक्ष में झुका दिया।

190 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल

स्मिथ की विस्फोटक बल्लेबाज़ी की बदौलत सिडनी सिक्सर्स ने 190 रन का लक्ष्य सिर्फ पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्मिथ ने मात्र 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर रन चेज की नींव रखी। बाबर आजम ने 47 रनों की संयमित पारी खेली, जबकि लैचलान शॉ और जैक एडवर्ड्स के छोटे लेकिन अहम योगदान ने जीत को आसान बना दिया। सिक्सर्स ने 16 गेंदें शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

डेविड वॉर्नर की सेंचुरी गई बेकार

सिडनी थंडर की ओर से डेविड वॉर्नर ने शानदार शतक लगाया और 65 गेंदों में 110 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई ठोस समर्थन नहीं मिला। निक मैडिनसन और सैम बिलिंग्स ने कोशिश की, लेकिन टीम बड़ी साझेदारी नहीं बना सकी। अंत में स्मिथ की विस्फोटक पारी के सामने वॉर्नर की मेहनत फीकी पड़ गई और सिक्सर्स ने सिडनी डर्बी में दबदबे के साथ जीत दर्ज की।

रोजर फेडरर रॉड लेवर एरिना में लौटे, रूड के साथ किया अभ्यास

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी उपस्थिति के छह साल बाद रोजर फेडरर मेलबर्न के कोर्ट पर वापस आ गए हैं। स्विस दिग्गज शुक्रवार को 2020 के बाद पहली बार कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन के लिए रॉड लेवर एरिना लौटे। फेडरर ने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, अपने करियर में रूड का सामना सिफ एक बार किया था। उनकी एकमात्र लेक्सस हेड2हेड भिड़ंत 2019 में रौलां गैरो के चौथे राउंड में हुई थी, जब फेडरर ने नॉर्वेजियन खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। 44 साल के खिलाड़ी ने अपने 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से

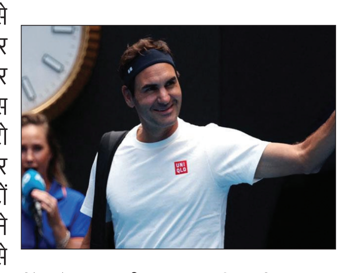

छह ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीते हैं। टूर्नामेंट में उनका जीत–हार का रिकॉर्ड 102–15 है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में खेला था, जब वह सेमीफाइनल में आखिरकार चैंपियन बने नोवाक जोकोविच से हार गए थे। फेडरर शनिवार को रॉड लेवर एरिना में टूर्नामेंट के पहले उद्घाटन समारोह के हिस्से के रूप में एक प्रदर्शनी मैच खेलने वाले हैं, जिसमें तीन अन्य एटीपी नंबर 1 क्लब सदस्य भी शामिल होंगे- आंद्रे अगासी, पैट्रिक राफ्टर और लेटन हेविट।

सीएसके ने इस कारण सैमसन को खरीदा : हनुमा

मुम्बई । पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज हनुमा बिहारी ने खुलासा किया है कि संजू सैमसन को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इसलिए टीम में लिया क्योंकि दक्षिण में उनके प्रशंसकों की काफी तादाद है। हनुमा ने कहा कि आईपीएल मालिकों की नजर में ये टूर्नामेंट खेल से कहीं बढ़कर हैं। वे इसमें अपने कारोबारी के फायदे पर भी नजर रखते है। ऐसे में सैमसन को शामिल करना उसके लिए जरुरी थी। सैमसन को ओपनर होने के कारण खरीदने की बातें सही नहीं हैं। इसका कारण है कि सीएसके के पास पहले से ही कई ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी की शुरुआत कर सकते हैं। एक वीडियो में हनुमा ने कहा कि सैमसन के फैनबेस के कारण ही उन्हें लेने का दबाव सीएसके पर पड़ा था। टीमों के इस बात पर काफी ध्यान देते हैं कि एक खिलाड़ी टीम के लिए कितना कारोबार ला सकता है।उन्होंने आगे कहा, सैमसन जहां भी मैच खेले जाते हैं, केरल के फैंस वहां पहुंच जाते हैं और उनका हौंसला बढ़ाते हैं। जहां तक ओपनर की बात है सीएसके के पास रुतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे हैं। ऐसे में सैमसन को नंबर 3 पर ही उतारा जाना तय है।

टी20 विश्व कप 2026 : आईसीसी का प्रतिनिधिमंडल कर सकता है बंगलादेश का दौरा

ढाका (एजेंसी)। सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए बंगलादेश का दौरा कर सकता है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को फॉरेन सर्विस एकेडमी में मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

आसिफ नजरुल ने कहा, 'नए अपडेट के अनुसार BCB अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने मुझे बताया कि चर्चा के लिए ICC की एक टीम बंगलादेश आ सकती है। हमारे रुख में बदलाव की कोई संभावना नहीं है। हम विश्व कप में खेलने के लिए उत्सुक हैं, खासकर श्रीलंका में और मुझे पूरा भरोसा है कि इसका आयोजन करना असंभव नहीं

है।' बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि ICC के साथ बातचीत चल रही है, हालांकि दौरे का समय अभी तय नहीं है।

अधिकारी ने द डेली स्टार को बताया, 'हम बातचीत कर रहे हैं, और एक प्रतिनिधिमंडल आने वाला है, लेकिन सही तारीख तय नहीं हुई है। हम संपर्क में हैं, लेकिन समय तय नहीं है।' यह डेवलपमेंट पिछले मंगलवार को BCB लीडरशिप और ICC के बीच हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद हुआ है।

बैठक के बाद बोर्ड ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टूर्नामेंट के लिए भारत न जाने के अपने फैसले को दोहराया और बंगलादेश के मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित करने फिर से अनुरोध किया। हालांकि ICC ने BCB से अपने रुख पर फिर से विचार करने का आग्रह किया, लेकिन बोर्ड अपने रुख पर कायम रहा। हालांकि दोनों पक्ष टूर्नामेंट में बंगलादेश की भागीदारी के बारे में'संभावित समाधान खोजने' के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए।

एडिलेड इंटरनेशनल : फाइनल में विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी उभरती हुई स्टार मिरर एंड्रीवा

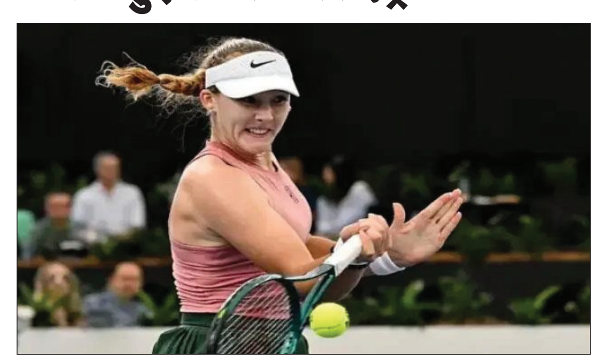

कैनबरा । रूस की मिरर एंड्रीवा एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में कनाडा की विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी। यह मैच महिला टेनिस टूर में सबसे ज़्यादा रैंक वाली टीनएजर खिलाड़ियों के बीच होगा। दुनिया की नंबर 8 एंड्रीवा, जो एडिलेड में तीसरी सीड हैं, ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म–अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी हमवतन और डबल्स पार्टनर डायना श्नाइडर को 6–3, 6–2 से हराकर शनिवार के फाइनल में जगह बनाई, जहाँ उनका मुकाबला 17वीं रैंक वाली म्बोको से होगा। यह WTA टूर पर एंड्रीवा (18) और म्बोको (19) के बीच पहला मैच होगा। ये दोनों ही टीनएजर खिलाड़ी फिलहाल दुनिया की टॉप 25 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं। एंड्रीवा ने एडिलेड में अपने तीनों मैचों में एक भी सेट नहीं हारा है और हर मैच में उनकी सर्विस सिर्फ एक बार टूटी है। शुक्रवार को रूसी खिलाड़ी ने श्नाइडर की तुलना में नौ ज़्यादा विनर्स लगाए और 10 कम अनफोर्स्ड एरर किए, जो फिलहाल दुनिया में 23वें स्थान पर हैं। कनाडा की विक्टोरिया म्बोको ने स्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिरेल को सीधे सेटों में हराकर एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनाई। वर्ल्ड नंबर 17 म्बोको ने ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म–अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपना दबदबा बनाया और सिर्फ 59 मिनट में 6–2, 6–1 से जीत हासिल की। एंड्रीवा शनिवार के फाइनल में अपने चौथे डब्ल्यूटीए टूर सिंगल्स खिताब के लिए खेलेंगी, जबकि म्बोको अपने तीसरे खिताब के लिए खेलेंगी।

महिला क्रिकेट में बदलाव की मांग : न्यूजीलैंड की क्रिकेटर ने फील्डिंग नियमों और बाउंड्री साइज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। खेल की रफ्तार, खिलाड़ियों की ताकत और दर्शकों की दिलचस्पी तीनों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसी बदलते परिदृश्य के बीच न्यूजीलैंड की कप्तान और अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने मौजूदा फील्डिंग नियमों और बाउंड्री के आकार को लेकर अहम सवाल खड़े किए हैं। उनका मानना है कि वर्तमान परिस्थितियां बल्लेबाजों के पक्ष में अत्यधिक झुकी हुई हैं, जिससे गेंदबाजों के लिए संतुलन बनाना मुश्किल हो गया है। डिवाइन की यह टिप्पणी महिला क्रिकेट में संभावित सुधारों पर एक नई बहस को जन्म दे सकती है।

फील्डिंग नियमों पर दोबारा विचार की जरूरत

फिलहाल महिला क्रिकेट में नॉन-पावरप्ले ओवरों के दौरान इनर सर्कल के बाहर सिर्फ चार फील्डर रखने की अनुमति है। यह नियम ज्यादा रन और बाउंड्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किया गया था। हालांकि, सोफी डिवाइन का मानना है कि खेल अब उस स्तर तक पहुंच चुका है जहां इस नियम की समीक्षा जरूरी हो गई है। डिवाइन के अनुसार, बल्लेबाजों की पावर और शॉट-मेकिंग क्षमता में जिस तरह का इजाफा हुआ है, उसे देखते हुए बाहर पांच फील्डर रखने की इजाजत देने से खेल की प्रतिस्पर्धा पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

छोटी बाउंड्री से गेंदबाजों पर बढ़ता दबाव

महिला प्रीमियर लीग (WPL) में बाउंड्री की अधिकतम लंबाई 60 मीटर तय की गई है, जबकि पुरुष क्रिकेट में यह दूरी 70 से 77 मीटर तक होती है। डिवाइन का मानना है कि छोटी

बाउंड्री और सीमित फील्डिंग विकल्पों का मेल गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि खासकर सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है, क्योंकि हल्की सी चूक भी आसानी से बाउंड्री में तब्दील हो जाती है।

भारत ने अंडर–19 विश्वकप क्रिकेट में जीत से शुरुआत की, पहले ही मैच में यूएसए को 6 विकेट से हराया

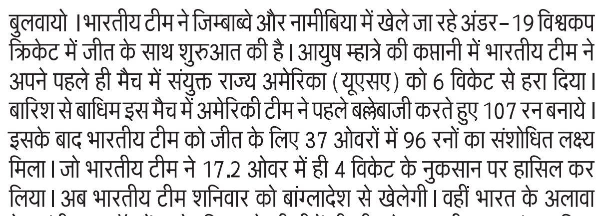

बुलवायो । भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जा रहे अंडर–19 विश्वकप क्रिकेट में जीत के साथ शुरुआत की है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 6 विकेट से हरा दिया। बारिश से बाधिम इस मैच में अमेरिकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 37 ओवरों में 96 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। जो भारतीय टीम ने 17.2 ओवर में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अब भारतीय टीम शनिवार को बांग्लादेश से खेलेगी। वहीं भारत के अलावा वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे की टीमें भी जीत के साथ ही 2–2 अंक हासिल करने में सफल रही हैं। वेस्टइंडीज अंडर–19 टीम ने तंजानिया को हराया। वहीं जिम्बाब्वे और स्कॉटलैंड का मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया।

अमन मोखाड़े ने रचा इतिहास, लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बने

बेंगलुरु (एजेंसी)। विदर्भ के 24 साल के ओपनर अमन मोखाड़े के लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का इतिहास रचने के बाद क्रिकेट की दुनिया में हलचल मच गई है। सिर्फ 16 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल करते हुए मोखाड़े ने देवदत्त पडिक्कल और अभिनव मुकुंद के 17 इनिंग्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि ने साउथ अफ्रीकी लीजेंड ग्रीम पोलक के लंबे समय से चले आ रहे विश्व रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली।

मोखाड़े की रिकॉर्ड तोड़ने वाली पारी 2025-26 विजय हजारे ट्रॉफी के कर्नाटक के खिलाफ एक हाई-प्रेशर सेमीफाइनल में आई। 281 रनों का पीछा करते हुए विदर्भ को शुरुआती झटका लगा जब ओपनर अथर्व तायडे सस्ते में आउट हो गए। मोखाड़े ने शुरुआती दबाव झेला, पहले ध्रुव शौरी के साथ 99 रन की पार्टनरशिप करके चेज को संभाला, जिन्होंने 47 रन बनाए। फिर उन्होंने आर समर्थ के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए मैच जीतने वाली 147 रन की पार्टनरशिप की।

समर्थ ने 76 रन बनाए, जबकि मोखाड़े ने पारी को संभाला, भले ही ऐंठन की वजह से वह धीमे पड़ रहे थे। कर्नाटक ने पहले बैटिंग करने का फैसला करके 280 रन बनाए थे। उनकी इनिंग में विदर्भ को शुरुआती ब्रेकथ्रू मिले, क्योंकि दोनों ओपनर, मयंक अग्रवाल और पडिक्कल, पहले 10 ओवर के अंदर आउट हो गए। करुण नायर और ध्रुव प्रभाकर के बीच 54 रन की पार्टनरशिप ने कुछ ऑर्डर वापस लाया, इसके बाद करुण नायर और केएल श्रीजीत के बीच 113 रन की पार्टनरशिप हुई।

दोनों ने फिफ्टी पूरी की, लेकिन कर्नाटक ने आखिरी ओवरों में मोमेंटम खो दिया। विदर्भ के बॉलर दर्शन नलकांडे ने बॉल से कमाल किया, उन्होंने 48 रन देकर 5 विकेट लिए। इस सीज़न में घरेलू टूर्नामेंट में मोखाड़े का लगातार अच्छा प्रदर्शन शानदार रहा है। रणजी ट्रॉफी के पहले लेग में उन्होंने 7 इनिंग में 96.16 की एवरेज से 577 रन बनाए। वह 2025-26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 157.25 की स्ट्राइक रेट से 206 रन बनाकर विदर्भ के चार्ट में टॉप पर रहे और विजय हजारे ट्रॉफी में नौ इनिंग में 97.62 की एवरेज से 781 रन बनाकर अपना दबदबा बनाए रखा। इन टूर्नामेंट में, मोखाड़े ने आठ सेंचुरी और पांच हाफ-सेंचुरी लगाई हैं।

ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा हमेशा अपने जड़ों से जुड़े रहने और अपनी संस्कृति को अपनाने पर जोर देते हैं। वह उन कलाकारों में से हैं जो ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं। उनका मानना है कि भाषा, संस्कृति और जड़ें किसी भी व्यक्ति के लिए कोई रोक नहीं हैं, बल्कि ये उसकी ताकत और पहचान बनाती हैं।

इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब हम अपने मूल्यों और संस्कृति को समझते हैं और उन्हें अपनाते हैं, तो हमारे सोचने का नजरिया और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल जाता है। रणदीप हुड्डा अब उन कहानियों से जुड़ रहे हैं जो हरियाणवी, राजस्थानी और भोजपुरी संस्कृति को सामने लाती हैं।

रणदीप हुड्डा ने कहा कि मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं जो दिखावटी न हों, बल्कि जिंदगी की सच्चाई को ईमानदारी से सामने रखें। आज के दौर में जब सब कुछ तेज और चमकदार होता जा रहा है, तब सिनेमा का काम लोगों को ठहरकर सोचने का मौका देना भी है। गांव, मिट्टी, रिश्ते और संघर्ष से निकली कहानियां दर्शकों के दिल में ज्यादा देर तक रहती हैं। ऐसी फिल्मों में काम करना एक अभिनेता को और बेहतर बनाता है, क्योंकि यहां अभिनय के साथ-साथ संवेदनशीलता भी जरूरी होती है। उन्होंने कहा, मैं अपने करियर में संख्या से ज्यादा गुणवत्ता पर ध्यान दे रहा हूं। हर फिल्म मेरे लिए एक सीख होती है, जो न सिर्फ एक कलाकार, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी मुझे आगे बढ़ाती है। जब मैं अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियों का हिस्सा बनता हूं तो दर्शक भी खुद को उस कहानी में देख पाते हैं। बातचीत के दौरान रणदीप हुड्डा ने कहा, सिनेमा समाज को आईना दिखाने का काम करता है। अगर फिल्में लोगों को अपनी पहचान, संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने में सफल होती हैं, तो वही सिनेमा की असली जीत है। यही सोच मुझे बार-बार ऐसी कहानियों की ओर खींचती है, जो सरल होते हुए भी गहरी छाप छोड़ जाती हैं।

कैसे शख्स से शादी करना चाहती थीं तारा सुतारिया?

ब्रेकअप की खबरों, अफवाहों के बीच तारा सुतारिया का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में आ गया है। इस इंटरव्यू में वह बता रही हैं कि उन्हें कैसा लाइफपार्टनर चाहिए? वह अपने पार्टनर में क्या-क्या क्वालिटीज देखती हैं।

तारा सुतारिया ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में अपने लाइफपार्टनर को लेकर बात की थी। यह तब की बात है, जब वीर पहाड़िया के साथ उनके रिलेशनशिप में होने की अफवाहें उड़ी थीं। लेकिन रिलेशनशिप को दोनों ने कंफर्म नहीं किया था। तारा से पॉडकास्ट में पूछा गया था कि क्या वह विदेशी व्यक्ति से शादी करेंगी? इस पर तारा ने जवाब दिया था, 'मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। मैं बहुत देसी इंसान हूं। मुझे अपने यहां का देसीपन पसंद है। हमारे यहां एक खास तरह का चिल-आउट माहौल होता है। यहां रहने का एक खास तरीका है। मुझे यह सबकुछ पसंद है। मुझे सादगी चाहिए और कंफर्ट चाहिए।'

पार्टनर में चाहिए किस तरह की क्वालिटी?

तारा सुतारिया पॉडकास्ट में आगे कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को भी पता होना चाहिए कि वह कौन है? मुझे लगता है कि अगर आपको पता है कि आप कौन हैं? तो बाकी सबकुछ अपने आप ठीक हो जाता है। सेल्फ अवेयरनेस बहुत जरूरी है।'

तारा सुतारिया के ब्रेकअप की अटकलों के पीछे क्या कारण है?

कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों अक्सर साथ नजर आते रहे हैं, दोनों के वीडियोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। इंस्टाग्राम पर भी दोनों साथ में फोटो पोस्ट करते थे। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। जिसके पीछे सोशल मीडिया यूजर्स एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना को जिम्मेदार मान रहे हैं। वैसे तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई बातों को वायरल करवाने के पीछे नेगेटिव पीआर को जिम्मेदार माना था।

करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं तारा सुतारिया?

तारा सुतारिया करियर फ्रंट को लेकर भी चर्चा में हैं। जल्द ही वह साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगी। इस फिल्म से उनका लुक भी सामने आ चुका है। टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज होगी, इसकी टक्की सिनेमाघरों में फिल्म धुरंधर 2 से है।

हैप्पी पटेल की रिलीज से पहले इमरान खान को सता रही है इस बात की चिंता

इमरान खान लंबे समय बाद बॉलीवुड में वापसी करने वाले हैं। इमरान कॉमेडियन वीर दास की पहली डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हैप्पी पटेल-खतरनाक जासूस से बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। इसी फिल्म को लेकर आमिर खान के भांजे इमरान खान ने अपने एक डर से पर्दा उठाया है।

इमरान को किस बात का है डर?

इमरान खान भी इस फिल्म में एक छोटे लेकिन मजेदार कैमियो रोल में दिखेंगे। यह उनकी 2015 की फिल्म कट्टी बट्टी के बाद लगभग 10 से 11 साल बाद बड़ी स्क्रीन पर वापसी है। इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनका यह रोल ङ्गह्रूस्ह्र (कुछ छूट जाने का डर) की वजह से हुआ। वीर दास ने भी हाल ही में बताया कि हैप्पी पटेल को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। यानी यह फिल्म सिर्फ 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए है। फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यह साल की शुरुआत में एक धमाकेदार हंसी-मजाक और मनोरंजन लेकर आ रही है। इस फिल्म में वीर दास के साथ मोना सिंह, मिथिला पलकर, और शरिब हाशमी जैसे कलाकार भी हैं। इमरान खान का कैमियो इसे और भी खास बना देगा।

जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची हूं

मशहूर डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी और लोका चैप्टर 1 के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन के बारे में अफवाह है कि वह रणवीर सिंह के साथ फिल्म प्रलय से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। इस चर्चा के बीच, उन्होंने उन बॉलीवुड ऑफर्स के बारे में भी बात की जो उन्हें मिल रहे हैं।

बातचीत में कल्याणी प्रियदर्शन ने कहा, मुझे नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं, लेकिन अच्छी कहानियां हमेशा मुझे मिल ही जाती हैं, चाहे भाषा कोई भी हो। मैंने हमेशा कहा है कि जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची एक्ट्रेस हूं। अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट है, चाहे वह किसी भी भाषा में हो, चाहे वह मराठी, हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु या मलयालम हो, मुझे वह चाहिए।

लोका चैप्टर 1 एक मलयालम भाषा की सुपरहीरो फिल्म है, जो 28 अगस्त 2025 को रिलीज हुई। इस फिल्म के निर्देशक डोमिनिक अरुण हैं। इसके निर्माता दुलकर सलमान हैं। इसमें कल्याणी प्रियदर्शन के अलावा अरुण कुरियन, चंदू सलीमकुमार, निशांत सागर, रघुनाथ पलेरी, विजय राघवन, निथ्या श्री और सारथ सभा के साथ नसलेन और सैंडी ने अभिनय किया है।

कल्याणी ने हिंदी फिल्मों का भी हिस्सा बनने की इच्छा जताई, और इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए हमेशा स्क्रिप्ट और अच्छी कहानियां ही सबसे जरूरी हैं। जब कल्याणी से पूछा गया कि लोका चैप्टर 2 की सफलता के बाद हिंदी फिल्मों के ऑफर बढ़े हैं या नहीं, तो उन्होंने कहा यह नहीं कह सकती कि ऑफर बढ़े हैं या कम हुए हैं, लेकिन मौके हमेशा से रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह ऐसी इंसान हैं जो किसी भी फिल्म को अपना समय पूरी लगन से देना पसंद करती हैं।

फिल्म ओह माय गॉड 3 में देवी का किरदार प्ले करेंगी रानी

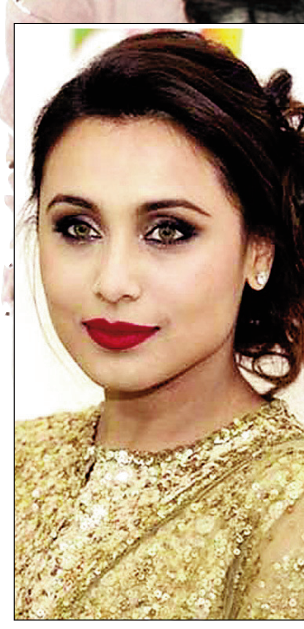

लोकप्रिय फिल्म फ्रैंचाइज ओह माय गॉड का जल्द ही तीसरा पार्ट आने वाला है। हाल ही में खबर आई थी कि फिल्म में रानी मुखर्जी की दमदार एंट्री हो रही है और इस बार वो अक्षय कुमार के साथ मिलकर कहानी में बड़ा धमाका करेंगी, लेकिन अब नया अपडेट सामने आया है। दरअसल, रानी के जुड़ते ही फिल्म की कहानी का पूरा रुख बदल गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक... रानी के आने के बाद फिल्म की कहानी में बड़ा बदलाव किया गया है। स्क्रिप्ट का फोकस अब रानी के किरदार पर ज्यादा होगा, जबकि फ्रैंचाइज की पिछली दोनों फिल्मों के हीरो रहे अक्षय कुमार की भूमिका को सिर्फ कैमियो तक सीमित कर दिया गया है यानी तीसरी किस्त में अक्षय बस मेहमान बनकर रह गए हैं।

बिग बॉस मराठी के छठे सीजन में दिखाई देंगे एक्टर श्रेयस तलपदे

कलर्स टीवी के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस 19 का फिनाले 7 दिसंबर 2025 को हो चुका है। इसके बाद अब दर्शक बिग बॉस मराठी के छठे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीजन को रितेश देशमुख होस्ट करते नजर आएंगे। शो की स्ट्रीमिंग 11 जनवरी से शुरू होने जा रही है, लेकिन इससे पहले ही शो से जुड़ा एक दिलचस्प अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक... श्रेयस तलपदे इस बार बिग बॉस मराठी 6 का हिस्सा बन सकते हैं। खास बात यह है कि वह शो में मेहमान नहीं, बल्कि प्रतियोगी के रूप में घर में एंट्री कर सकते हैं। अगर यह खबर सही साबित होती है, तो यह उनका पहला बड़ा रियलिटी शो होगा।

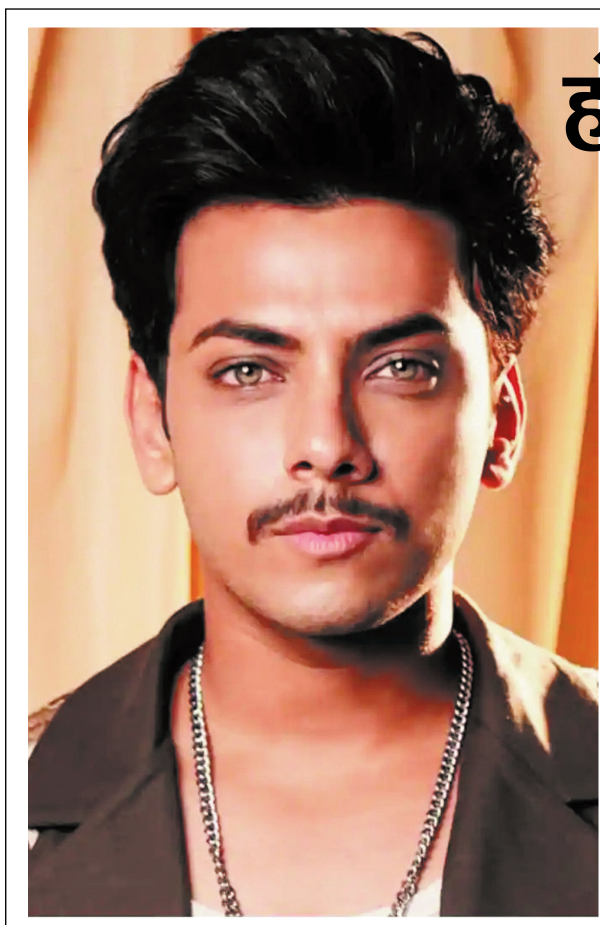

होमबाउंड मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक इमोशनल सफर है

फिल्म होमबाउंड अकादमी पुरस्कारों के 98 साल के इतिहास में इस श्रेणी तक पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय फिल्म बन गई है। यह उपलब्धि एक बार फिर दिखाती है कि इंडियन कहानियों की भावनाएं और सच्चाई अब ग्लोबल मंचों पर लोगों तक पहुंच रही हैं।

इस बड़ी उपलब्धि के साथ अभिनेता विशाल जेठवा लॉस एंजेलिस पहुंच चुके हैं, जहां से फिल्म के इंटरनेशनल अवॉर्ड कैंपेन की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा, 'नए साल की शुरुआत इससे ज्यादा खास और इमोशनल नहीं हो सकती थी। इस फिल्म के ऑस्कर जर्नी के लिए लॉस एंजेलिस आना मेरे लिए किसी सपने जैसा है। सच कहूं तो मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि यह सब वाकई मेरे साथ हो रहा है। यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं रही, इसने मुझे एक एक्टर और एक इंसान दोनों रूपों में बहुत कुछ दिया है।'

'नीरज सर ने मुझे खुद को नए सिरे से खोजने का मौका दिया'

अपने डायरेक्टर नीरज घयवान के साथ काम करने के अनुभव को विशाल ने अपने करियर का सबसे अहम पड़ाव बताया। उन्होंने कहा, 'नीरज सर के साथ काम करना मेरे लिए जिंदगी बदल देने वाला अनुभव रहा। उनकी संवेदनशीलता, ईमानदारी और कहानी को देखने का नजरिया मुझे इमोशंस की उन परतों तक ले गया, जहां तक मैं शायद खुद भी पहले कभी नहीं पहुंच पाया था। उन्होंने मुझे खुद को तोड़ने, समझने और फिर एक बेहतर कलाकार के रूप में दोबारा गढ़ने का मौका दिया। मैं उनका हमेशा इस मौके के लिए आभारी रहूंगा।'

'ईशान और पूरी टीम के साथ यह सफर और भी खास हो गया' अपने सह-कलाकार ईशान खट्टर और पूरी टीम के बारे में बात करते हुए विशाल की आवाज में गर्व और अपनापन साफ झलकता है। उन्होंने कहा, 'ईशान और पूरी टीम के साथ इस सफर को साझा करना इस उपलब्धि को मेरे लिए और भी खास बना देता है। हम सबने इस फिल्म में दिल से मेहनत की है। साथ में सीखना, गिरना, संभलना और आज यहां तक पहुंचना अपने आप में बहुत इमोशनल एक्सपीरियंस रहा है। इस स्तर पर एक-दूसरे के साथ खड़े होकर फिल्म का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है।'

'यह फिल्म मुझे याद दिलाती है कि मैं अभिनेता क्यों बनना चाहता था'?

अपनी बात को बेहद आत्मीय अंदाज में खत्म करते हुए विशाल कहते हैं, 'आज यहां खड़े होकर अपने सिनेमा और अपनी कहानी का प्रतिनिधित्व करना मुझे फिर से याद दिलाता है कि मैं एक्टर क्यों बनना चाहता था। यह मेरी पहली फिल्म है, जिसे इस तरह की इंटरनेशनल पहचान मिली है और शायद इसी वजह से यह मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के ऑडियंस से भी उसी तरह जुड़ेगी, जैसे शूटिंग के दौरान यह हम सब से जुड़ी थी।'

लॉस एंजेलिस में इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचेगी फिल्म की कहानी

लॉस एंजेलिस में विशाल जेठवा, ईशान खट्टर और निर्देशक नीरज घयवान मिलकर फिल्म का प्रमोशन करेंगे। यहां फिल्म की खास स्क्रीनिंग होगी और अकादमी के मेंबर्स से मुलाकात व बातचीत के कार्यक्रम रखे जाएंगे। इसका उद्देश्य फिल्म की की सच्ची और भावनात्मक कहानी को दुनिया के ऑडियंस तक पहुंचाना है। फिल्म को इसकी मजबूत कहानी और असरदार अभिनय के लिए पहले ही काफी सराहना मिल चुकी है।

बच्चों का पसंदीदा खिलौना तकिया

बच्चों का बचपन एक ऐसा समय होता है जिसमें मां-बाप को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती। किसी भी मां के लिए सबसे कठिन काम होता है बच्चों को सुलाना। ऐसे में अगर बच्चों को उनका सबसे पसंदीदा खिलौना तकिया दे दिया जाए तो आपका आधा काम वैसे ही हो जाता है। क्योंकि तकिये के साथ खेलते-खेलते नींद के आगोश में चले जाना कोई बड़ी बात नहीं। चैन की नींद तो किसी को भी आ जाए, उसकी सारी थकान मिट जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप उनकी पसंद-नापसंद को जानें क्योंकि यदि उनके रूम की सजावट में रंगों एवं पेंटिंग्स का ध्यान रखा गया है तो उनके तकिए और बैडशीट में भी बेबी प्रिंट एवं कलर्स होना बहुत जरूरी है।

सहारा देकर बैठाने को तकिया

बाजार में इस प्रकार के तकिए भी उपलब्ध हैं जिनके दोनों ओर बाजू लगे हों तथा बैठना सीख रहे बच्चों को उसके साथ बैठा कर साइड बाजू का सहारा दिया जाए या फिर उन्हें बंद कर दिया जाए ताकि वे बैठे-बैठे आगे को लुढ़क न पाएं।

नवजात शिशुओं के लिए तकिया

वे दिन गए जब दादी-नानी नवजात शिशु के लिए स्वयं एक खास तकिया बनाती थीं। आजकल तो नन्हे बच्चों के लिए टैडी और फ्लावर वाले तकिए से लेकर उसके सिर को सहारा देने तक के लिए तकिए बाजार में उपलब्ध हैं। इससे उसका सिर इधर-उधर नहीं होता और एक स्थान पर टिका रहता है।

विभिन्न रंगो में उपलब्ध

टैडी, लॉयन, मगरमच्छ, डॉग, रैबिट, फिश एवं फ्लोरल शेप में ये तकिए सॉफ्ट टॉयज के अलावा प्रिंट्स, इंब्रायडरी एवं पैच वर्क में भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा इनके ब्राइट कलर्स भी बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कई वैरायटी में मौजूद

इस बिजनैस से जुड़े लोगों की यदि मानें तो बच्चों के तकिए भी विभिन्न प्रकार के मैटीरियल से बने होते हैं जैसे-

फॉम का तकिया

फॉम के बारीक-बारीक टुकड़ों से भी तकिया बनता है। इस प्रकार के तकिए भी बाजार में बहुत बिकते हैं।

रेक्रान के तकिए

बच्चों के तकियों में सबसे ज्यादा रेक्रान के तकिए बिकते हैं। यह सबसे कोमल व नरम तकिया होता है। साथ ही वजन में बहुत हल्का व आरामदायक होने के कारण यह सबसे ज्यादा बिकता है।

काली रूई के तकिए

काली रूई वेस्ट मैटीरियल से बनती है। वेस्ट मैटीरियल को मशीनों में कई प्रक्रियाओं से गुजारकर सॉफ्ट बनाया जाता है। इस रूई से तकिया व गादियां दोनों बनाए जाते हैं।

बच्चों के मूड को फ्रेश करता है कम्प्यूटर गेम

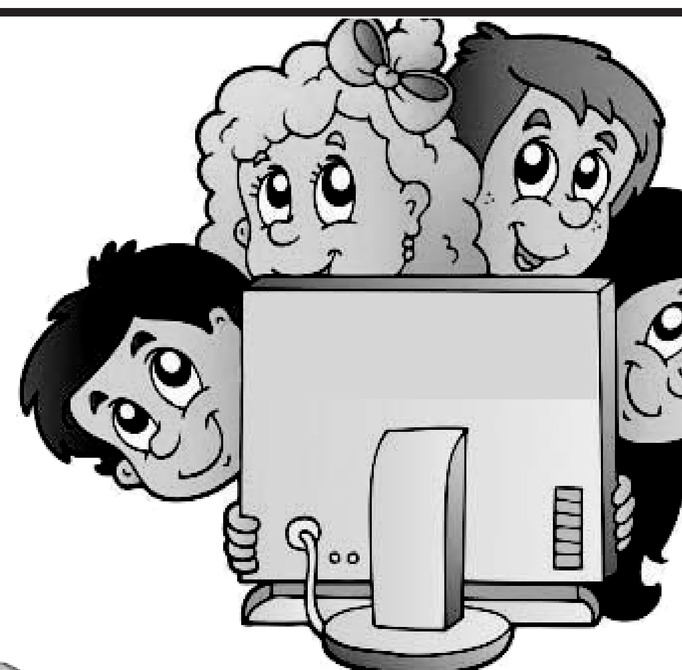

अक्सर पैरेंट्स को यह शिकायत होती है कि उनके बच्चे कम्प्यूटर गेम में अपना काफी समय बर्बाद करते हैं। पर क्या इसे समय की बर्बादी कहना सही है? पैरेंट्स तो यही कहेंगे कि हां! इन गेम्स का कोई लाभ नहीं बल्कि ये दिमाग पर बुरा असर डालते हैं लेकिन क्या यह सोच सही है?

कम्प्यूटर गेम खेलने से बच्चों में सीखने की क्षमता बढ़ती है। इससे हौसले बढ़ते हैं और उनमें नई-नई चीजों के प्रति दिलचस्पी जगती है। यह सच है कि गेम की दुनिया में वर्ल्ड ऑफ वार क्राफ्ट, एक्स बॉक्सेज, प्ले स्टेशन, विस और रन स्केप जैसे गेम्स को मेंटल डिसऑर्डर पैदा करने वाला पाया गया है। इसी तरह कुछ गेम बच्चों में हिंसक और गुस्सैल प्रवृत्ति को विकसित करते हैं लेकिन इधर हुए कई शोधों का आकलन है कि कुछ चुनिंदा गेम्स को छोड़ दें तो यह मानना सही होगा कि इनसे पर्सनालिटी डेवलपमेंट में काफी मदद मिलती है। इससे बच्चों का न केवल भावनात्मक विकास होता है बल्कि उनमें मैनेजमेंट स्किल से लेकर टीम वर्क की भावना तक विकसित होती है।

यह स्किल उन्हें तमाम समस्याओं से निपटने में मदद करती है। मूड भी फ्रेश ही रखता है। इनके जरिये बोरियत और तनाव से भी बचा जा सकता है। वहीं इससे हौसले बढ़ते हैं और उनमें नई-नई चीजों के प्रति दिलचस्पी जगती है। साथ ही, उनमें आजादी की भावना पैदा होती है और वे समाज से अपना जुड़ाव भी गहराई से महसूस करते हैं।

बाल कहानी ईमानदारी

विक्की अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड में हिस्सा ले रहा था।

दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वह दिखाई नहीं पड़ी।

माँ, दादीजी कहाँ हैं? उसने पूछा।

रात को वह बहुत बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिताजी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब है।

विक्की एकाएक उदास हो गया।

उसकी माँ ने पूछा, क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे? चार बजे मैं अस्पताल जा रही हूँ।

विक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने तुरंत कहा, हाँ, मैं आप के साथ चलूँगा। वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया।

स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

उन्होंने दूसरे दिन सभी अध्यापकों को बुलाया और कहा, मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह के दिन अनुपस्थित थे।

आधे घंटे के अंदर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छे की सूची बहुत लंबी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े।

जैसे ही उन्होंने कक्षा छे में कदम रखे, वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होंने कठारेतापूर्वक कहा, मैंने परसों क्या कहा था?

यही कि हम सब को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए, गोलमटोल उषा ने जवाब दिया।

तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे? उन्होंने नामों की सूची हवा में हिलाते हुए पूछा।

फिर उन्होंने अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के नाम पुकारे, उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई।

अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।

इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विक्की आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

क्या बात है?

महोदय, विक्की भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था, पर आप ने मेरा नाम नहीं पुकारा। कहते हुए विक्की ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी।

सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर में क्रोध गायब हो गया।

तुम सजा के हकदार नहीं हो, क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा, लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।

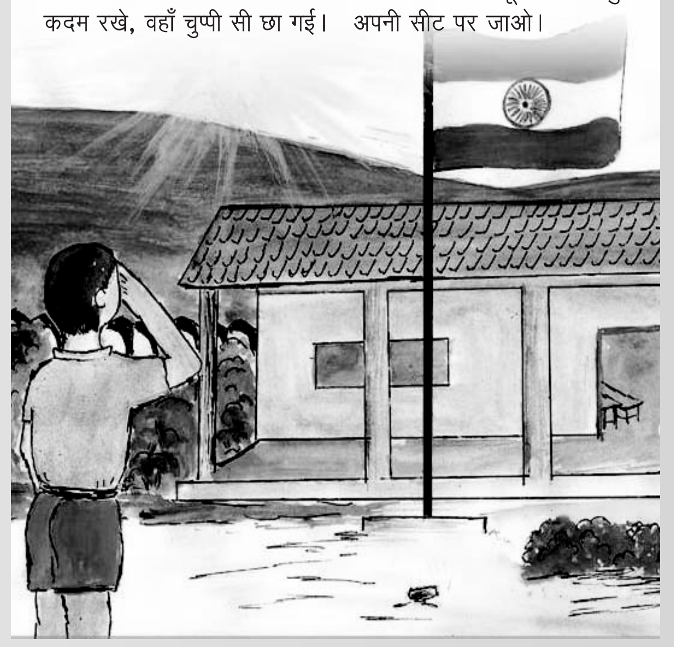

अकबर को बीरबल का जवाब

एक दिन बादशाह अकबर ने ऐलान किया कि जो भी मेरे सवालों का सही जवाब उदाहरण सहित देगा, उसे भारी इनाम दिया जाएगा। सवाल कुछ इस प्रकार से थे-

ऐसा क्या है जो आज भी है और कल भी रहेगा? ऐसा क्या है जो आज भी नहीं है और कल भी नहीं होगा? ऐसा क्या है जो आज तो है लेकिन कल नहीं होगा?

किसी को भी चतुराई भरे इन तीनों सवालों का जवाब नहीं सूझ रहा था। तभी बीरबल बोला, 'हुजूर! आपके सवालों का जवाब मैं दे सकता हूं, लेकिन इसके लिए आपको मेरे साथ शहर का दौरा करना होगा। तभी आपके सवाल सही ढंग से हल हो पाएंगे।'

अकबर और बीरबल ने वेश बदला और सूफियों का बाना पहनकर निकल पड़े। कुछ ही देर बाद वे बाजार में खड़े थे। फिर दोनों एक दुकान में घुस गए।

बीरबल ने दुकानदार से कहा, 'हमें बच्चों की पढ़ाई के लिए मदरसा बनाना है, तुम हमें इसके लिए हजार रुपये दे दो।' जब दुकानदार ने अपने मुनीम से कहा कि इन्हें एक हजार रुपये दे दो तो बीरबल बोला, जब मैं तुमसे रुपये ले रहा हूंगा तो तुम्हारे सिर पर जूता मारूंगा। हर एक रुपये के पीछे एक जूता पड़ेगा। बोलो, तैयार हो?

यह सुनते ही दुकानदार के नौकर का पारा चढ़ गया और वह बीरबल से दो-दो हाथ करने के लिए आगे बढ़ा। लेकिन दुकानदार ने नौकर को शांत करते हुए कहा, 'मैं तैयार हूं लेकिन मेरी एक शर्त है। मुझे विश्वास दिलाना होगा कि मेरा पैसा इसी नेक काम पर खर्च होगा।

ऐसा कहते हुए दुकानदार ने सिर झुका दिया और बीरबल से बोला कि जूता मारना शुरू करें। तब बीरबल और अकबर बिना कुछ कहे-सुने दुकान से बाहर निकल आए। दोनों चुपचाप चले जा रहे थे तभी बीरबल ने मौन तोड़ा, 'बंदापरवर! दुकान में जो कुछ हुआ, उसका मतलब है कि दुकानदार के पास आज पैसा है और उस पैसे को नेक कार्यों में लगाने की नीयत भी, जो उसे भविष्य में नाम देगी।

इसका एक मतलब यह भी है कि अपने नेक कार्यों से वह जन्नत में अपनी जगह पक्की कर लेगा। आप इसे यूं भी कह सकते हैं कि जो कुछ उसके पास आज है, कल भी उसके साथ रहेगा। यह आपके पहले सवाल का जवाब है।

फिर वे चलते हुए एक भिखारी के पास पहुंचे। उन्होंने देखा कि एक आदमी उसे कुछ खाने को दे रहा है और वह खाने का सामान उस भिखारी की जरूरत से कहीं ज्यादा है। तब बीरबल उस भिखारी से बोला, 'हम भूखे हैं, कुछ हमें भी दे दो खाने को।

यह सुनकर भिखारी बरस पड़ा, 'भागो यहां से। जाने कहां से आ जाते हैं मांगने।'

तब बीरबल बादशाह से बोला, 'यह रहा हुजूर आपके दूसरे सवाल का जवाब। यह भिखारी ईश्वर को खुश करना नहीं जानता। इसका मतलब यह है कि जो कुछ इसके पास आज है, वह कल नहीं रहेगा।'

दोनों फिर आगे बढ़ गए। उन्होंने देखा कि एक तपस्वी पेड़ के नीचे तपस्या कर रहा है। बीरबल ने पास जाकर उसके सामने कुछ पैसे रखे। तब वह तपस्वी बोला, 'इसे हटाओ यहां से। मेरे लिए यह बेईमानी से प्राप्त पैसा है। ऐसा पैसा मुझे नहीं चाहिए।'

अब बीरबल बोला, 'हुजूर! इसका मतलब यह हुआ कि अभी तो नहीं है लेकिन बाद में हो सकता है। आज यह तपस्वी सभी सुखों को नकार रहा है। लेकिन कल यही सब सुख इसके पास होंगे।'

और हुजूर! चौथी मिसाल आप खुद हैं। पिछले जन्म में आपने शुभ कर्म किए थे जो यह जीवन आप शानो-शौकत के साथ बिता रहे हैं, किसी चीज की कोई कमी नहीं। यदि आपने इसी तरह ईमानदारी और न्यायप्रियता से राज करना जारी रखा तो कोई कारण नहीं कि यह सबकुछ कल भी आपके पास न हो। लेकिन यह न भूलें कि यदि आप राह भटक गए तो कुछ साथ नहीं रहेगा।'

अपने सवालों के बुद्धिमत्तापूर्ण चतुराई भरे जवाब सुनकर बादशाह अकबर बेहद खुश हुए।